
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
₹799/-
20% off
Coupon Code: RPF20
₹639/-
Features
Live Classes
Doubt Group
Class Notes PDF
Mock Test
Experienced Teachers
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
DEMO-01
प्राचीन इतिहास
LIVE 28-04-2024 4PM


कोर्स कैसे PURCHASE करें ?
20 April - Registration
Hello, RWA
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
Paid Classes
Free Courses
Free Weekly Tests
Test Series
PDF Class Notes
Books
799/-
Price
₹ 799/-
Pay Online
RPF20
Apply
Discount
₹ 160/-
Total
₹639/-
20%


TIME TABLE
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
MATHS
09:00 AM
REASONING
10:00 AM
ECONOMICS
11:00 AM
GEOGRAPHY
12:00 PM
HISTORY/POLITY
04:00 PM
SCIENCE
08:00 PM
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

Ancient History
प्राचीन इतिहास

इतिहास का जनक
Father of History ⇒ हेरोडोटस
↳ Book (पुस्तक) ⇒ हिस्टोरिका
यूनान निवासी Historica

इतिहास का वर्गीकरण (Classification of History)

(1) प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric Period)

↳ लिखित साक्ष्य (written evidence) नहीं मिले।

ex. उदाहरण ⇒ पाषाणकाल (Stone Age)



(2) आद्य - ऐतिहासिक काल (Protohistoric Period)

↳ लिखित साक्ष्य (written evidence) मिले।

↳ लेकिन इनकी लिपि (script) को पढ़ा नहीं जा सका।



Ex. उदाहरण ⇒ सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley civilization)
→ वैदिक सभ्यता (vedic civilization)
⇓
बाद में वेदों को पढ़ा गया।

(3) ऐतिहासिक काल (Historic Period)
⇓ साक्ष्यों को पढ़ा गया।
↳ पुरातात्विक एवं साहित्यिक दोनों साक्ष्य उपलब्ध

⇒ यह काल पुरातात्विक साहित्य तथा विदेशी यात्रियों (foreigners) के वर्णन पर निर्भर है।

प्रागैतिहासिक काल
(Prehistoric Period)

(1) पुरापाषाण काल (Paleolithic Period)

- अवधि ⇒ 10,000 BC / ई० पू०
- अर्थ (Meaning) ⇒ पत्थरों का युग (Age of stone)
- आग की खोज (Discover of fire)

(2) मध्य-पाषाण काल (Mesolithic Period)
(10,000 BC – 4000 BC)
⇓
पशुपालन (Animal Husbandry) ⇒ सबसे पहला पालतू पशु ⇒ Dog

(3) नवपाषाण काल (Neolithic Period) ⇒ (4000 BC - 2500 BC)
↳ कृषि का प्रारंभ (Beginning of Agriculture)
↳ 1st crops पहली फसल ⇒ जौ

आद्य-ऐतिहासिक काल (Protohistoric Period)

(2500-1750 BC) → सिंधु घाटी सभ्यता (Indus valley civilization)

→ वैदिक सभ्यता (vedic civilization)

① ऋग्वैदिक काल (Rigvedic Period) ⟶ 1500 BC - 1000 BC

② उत्तर वैदिक काल (Post vedic Period) → 1000 BC - 600 BC

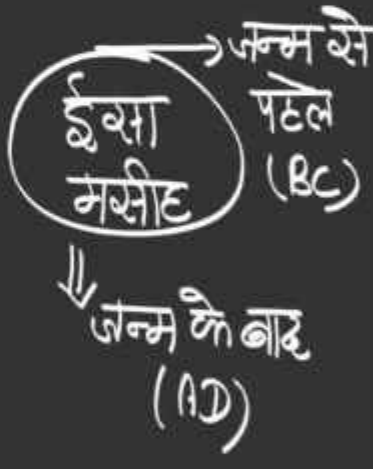

ऐतिहासिक काल (Historic Period)
मध्यकालीन इतिहास
(Medieval History)
712 AD — 1707 AD
मो० बिन कासिम आयेगा।
भारत पर आक्रमण (Attack on India)
अरब आक्रमणकारी
औरंगजेब की मृत्यु (Death)
मुगल शासक
(Mughal Ruler)
आधुनिक इतिहास
(Modern History)
1707-1947
भारत
की स्वतंत्रता
(Independent
of India)

BC ⇒ Before common era

ई॰पू॰ ⇒ ईसा के पूर्व के जन्म (Birth) की घटनायें (Incidents)

AD ⇒ Anno Domini | Common era → सामान्य युग

↳ ईसा मसीह के जन्म के बाद की घटनायें



प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric Period)

(1) पुरापाषाण काल


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
DEMO-02
प्राचीन इतिहास
Part-02
LIVE
29-04-2024 4PM


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
RPF
सजो लमत्व
₹799/-
20% off
Coupon Code: RPF20
₹639/-
28, 29, 30
3
Features
Live Classes
Doubt Group
Class Notes PDF
Mock Test
Experienced Teachers
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play


कोर्स कैसे PURCHASE करें ?
Hello, RWA
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक वेच
Free Courses
Free Weekly Tests
Test Series
PDF Class Notes
Books
799/-
Price
₹ 799/-
Total
₹ 799/-
Apply Coupon
Pay Online
RPF20
Apply
Discount
₹ 160/-
20%


TIME TABLE
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
MATHS
LIVE 09:00 AM
REASONING
LIVE 10:00 AM
ECONOMICS
LIVE 11:00 AM
GEOGRAPHY
LIVE 12:00 PM
HISTORY/POLITY
LIVE 04:00 PM
SCIENCE
LIVE 08:00 PM
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

प्रागैतिहासिक काल (Prihistoric Period)



(1) पुरापाषाण काल (Paleolithic Period)

↳ अर्थ (Meaning) ⇒ पत्थरों का युग (old stone Age)

→ सबसे पहले अध्ययन (study) → 1863 में रार्बट ब्रूस

→ पत्थर का उपयोग (use of stone)

→ शिकार का अल्पज्ञान (Had little Knowledge of Hunting)

→ कच्चा मांस खाता था। (used to eat raw meat)

→ आग की खोज। (learned to light a fire)

→ जीवन अस्थिर था। (Life was unstable)
→ खानाबदोश थे। (were nomads)
→ चित्रकारी शुरू की। (Started Painting)
↳ ex ⇒ उदाहरण ⇒ भीमबेटका गुफायें (caves) ⇒ 2003 → UNESCO की World Heritage site (विश्व विरासत सूची) शामिल।
↳ शैल चित्रकारी (Rock Painting)
⇓
लाल (Red) and → Green (हरे) रंग का प्रयोग।
खोज (Discover) ⇒ 1957-58 ⇒ वी० एस० वाकड़कर
→ मध्य प्रदेश के रायसेन जिले (District) में स्थित है।
→ महाभारत कालीन गुफाएं कहा जाता है।

(2) मध्य पाषाण काल (Middle stone Age) / लघु पाषाण काल

→ तीर कमान का प्रयोग (use of bow and arrow).



→ शिकार का पूर्ण ज्ञान (Full Knowledge of Hunting)

→ पशुपालन (Animal Husbandry) ⇒ सबसे पहला पालतू पशु → Dog

↳ साक्ष्य (evidence) → आदमगढ़ (मध्य प्रदेश)

→ बागोर (राजस्थान)

→ बर्तन बनाना सीखा → मिट्टी से (clay/soil)



↳ साक्ष्य (evidence) → प्रयागराज (U.P)

→ शव दफनाने की प्रथा की शुरुआत।
(Beginning of the Practice of burying dead bodies)

दमदमा झील
↳ हरियाणा

• लेखहिया (U.P., मिर्जापुर) ⇒ 17 नर कंकाल (17 Human skeleton)
• दमदमा (U.P.) → एक ही कब्र से 3 समाधि। (3 tombstones from the same graves)
• महदहा (U.P.) → युगल समाधि
Couple Mausoleum
• लंघनाज (गुजरात) ⇒ पशुओं की हड्डियों के साक्ष्य (evidence of Animal bones)

[मध्य पाषाण काल के प्रमुख स्थल
Main site of Middle stone Age] ⇒
• संगनकल्लू → राख का टीला
mound of Ashes
• कुचाई
• जलहल्ली

नवपाषाण काल (New stone Age)

→ कृषि का साक्ष्य (evidence of Agriculture) मेहरगढ़ (पाक०) – बेलन नदी के किनारे

→ पूजा (worship)

→ पहिये का अविष्कार (The invention of the wheel.)



→ इस काल में छोटे पत्थरों (small stones) को माइक्रोलिथ (Microlith) कहते हैं का प्रयोग सबसे ज्यादा हुआ।



small stones
छोटे पत्थर
↓
Microlith

नवपाषाण काल के प्रमुख स्थल (Main site of New stone Age)

(1) बेलनघाटी (U.P.) (3) सिंहभूमि (झारखण्ड)
(2) सोनघाटी (M.P.)

ताम्रपाषाण काल (Chalcolithic Period)

↳ तांबे की खोज (Discovery of copper) ⇒ मानव द्वारा प्रयोग की जाने वाली पहली धातु (1st Metal).

तांबा → कांसा – लोहा
Copper Bronze Iron

↳ इसका प्रयोग – वैदिक सभ्यता में
(In vedic civilization)

Copper
⇓
धातु (Metal)

Bronze
⇓
मिश्रधातु
Mixed Metal
⇓
तांबा + टिन ⇒ कांसा (Bronze)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
DEMO-03
प्राचीन इतिहास
Part- 03
LIVE
30-04-2024 4PM


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
₹799/-
20% off
Coupon Code: RPF20
₹639/-
Features
Live Classes
Doubt Group
Class Notes PDF
Mock Test
Experienced Teachers
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play


कोर्स कैसे PURCHASE करें ?
Hello, RWA
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
Free Courses
Free Weekly Tests
Test Series
PDF Class Notes
Books
799/-
Price
₹ 799/-
Total
₹ 799/-
Pay Online
RPF20
Apply
Price
₹ 799/-
Discount
₹ 160/-
Total
₹639/-
20%


TIME TABLE
RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
MATHS
LIVE 09:00 AM
REASONING
LIVE 10:00 AM
ECONOMICS
LIVE 11:00 AM
GEOGRAPHY
LIVE 12:00 PM
HISTORY/POLITY
LIVE 04:00 PM
SCIENCE
LIVE 08:00 PM
Registration Starts from 20th April
Classes Start from 28th April
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति (Chalcolithic culture)

(1) बनास संस्कृति ⇒ राजस्थान (इस संस्कृति ताम्रवती भूमी कहते हैं क्योंकि यहां तांबा बड़े पैमाने पर मिला।)

(2) गायथा संस्कृति → मध्य प्रदेश

(3) मालवा संस्कृति → मध्य प्रदेश (नावदाटोली)

(4) जोरवे संस्कृति → महाराष्ट्र (इनामगाँव, सोनेगाँव)

Note: → ताम्रपाषाण कालीन संस्कृतियाँ ⇒ कृषक ग्रामीण संस्कृतियां थीं।
Chalcolithic culture/civilization — They were Peasant rural culture.



(2500 BC - 1750 BC) सिन्धु घाटी सभ्यता → Indus valley civilization

⇒ पहली बार 1826 में चार्ल्स मैसेन ने खोजा।
(First discovered by Charles Massen in 1826)

→ 1856 में पहली बार कनिंघम ने सर्वेक्षण किया।
Cunnigham first survyed the are in 1856.

कनिंघम ⇒ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का जनक
Father of Archaeological Survey of India. (ASI)

↳ ASI ⇒ पहला महानिदेशक (1st Director General)

↳ स्थापना (established) ⇒ 1861

↳ HQ ⇒ मुख्यालय ⇒ New Delhi

⇒ जॉन मार्शल ⇒ ASI ⇒ महानिदेशक (Director General)
↳ 1924 में सिंधु घाटी सभ्यता के पाये जाने की विधिवत् घोषणा।
(In 1924, the Indus valley civilization was formally declared discovered.

वर्तमान ⇒ ASI के महानिदेशक (Director General) ⇒ वी० विद्यावती।

⇒ सिंधु घाटी सभ्यता / हड़प्पा सभ्यता / नगरीय सभ्यता / कांस्ययुगीन सभ्यता / सरस्वती सभ्यता / सुमेरियन सभ्यता की बेटी
Indus valley civilization / Harappa civilization / city civilization / Bronze civilization / Saraswati civilization / Daughter of Sumerian civilization.

⇒ काल (Period) ⇒ 2500 BC - 1750 BC ⇒ काल निर्धारण की पद्धति
Method of Period Determine
↳ C14 ⇒ कार्बन 14

⇒ सिंधु घाटी सभ्यता का सर्वेक्षण

प्राचीन नगर (oldest city) ⇒ भिरडाणा (हरियाणा में)
↳ खोजा गया ⇒ 2014 में
↳ 7500 BC / 7500 ई॰ पू॰ पुराना है।

↳ आकार (Shape) ⇒ त्रिभुजाकार (Triangular)

↳ लिपि (Script) ⇒ भावचित्रात्मक

2 ✓ ✗

↳ जिसे पढ़ा नहीं जा सका (Unreadable)
↳ दायीं से बायीं ओर (Right to left) लिखी जाती है।

⇒ समाज (Society) ⇒ मातृसत्तात्मक

⇒ इस सभ्यता हड़प्पा नामक स्थल सबसे पहले 1921 में दयाराम साहनी द्वारा खोजा गया (Discovery by Dayaram Sahani in 1921) इसलिए इस सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता कहते हैं।

⇒ हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल (Biggest site) ⇒ मोहनजोदड़ो (पाक०)

भारत में सबसे बड़ा स्थल ⇒ राखीगढ़ी



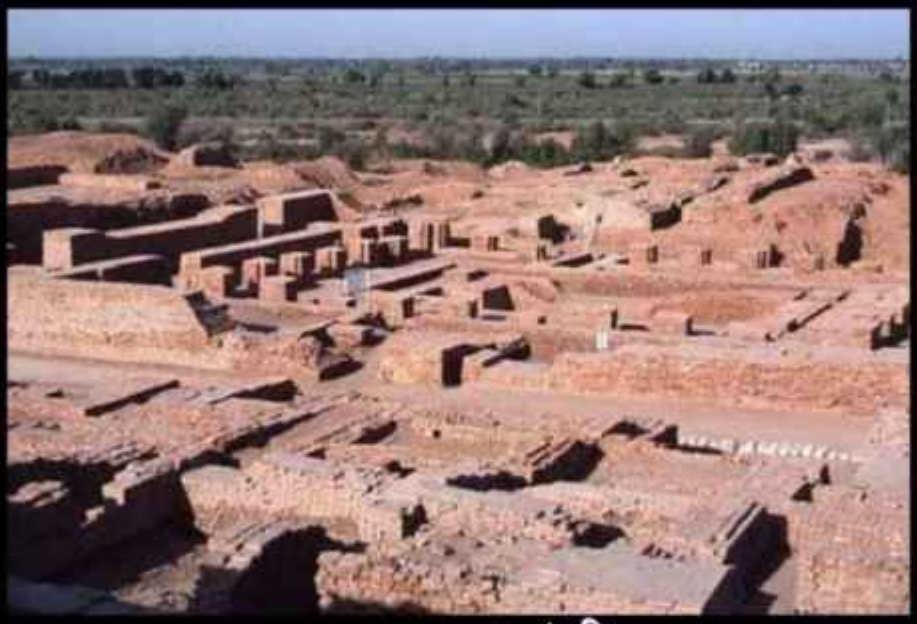
मातृसत्तात्मक

समाज



मोहनजोदड़ो

⇒ Discovered
खोजा ⇒ 1922
↳ राखलदास बनर्जी



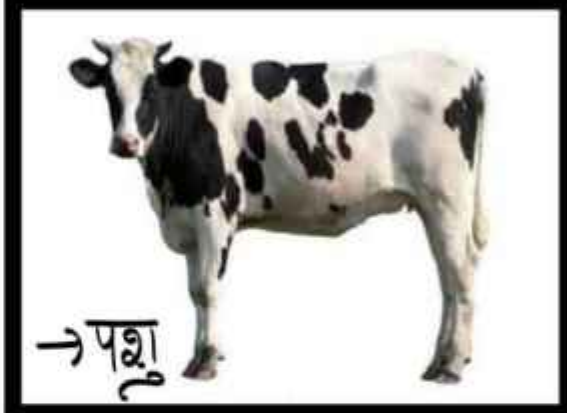
राखीगढ़ी (हरियाणा)



पशुपति



वृक्ष



→ पशु



पूजा (worship)

→ पक्षी

पूजा (worship) ⇒ मातृदेवी, धरती को उर्वरता की देवी मानकर पूजा, पशु
पक्षी, वृक्ष, सर्प (साप), जल, स्वास्तिक etc.



सिंधु घाटी सभ्यता में
मंदिर के साक्ष्य
(evidence) नहीं मिले।


कूबड़ वाला बैल (Humped Bull) ⇒ पवित्र पशु (Sacred Animal)

व्यवसाय (Business) ⇒ आयात – निर्यात
Import - export

⇒ बंदरगाह (Port) ⇒ लोथल (गुजरात)
सूरकोतदा

⇒ सिंधु घाटी सभ्यता → 2 टीलों में विभाजन (Division in 2 mounds)
↳ स्थल (sites) → east (पूर्व) ⇒ राजा/सरदार
west (पश्चिम) ⇒ सामान्य लोग

⇒ धौलावीरा (गुजरात)
↳ इस सभ्यता का एकमात्र स्थल जो 3 टीलों में विभाजित → east (पूर्व), west, Middle
↳ एकमात्र स्थल जिसे UNESCO की World Heritage site में शामिल ⇒ 2021



धोलावीरा

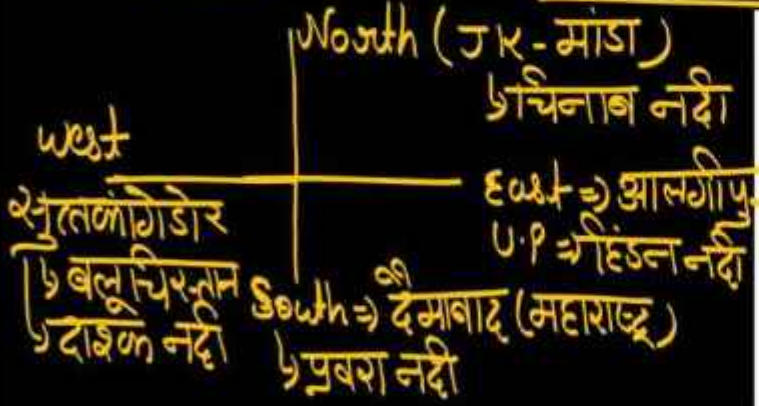

RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -3
LIVE
01-05-2024 4PM

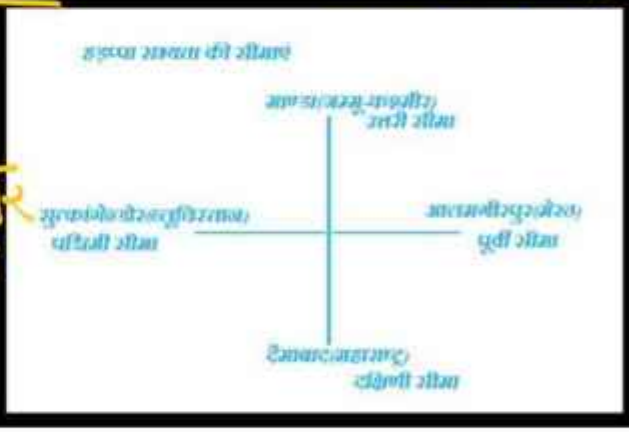
RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

सिन्धु घाटी सभ्यता का भौगोलिक विस्तार

Geographical extent of Indus valley civilization.

- **North** - (मांडा – J. K) - चिनाब नदी
- **West** - सुत्तकांगेडोर - वर्तमान - बलुचिस्तान - दाश्क नदी
- **East** - आलमगीरपूर (मेरठ)- U. P - हिंडन नदी
- **South** – गोदावरी की सहायक नदी प्रवरा नदी तक - दैमाबाद महाराष्ट्र





2 टीलों में विभाजित
- East (पूर्व) → राजा/सरदार
- West (पश्चिम) ⇒ सामान्य लोग

मध्यपाषाण काल / लघुपाषाण काल (Microlith Period)

नवपाषाण काल ⇒ छोटे पत्थर जिन्हें माइक्रोलिथ कहा जाता है का प्रयोग सबसे ज्यादा हुआ।

सिंन्धु घाटी सभ्यता के स्थल sites of Indus valley civilization.

⇒ हड़प्पा - खोज - 1921- दयाराम साहनी
↳ पाक० रावी नदी

⇒ मोहनजोदड़ो-खोज - 1922 =) राखलदास बनर्जी –
↳पाक ० - नदी - सिंधु नदी

⇒ चन्हूदड़ो - खोज - 1934, मजूमदार है।
↳ पाक० नदी - सिंधु

⇒ धौलावीरा-खोज - 1967-68 = R.S विष्ट/जे० पी० जोशी
↳ गुजरात - नदी - लूनी

⇒ लोथल - खोज 1954 - एस० आर० राव
↳गुजरात - नदी - भोगवा

⇒ बनावली (हरियाणा) खोज - 1974 - RS विष्ट
↳सरस्वती नदी

⇒ कालीबंगन (राज०) घग्घर नदी
↳खोज 1953 - अमलानंद घोष / बी० के० थापर

⇒ रोपड़ (पंजाब) - सतलज नदी
↳खोज = 1953 = बाई० डी० शर्मा

⇒ राखीगढ़ी (हरियाणा) घग्घर नदी = खोज 1963 (भारत में सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल)

⇒ सुरकोतदा - 1964 - जे० पी० जोशी।
(गुजरात) = शादीकौर नदी

Yaad ⇒ स्वतंत्रता-प्राप्ति पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में नये खोजे गये।

हड़प्पा → नदी → रावी
↳ खोजकर्ता → दयाराम साहनी

मोहनजोदड़ो → सिंधु नदी, राखलदास बनर्जी

राखीगढ़ी → स्थान → हरियाणा
नदी → घग्घर

कालीबंगा → स्थान → राजस्थान
→ नदी → घग्घर

सुरकोतदा → स्थान → गुजरात
नदी → शादीकौर नदी

⇒ सबसे बड़ा स्थल - मोहनजोदड़ो (सिंधु नदी)
(भारत में) ,, ,, ,, - राखीगढ़ी (घग्घर नदी)

- स्नानागार ✓
- अन्नागार ✓
- पशुपति की मूर्ति, नर्तकी की एक कांस्य मूर्ति (Statue)





RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

(Port) बंदरगाह - लोथल एवं सुतकोतदा

⇒ जूते हुए खेत और नक्काशीदार ईंट - कालीबंगन (Plowed field and Carved Brick)

⇒ अग्निकुंड → लोथल, → कालीबंगन

(Fire pit)

काले रंग की चूड़ियां (Black Bangles)





RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

⇒ मोहरों पर सबसे अधिक एक श्रृंगी पशु का अंकन ⇒ (Marking of a horned animal)



⇒ एक श्रृंगी पशु
Horned animal

⇒ मनके बनाने के कारखाने → लोथल एवं चन्हूदड़ो (सिंधु नदी)
(Bead factory)
↳ भोगवा नदी

⇒ नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए = ग्रीड पद्धति
Grid Method



Main crops
⇒ मूख्य फसल = गेहूं, जौ



⇒ सबसे पहले कृषि के लिए प्रयोग किया जाने वाली फसल - जौ

= मिठास के लिए शहद का प्रयोग (sweetness)

Use of Honey for sweetness.



Honey शहद

amp.

⇒ रंगपुर ⇒ धान की खेती



⇒ रंगपुर एवं लोथल ⇒ चावल के दाने मिले हैं।

गुजरात गुजरात



⇒ मिट्टी से बने हल का साक्ष्य ⇒ बनावली (बनमाली)

Evidence of Clay Plow (Clay Plow)



⇒ सुतकोतदा, कालीबंगन एवं लोथल से सैंधवकालीन घोड़े के अस्थिपंजर मिले हैं।

⇒ यातायात के लिए (for Travelling) < दो पहियों एवं चार पहियों वाली ⇒ बैलगाड़ी

two wheel's or four wheel's



Administration
⇒ शासन ⇒ वणिक वर्ग ⇒ (business class) के हाथों में था।

RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

⇒ हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो ⇒ जुडवाँ राजधानी ⇒ पिग्गट (twins capital)

⇒ मंदिर के अवशेष नहीं मिले हैं। (Remains of the temple)

⇒ सूती एवं ऊनी वस्त्रों का प्रयोग (Use of Cotton and woolen Clothes)

⇒ बर्तन ⇒ काले रंग से डिजाइन किये हुए लाल मिट्टी के बर्तन

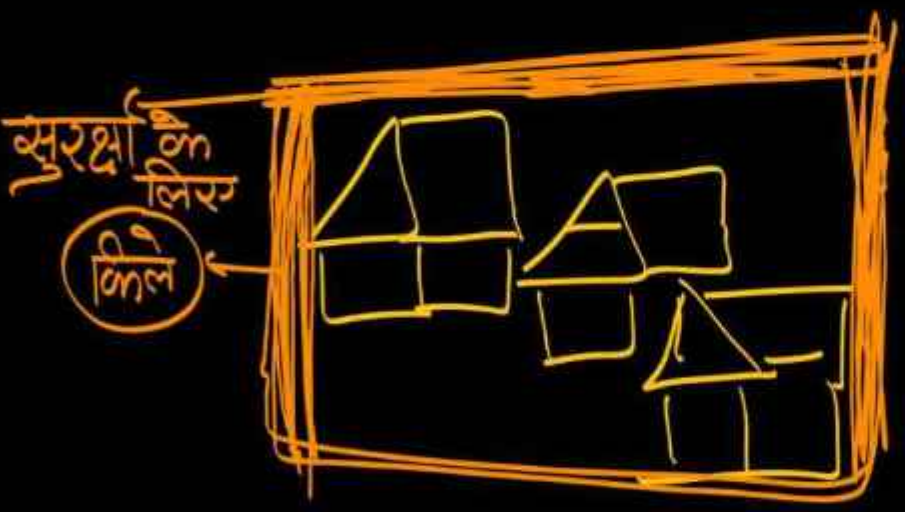
(Red clay) लाल मिट्टी के बर्तन



Designing

⇒ तलवार से परिचित नहीं है। were not familiar with swards

⇒ कालीबंगन एकमात्र हडप्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर (सामान्य लोगों के रहने हेतु) भी किले से घिरा हुआ था।





Telegram Group


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -5
LIVE
02-05-2024 4PM

सिंधु घाटी सभ्यता

Indus valley Civilization

⇒ पर्दाप्रथा, वैश्यावृत्ति ⇒ प्रचलित थी।

⇒ आग में पकी हुई मिट्टी को "टेराकोटा" जाता है।

⇒ सैंधव सभ्यता के विनाश का कारण संभवतः बाढ़ को माना जाता है।
Flood
सबसे प्रभावी कारण

⇒ विदेशी व्यापार (Foreign Trade)

तांबा - खेतड़ी, बलूचिस्तान, ओमान
चांदी (Silver) → अफगानिस्तान, ईरान

सोना (Gold) ⇒ कर्नाटक, अफगानिस्तान, ईरान

टिन ⇒ अफगानिस्तान, ईरान

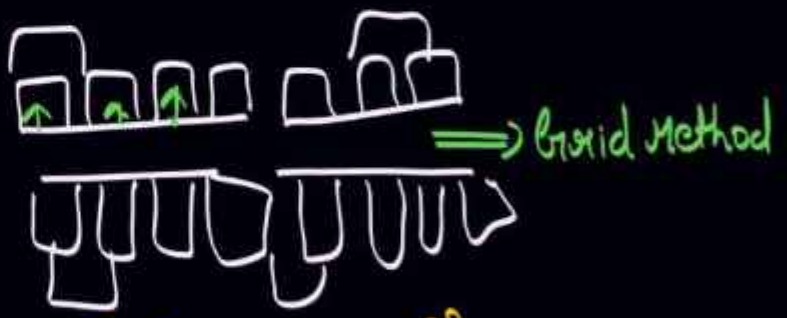
सीसा ⇒ ईरान

हड़प्पा ⇒ ① 5 km. की परिधि में फैला

Spread over 5 km. radious

② ग्रिड पद्धति से बना नगर

Grid system city.



③ शव दफनाने के साक्ष्य

Evidence of burial. ↳ कब्रिस्तान को R-37 कहा गया है।



→ कपास
Cotton

④ कपास की खेती के साक्ष्य।
Cotton cultivation evidence.

⑤ सुरक्षा दुर्ग → A B (wheeler) व्हीलर
Security fort.

⑥ मुद्रा बनाने में "सेलखड़ी" का प्रयोग
"Scallop" in making currency

मोहनजोदड़ो ⇒ अर्थ ⇒ मृतकों का टीला
Meaning mounds of the dead.
↳ सिंधु घाटी का बगीचा
Indus valley Gearden

→ सर्वाधिक जनसंख्या (Maximum population)

→ सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल (Biggest site of Indus valley)

→ विशाल अन्नागार Huge granary

↳ मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत (Biggest building of Mohenjodaro)

⇒ विशाल स्नानागार

↳ Great Bath



⇒ हड़प्पा की जुड़वा राजधानी (Twin capital of Harappa)

→ स्वास्तिक चिन्ह (Swastik symbol) 卐

→ बुने कपड़े के साक्ष्य (Evidence of woven fabric)



→ वाटर फ्रिंज के साक्ष्य

→ एक सींगी बैल की आकृति वाली मुहर



→ दाढ़ी वाले शिवदेव, पशुपति देवता

→ कांसे की नर्तकी (Dance statue - Bronze) की मूर्ति (statue) ⇒ विधि (Method)
(लुप्त मोम विधि से निर्माण)

चन्हूदड़ो → ① वक्राकार ईंटे,

② बिल्ली (cat) का पीछा करते हुए कुत्ते (Dog) के पैरों के चिन्ह (symbol)

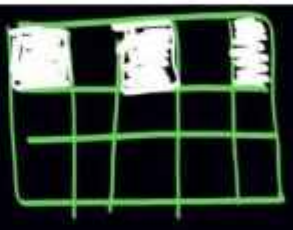
③ Makeup kit (काजल, लिपिस्टिक)

④ एकमात्र नगर है जिसमें सुरक्षा की दीवारें नहीं थी।

It is the only one city did not have a wall of Protection.

⑤ शिल्प उत्पादन के साक्ष्य
(Evidence of Craft Production)

लोथल → लघु मोहनजोदड़ो (Mini Mohanjodaro)
→ सफाई के प्रति सजग
Cleanliness conscious.
→ व्यापारिक नगर (Trading town)
→ बंदरगाह (गोदीवाड़ा) (Port)
→ घोड़े की हड्डियों के साक्ष्य (evidence of Horse bones) → सुरकोतदा



⇒ शतरंज के खेल के साक्ष्य
Evidence of game of chess.

⇒ तीन युगल समाधि
Three Couples Tomb.

⇒ हाथी दांत से बनी मैसोपोटामिया (ईराक) की मुहर

⇒ चावल का छिलका (Rice husk)

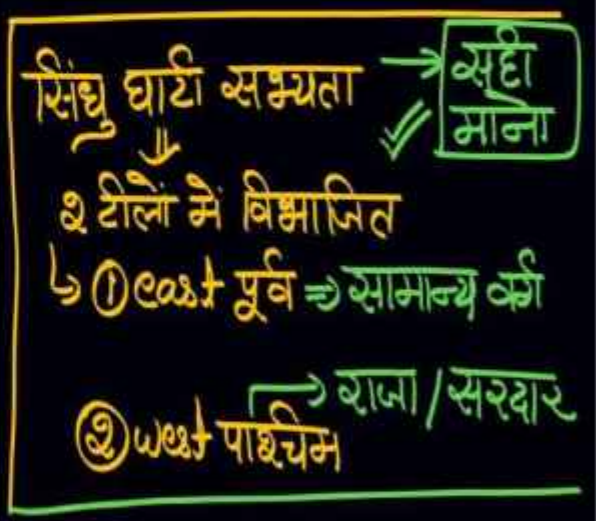
⇒ हड़प्पा सभ्यता का मैनचेस्टर (Manchester of Indus valley)

⇒ अनाज पीसने की चक्की
Grain mill

⇒ मिट्टी की नाव (खिलौने के रूप में)






सिंधु घाटी सभ्यता
सही माना
2 टीलों में विभाजित
1 east पूर्व → सामान्य वर्ग
2 west पश्चिम → राजा / सरदार


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -6
LIVE
03-05-2024 4PM

कालीबंगान → ① काले कांच की चूड़ियां (Black Bangles)

② जूते हुए खेत के साक्ष्य
Evidence of Plowing fields

③ लकड़ी का हल (wooden Plow)

④ 7 हवनकुण्ड (7 fireplit)

⑤ भूकंप के साक्ष्य evedience of earthquake.

⑥ लकड़ी की बनी नाली (wooden gutter)

⑦ अन्त्येष्टि संस्कार के साक्ष्य
Evidence of funeral sites.

④ हाथी दांत की कंघी
Ivory Comb

धौलावीरा

① जलप्रबंधन व्यवस्था (water Management)
② सुनामी का साक्ष्य Tsunami evidence
③ स्टेडियम के साक्ष्य Stadium evidence

सुरकोतदा ⇒ घोड़े (Horse), हाथी (Elephant) भेड़िया (wolf) → हड्डियाँ (Bones)

पत्थर की किलेबंदी (Stone fortifications)

→ हाथीदांत की कंघी (Ivory Comb)
→ जौ के दाने, मिट्टी का हल (Clay Plow) ⇒ खिलौने के रूप
Toy

वैदिक सभ्यता
(Vedic Civilization)

① पूर्व वैदिक काल
Pre-vedic Period
(1500-1000 ई० पू० / BC)

ऋग्वैदिक काल
(Rigvedic Period)

उत्तर वैदिक काल (Post-vedic Period)
⇓
1000 BC - 600 BC ई० पू०
↳ लोहे का उपयोग (Use of Iron)
सोंख्य → अतरंजीखेड़ा → एटा (U.P.)

⇒ वेदों का संकलन ⇒ महर्षि वेदव्यास
Compilation of vedas

⇒ वेद → ब्राह्मण ग्रंथ → आरण्यक - उपनिषद्

⇒ आर्यों द्वारा निर्मित सभ्यता वैदिक सभ्यता कहलाई। (vedic civilization created by the Aryans)

आर्य का अर्थ - श्रेष्ठ

⇒ ग्रामीण सभ्यता (village civilization)

⇒ भाषा (language) ⇒ संस्कृत

सामान्य जानकारी

⇒ शाकाहारी (Vegeterian) और मांसाहारी (Non-Vegeterian) दोनों थे।

⇒ House construction (सामान्यतः मकान निर्माण)

⇒ चार वर्ग (four class) ⇒ ① पुरोहित (Priests)
② योद्धा (warriors)
③ व्यापारी (Traders)
④ श्रमिक (workers)

⇒ सभ्यता के पतन का कारण (Reason for the decline of civilization)
↓
बाढ़ या जलवायु परिवर्तन
flood or climate change

⇒ माप तौल 16 के गुणक में थी।
Measurement weights were in multiple of 16.

⇒ हड़प्पा लिपि के लगभग 400 अक्षर पाये गये।
About 400 letters have been found from the Harappan script.

आर्यों का आगमन (Aryan's Arrival Place)

⇒ मैक्समूलर → आर्य ⇒ मध्य एशिया ✓
↳ बोगजकोई अभिलेख 1400 BC

आर्यों ने भारत पर आक्रमण (Attack) ⇒ सिंधु घाटी सभ्यता का पतन

आर्य (गोरे) Vs द्रविड़ ⇒ काले - भारतीय

हिंदूकुश पर्वत

आर्यों का राजा ⇒ द्रविड़ (काले) भारती

King of Aryans

राजा सुदास ⟷ 10 राजा

हार गये।

⇒ रुडयर्ड मेयर → पामीर का पठार (Pleateu)

⇒ पेनका, हर्ट → जर्मनी

⇒ दयानंद सरस्वती → तिब्बत

⇒ गाइल्स ⇒ हंगरी

⇒ बाल गंगाधर तिलक ⇒ उत्तरी ध्रुव (North Pole)

आर्यों का पंचजन
Aryans Panchjan

राष्ट्र (Nation) ⇒ सबसे बड़ी इकाई (Biggest unit)

जन
विश
ग्राम
कुल ⇒ सबसे छोटी इकाई (Smallest unit)

आज (वर्तमान में)
↳ राष्ट्र → राज्य → जिला → खंड → ग्राम → परिवार
Nation → State → District Block village family




RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -7
LIVE
06-05-2024 4PM

वैदिक सभ्यता

ऋग्वैदिक काल / पूर्व वैदिक काल

Rigvedic Period / Pre-vedic Period

कुछ शब्दावली जो आर्यों द्वारा प्रयोग (use) की जाती थीं –

(1) खाद्य पदार्थ → करम्भ (food)

(2) यवागू → जौ का दलिया

(3) यव → जौ

(4) धन्व → मरुस्थल (Desert)

(5) वप्ता - नाई (बाल काटने वाला)

(6) भोजा (Language) → संस्कृत

(7) अघन्या → गाय (न मारे जाने वाला पशु और पूजनीय पशु)

(8) पॉराक्त - समुद्र (sea)

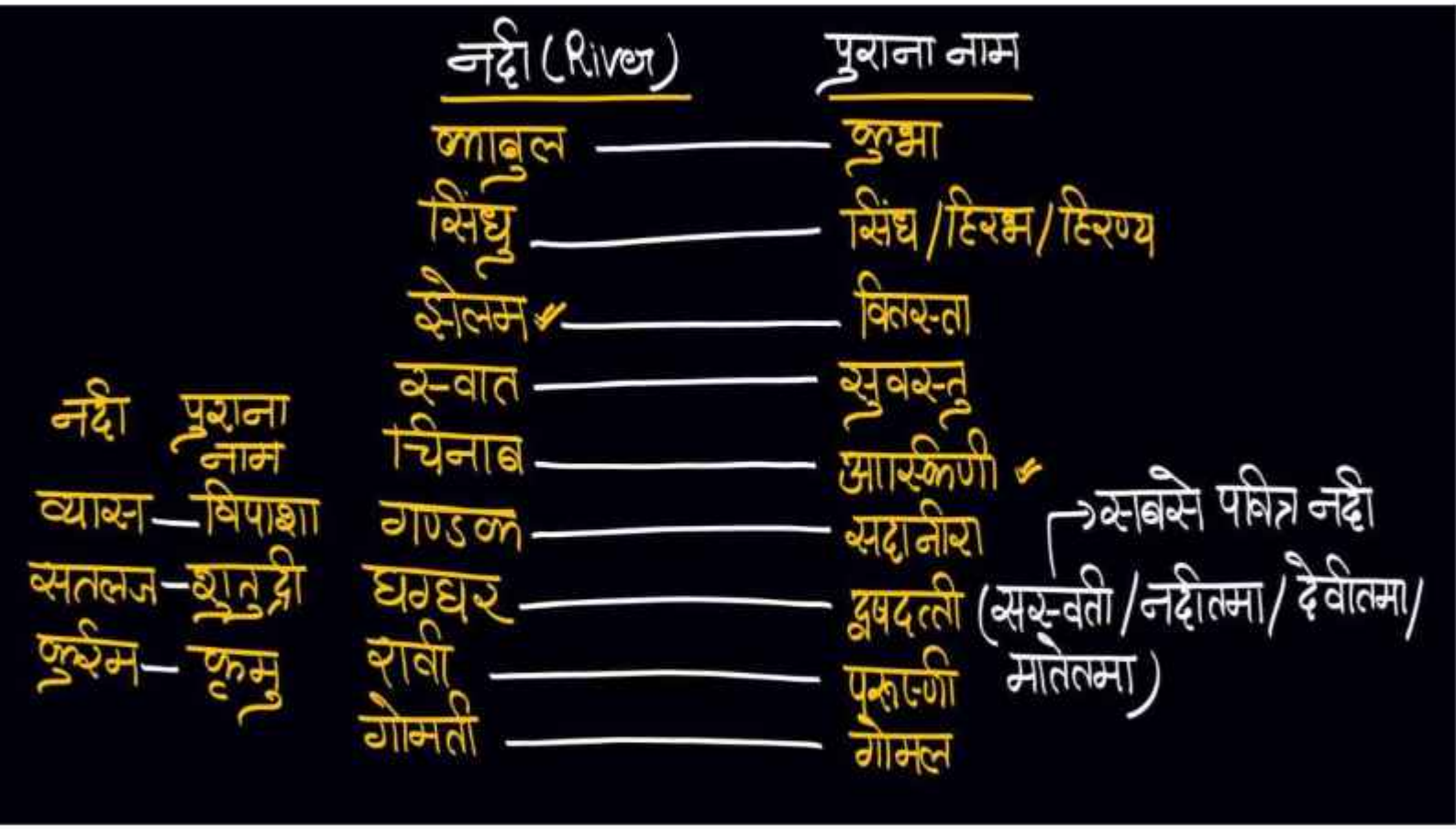
(9) वेर्ज्नाट → सूदखोर (usurer)

(10) उर्वरा → कृषि भूमि (Agriculture Land)

(11) सोमॅरस → पवित्र पेय (त्याज्य पदार्थ → त्याग देने वाला पदार्थ)

(12) वस्त्र (clothes) ⇒ सूती cotton
⇒ ऊनी woollen
⇒ मृगचर्म Deerskin ✓

ऋग्वैदिक कालीन
नदियों के नाम (Name of rivers Rigvedic Period)


नदी (River)
पुराना नाम
काबुल — कुभा
सिंधु — सिंध / हिरम / हिरण्य
झेलम — वितस्ता
स्वात — सुवस्तु
चिनाब — आस्किणी
गण्डक — सदानीरा
घग्घर — दृषद्वती
रावी — परुष्णी
गोमती — गोमल
नदी पुराना नाम
व्यास — विपाशा
सतलज — शुतुद्री
झेलम — कुभु
सबसे पवित्र नदी
(सरस्वती / नदीतमा / देवीतमा / मातेतमा)

ऋग्वैदिक कालीन समाज की विशेषताएँ
Features of Rigvedic - Period

(1) समाज (Society) ⇒ पितृसत्तात्मक

(2) प्रमुख देवता ⇒ इन्द्र (उत्तर वैदिकाल में देवता - प्रजापति)

पूर्व वैदिक काल में
Pre-vedic Period

→ साक्ष्य (evidence) → बोगजकोई अभिलेख ⇒ तुर्की देश
मार-सी अभिलेख ⇒ ईरान

(3) भक्षी (eater)
↳ शाकाहारी + मांसाहारी

⇒ बाल विवाह (Child Marriage) ⇒ नहीं होती थी।
⇒ विधवा विवाह (widow marriage) को मान्यता थी।
⇒ पर्दा प्रथा (Pardah system) ⇒ नहीं थी।
⇒ सती प्रथा (Sati system) ⇒ नहीं थी।
⇒ जाति प्रथा (caste system) ⇒ नहीं थी।
⇒ विवाह (Marriage) < अन्तर्जातीय विवाह (Inter-caste Marriage)
नियोग प्रथा (Niyog system)

(शारदा अधि० ⇒ विवाह की आयु निश्चित
Sharda Act
लड़की (Girl) → 14
लड़का (Boy) → 18
वर्तमान < लड़के ⇒ 21
लड़की ⇒ 18

विवाह (Marriage)
(1) अनुलोम विवाह → उच्च वर्ग का व्यक्ति निम्न वर्ग के व्यक्ति से विवाह कर सकता था (संपन्नता के आधार पर)
(2) प्रतिलोम विवाह

(2) प्रतिलोम विवाह

↳ निम्न वर्ग का व्यक्ति उच्च से विवाह करता था।

ऋग्वेद में देवता

(1) आर्य शब्द ⇒ 33 बार (3 times)

(2) इन्द्र ⇒ 250 बार (3 times)
मंत्रों का प्रयोग किया गया है।

(3) अग्नि → 200 बार

(4) विष्णु → 100 बार

(5) शिव ⇒ 3 बार (3 times)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -8
LIVE
07-05-2024 4PM

ऋग्वेद में देवता

आर्य शब्द - ३३ बार
इन्द्र देवता → २५० बार
अग्नि " → १८० बार
विष्णु → १०० बार
शिव → ३ बार
सिंधु नदी → ५५ बार
यमुना → ३ बार
गंगा → १ बार

सरस्वती
नदी → ५० बार
→ सबसे पवित्र
(The most Holy)

वैदिक साहित्य
Vedic literature

⇒ जिस समय वेद लिखे गये।

⇒ उपनिषद् / वेदांत – लिखने का क्रम (sequence)

वेद – ब्राह्मण → आरण्यक – उपनिषद्

⇓

का अर्थ गुरु के समीप बैठकर शिक्षा प्राप्त करना।

* उपनिषदों की कुल संख्या
Total no. of upnishad ⇒ 108

⇓

मुख्य उपनिषद् (Main upnishad) ⇒ 13

10 उपनिषद्

5 उपनिषद् - सिर्फ गद्य (only Prose)

(1) कठोपनिषद् (2) ईशा उपनिषद्
(3) श्वेताश्वर उपनिषद् (4) मैत्रेणयी उपनिषद्

2 उपनिषद् ⇒ गद्य + पद्य में
Prose + Poetry

↳ (1) प्रश्न उपनिषद् (2) केन उपनिषद् ⇒ ये दोनों उपनिषद् चम्पू काव्य के उदा० है।

03 उपनिषद् ⇒ सिर्फ पद्य में
(only Poetry)

Note ⇒ ऐसी रचनायें जो गद्य + पद्य (Prose + Poetry) दोनों में उन्हें चम्पू काव्य कहते हैं।








RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -9
LIVE
08-05-2024 4PM


सबसे बड़ा उपनिषद् – बृहदारण्यक उपनिषद्
→ याज्ञवल्क्य + गार्गी संवाद (Dialouge)
→ याज्ञवल्क्य + मैत्रेयी + कात्यायनी (Dialouge)
ज्ञानी ऋषि
wife (पत्नी)
गार्गी (विदुषी महिला।)
Intelligent female
सबसे छोटा (मांडूक्य उपनिषद्)
उपनिषद् ⇒ मुण्डकोपनिषद्
सत्यमेव जयते यहीं (राष्ट्रीय वाक्य) से लिया गया है।
→ तमसो मा ज्योर्तिगमय (अंधकार से उजाले की ओर)
→ ओम शब्द (ॐ)

⇒ कठोपनिषद् → यम नचिकेता संवाद (Dialouge)

↓

आत्मज्ञान

⇒ संस्कार (Sanskars) ⇒ 16 → 9 mp.

(1) गर्भाधान संस्कार →

(2) पुंसवन संस्कार → उत्तम संतान

(3) सीमन्तोन्नयन संस्कार ⇒ शिशु रक्षा → 6th / 8th Months

(4) जातकर्म संस्कार - बच्चे को शहद (Honey) घी (Ghee) चटाया जाता है।

(5) नामकरण संस्कार ⇒ बच्चे का नाम रखना

(6) निष्क्रमण संस्कार ⇒ सूर्य, चंद्रमा के दर्शन

(7) अन्नप्राशन संस्कार → खाद्य पदार्थ

(8) चूड़ाकर्म संस्कार / मुंडन संस्कार

(9) विद्यारंभ संस्कार ✔

(10) कर्णभेदन संस्कार कान छेदना

(11) यज्ञोपवीत संस्कार → जनेऊ

(12) वेदारंभ संस्कार → वेदों का ज्ञान, गुरुकुल

(13) केशान्त संस्कार → गुरुकुल से विदाई ✓

(14) समावर्तन संस्कार → गृहस्थ आश्रम में प्रवेश

(15) विवाह संस्कार →

(16) अन्त्येष्टि संस्कार

↳ अंतिम संस्कार

ऋग्वेद → सबसे पुराना वेद। (oldest ved)

- संकलनकर्ता → कृष्ण
  Compiler ⇒ द्वैपायन वेदव्यास
- शब्दों की संख्या ⇒ 1.50 लाख
  No. of words
- मण्डल ⇒ 10, अष्टक = 8, शाखा ⇒ 5
- सूक्त ⇒ 1028
- ऋचाओं → का संकलन ⇒ 10532
  - 10462 → Lucent ✓
  - 10562 ✓

Note: ⇒ वैदिक साहित्य में (In vedic literature) ऋग्वेद के बाद (After Rigveda) शतपथ ब्राह्मण का स्थान है।

⇒ ऋग्वेद को पढ़ने वाला ⇒ होतृ / होता
Reader of Rigveda Hotra / Hota

मंडल ⇒ उपनिषद ⇒ गायत्री मंत्र ⇒ सूर्य देवता को समर्पित
Gayatri Mantra Dedicated to the Sun

⇓

रचना (writer) ⇒ ऋषि विश्वामित्र

IV th मंडल ⇒ कृषि (Agriculture)

↳ जानकारी ⇒ पृथुवैन्यु पुरुष के बारे में पता चलता।

⇓

भारत का पहला कृषि इंजीनियर

7 वां मंडल → दशराज्ञ युद्ध का वर्णन ⇒ यह युद्ध (war) परुष्णी (रावी) नदी के किनारे हुआ।

↳ दस राजाओं का युद्ध Vs राजा सुदास
War of 10 Kings

↳ ऋषि वशिष्ठ

8 वां मंडल ⇒ हस्तलिखित रचनाओं के बारे में वर्णन जिन्हें खिल कहा जाता है।
Description of handwritteen compositions called Khills.

⇒ प्रत्येक मंडल का मंत्र (Mantra of every Mandal) ⇒ अग्नि देवता के नाम से शुरू होता है। (Begining of name of Agni devta)

⇒ 9 वां मंडल ⇒ सोम देवता के बारे में।
About Soma Devta.


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -10
LIVE
09-05-2024 4PM

ऋग्वेद – Rigveda -

संकलन कर्ता – कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास

Compiler - Krishna Dvaipayana Veda Vyasa

मण्डल 10, अष्टक – 8, शाखा – 5

Mandala 10, Ashtak – 8, Branch - 5

सूक्त 1028

Sukta 1028 Hymns

ऋचाएँ 10532 (मंत्र)

10532 (Mantras)



1017 11

शाकल shakal बालखिल्य Balkhilya

शब्द – 1.50 लाख

Words - 1.50 lakhs

पढ़ने वाला – होतृ/होता

Reader - would have been

तीसरा मण्डल : गायत्री मंत्र (सूर्य के लिए समर्पित)

Third Mandala: Gayatri Mantra (dedicated to the Sun)

ऋषि विश्वामित्र द्वारा लिखा गया

Written by Rishi Vishwamitra

चौथे मण्डल – कृषि **Fourth Division – Agriculture**

↳ प्रथुवैन्य पुरूष के बारे में पता चला

came to know about Prithuvainya Purush

↳ भारत का पहला कृषि इंजीनियर

India's first agricultural engineer

7वें मण्डल – दशराज युद्ध का वर्णन

The description of 7th Mandal - Dasaraja War

ऋषि वशिष्ठ — राजा सुदास विजयी हुए

Sage Vashistha — King Sudas was victorious

8वें मण्डल : हस्तलिखित रचनाओं के बारे में वर्णन (खिल कहा जाता था)

8th Mandala: Description of handwritten compositions (called Khil)

9 वें मण्डल : सोम देवता के बारे में।

9th Mandala: About Soma Devta.

प्रत्येक मण्डल का मंत्र – अग्नि देवता के नाम से शुरू होता है

Note:- **The mantra of each mandala begins with the name of the fire god.**

10वें मण्डल : जाति व्यवस्था चातुर्वर्ण व्यवस्था : (पुरूष सूक्त में)

10th Mandal: Caste System Chatusvarna System: (In Purush Sukta)

⇓ ५ वर्ण



वेद

जाति व्यवस्था

जन्म आधारित ✗

कर्म आधारित ✓

ब्राह्मण – शिक्षा
brahmin - education

क्षत्रिय – रक्षा
Kshatriya - Defense

वैश्य – व्यापार
vaisya trade

शूद्र – कारीगर
sudra - artisan

इनके कर्तव्य धर्मसूत्र में बताए गए हैं
Their duties are mentioned in the Dharmasutras

प्रथम बार वर्ण का उल्लेख पुरूष सूक्त में मिलता है।

For the first time the mention of varna is found in Purush Sukta.

राजा — स्वर्ग की अप्सरा

पुरूरवा – उर्वशी संवाद का वर्णन मिलता है।

The description of Pururva-Urvashi dialogue is found.

ऋग्वेद का उपवेद : आयुर्वेद **Upveda of Rigveda: Ayurveda**

ऋग्वेद - उपवेद - आयुर्वेद

सुश्रुत अनुसार -

सुश्रुत के अनुसार, आयुर्वेद अथर्ववेद का उपवेद है।

According to Sushruta, Ayurveda is a sub-veda of Atharvaveda.

ऋग्वेद की रचना पूर्व वैदिक काल में हुयी।

The Rigveda was composed in the pre-Vedic period.

Pre-vedic Period

RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

खोज Search : लोहा iron
तम्बाकू tobacco → ज्ञान नहीं था।

पूर्व वैदिक काल
↳ का ज्ञान नही था

ऋग्वेद में पिता शब्द – 335 बार
गंगा शब्द – 1 बार
कृषि शब्द – 33 बार
आर्य शब्द – ~~36 बार~~ 33 बार
विदथ – 122 बार

जनजीले का उपयोग
↳ Head

Note :→
↳ लोहे का प्रयोग
↓
उत्तरवैदिक काल
Post vedic Period

RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

उत्तर वैदिक काल (1000 BC – 600 BC)

Later Vedic period (1000 BC - 600 BC)

उत्तर वैदिक काल में "वेदत्रयी / त्रयी" की रचना की गयी : ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद

"Vedatrayi/Trayi" were composed in the later Vedic period: Rigveda, Samveda, Yajurveda



सामवेद– Samaveda

- संगीत का जनक father of music
- स्वरो का पहला प्रयोग सामवेद में हुआ (सा, रे, गा, मा .....)
  The first use of swaras was in Samaveda
- सामवेद का पढ़ने वाला : उद्रातृ/उद्गाता
  Reader of Samaveda: Udratri/Udgata
- उपवेद : गन्धर्ववेद Upveda: Gandharvaveda
- संकलन कर्ता : भरतमुनि Compiler: Bharatmuni

यजुर्वेद Yajurveda

- यज्ञ + कर्मकाण्ड से सम्बंधित
  Yagya + related to rituals → Imp

- गद्य + पद्य दोनों में है। (चम्पू काव्य) → Imp
  Prose + is in both Poetry (Champu Poetry)

- पढ़ने वाला 'अध्वर्यु "कहलाता है।
  The one who reads is called Adhwaryu.

- उपवेद : धनुर्वेद Upveda: Dhanurveda
- संकलन कर्ता : विश्वामित्र Compiler: Vishwamitra

अथर्ववेद – Atharvaveda - /ब्रह्मवेद

- सबसे लोकप्रिय वेद Most popular Vedas
- (ब्रह्मवेद) – सबसे नया वेद Om (Brahmaveda) - Newest Veda
- जादू टोना, वशीकरण, कृषि को प्रभावित करने वाला कीट, औषधि के बारे में
  About witchcraft, captivity, insect affecting agriculture, medicine

- कन्या जन्म पर निन्दा blasphemy on the birth of a girl child
- पढ़ने वाला : ब्रह्म Reader: Brahma
- उपवेद : शिल्पवेद Upveda: Shilpveda
- रचना ⇒ अथर्वा ऋषि
  अथर्ववेद का कुछ अंश / भाग अंगिरस / अंगीरा ऋषि द्वारा लिखा गया।

⇒ अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है।

ब्राह्मण ग्रंथ brahmin texts

- वेदों का सरल भाषा में रूपांतरण : ब्राह्मण ग्रंथ
  Conversion of Vedas into simple language: Brahmanical texts

- ब्राह्मण ग्रंथ को वेदों की टीका भी कहा जाता है।
  The Brahman text is also called the commentary of the Vedas.

- ऋग्वेद का ब्राह्मण ग्रंथ : ऐतरेय, शंखायन/(कौषीतकी)
  Brahmanical texts of Rigveda: Aitareya, Shankhayana (Kaushitaki)

टीका ↓ जब किसी का विस्तार से वर्णन किया जाता है।

- सामवेद : पंचविश (प्रौढ़), षडविश, जैमिनीय, आर्षेय
  Samaveda: Panchvish, Shadvish, Jaiminiya, Arshey
  ↳ dmp.
- यजुर्वेद : कृष्ण शाखा (तैतरेय), शुक्ल शाखा (शतपथ)
  Yajurveda: Krishna branch (Taitreya), Shukla branch (Satapatha)
  यजुर्वेद की दो शाखायें हैं
  - कृष्ण शाखा → तैतरेय
  - शुक्ल शाखा → शतपथ
- अथर्ववेद : गोपथ ब्राह्मण ग्रंथ –
  Atharvaveda: Gopath Brahmin text
  ↳ dmp.

वेदांग– Vedanga-

- ★ शिक्षा Education – उच्चारण बताता है
- ★ कल्प Kalpa – किस मंत्र का प्रयोग किस काम में
- ★ निरूक्त Nirukta – वेद की आत्मा – शब्द का प्रयोग
- ★ छंद verse – रचना का ज्ञान
- ★ ज्योतिष astrology → ग्रह, नक्षत्रों का ज्ञान।
- ★ व्याकरण : व्याकरण को जानने वाला Grammar: Knowing grammar

वेदांग = 6

वेद = 5, उपनिषद् = 108


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
प्राचीन इतिहास
Part -10
LIVE
09-05-2024 4PM

RPF SI & CONSTABLE 2024 रेल रक्षक बैच HISTORY

पाणिनी – अष्टाध्यायी Panini - Ashtadhyayi

रामायण Ramayana → प्रथम वैयाकरण

संस्कृत : महर्षि वाल्मीकि
Sanskrit: Maharishi Valmiki

→ व्याकरण (Grammar)
→ शब्द (words) रचना
→ वाक्य (sentence) रचन

gmp

अवधी : गोस्वामी तुलसीदास
Awadhi: Goswami Tulsidas → (रामचरितमानस)
तुलसीदास

gmp

तमिल : कम्बन Tamil: Kamban

gmp

imp

- फारसी : बदाँयूनी Persian: Badayuni (मुल्लाह)
- बांग्ला : कृतवास Bangla: kritavas
- अंग्रेजी : आर. टी. एच. ग्रिफिथ English: R. T. H. Griffith

- बालरामायण : भवभूति Balaramayana: Bhavabhuti

imp

- तेलगू : भास्कर Telugu: Bhaskar

- कन्नड़ : कुमुदेन्दु Kannada: Kumudendu

- मैथिली – चन्दा झा Maithili - Chanda Jha

श्रीरामचरित मानस –7 काण्ड → दूसरा

Shri Ramcharit Manas-7 Kand

रामचरितमानस
↳ लेखक → तुलसीदास

1.	बालकाण्ड	Balkand
2.	अयोध्याकाण्ड	Ayodhya Kand
3.	अरण्यकाण्ड	Aranyakand
4.	किष्किंधाकाण्ड	Kishkindhakand
5.	सुंदरकाण्ड	Sunderkand
6.	लंका काण्ड	Lanka scandal
7.	उत्तरकाण्ड	Lanka scandal

महाभारत : Mahabharata:

पुराण 18 – सबसे पुराना पुराण – मत्स्य पुराण – सातवाहन वंश के बारे में

Purana: 18 - Oldest Purana - Matsya Purana - About Satavahana Dynasty

भगवान विष्णु के 10 अवतार :

10 Avatars of Lord Vishnu:

(1) मत्स्य अवतार — Matsya Avatar

(2) कूर्मावतार — Kurmavatar

महाभारत

- लेखक (writer) वेदव्यास
- English translation
  - अंग्रेजी अनुवाद → किसारी मोहन गांगुली
- "जयसंहिता" ⇒ महाभारत का अन्य नाम (पुराना नाम)

⇒ विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य ⇒ महाभारत

(3) वराहावतार	Varahavatara
(4) नृसिंह अवतार	Narasimha Avatar
(5) वामनावतार	Vamanavatar
(6) परशुराम	Parashuram
(7) श्री रामचन्द्र	Shri Ramchandra ji
(8) कृष्ण	Krishna
(9) बुद्ध	Buddha
(10) कल्कि	Kalki

विष्णु पुराण – मौर्यवंश Vishnu Purana - Mauryan Dynasty

वायु पुराण – गुप्त वंश Vayu Purana - Gupta Dynasty

भागवत पुराण – कृष्ण भक्ति Bhagavata Purana - Krishna Bhakti

ज्वालोपनिषद – 4 आश्रम बताए गए हैं

Jvalopanishad - 4 Ashrams are mentioned

1. ब्रह्मचर्य : 0–25 वर्ष Brahmacharya: 0-25 years
2. गृहस्थ : 25–50 वर्ष Householder: 25-50 years
3. वानप्रस्थ : 50–75 वर्ष Vanaprastha: 50-75 years
4. संन्यास : 75–100 वर्ष Sannyas: 75-100 years

नोट :- पुराणों के रचयिता
लोमहर्ष एवं उनके पुत्र उग्रश्रवा हैं।

Fact 11 → सिंधु घाटी सभ्यता

(1) सिंधु घाटी सभ्यता के समय शिल्प निर्माण के लिए सीप लोथल (गुजरात) से प्राप्त किये जाते थे।

(2) हड़प्पा सभ्यता की अधिकतर मोहरें → सेलखड़ी (स्टिएटाइट)
↓
सफ़ेद प्रकार का नरम (Soft) पत्थर (Stone)

(3) मोहनजोदड़ो → विशाल स्नानागार (Great Bath) → आयताकार



↓
Shape आकृति

लम्बाई → 11.88 m.
चौड़ाई → 7.01 m.
गहराई → 2.43 m.

⇒ पत्थर (Stone) की नृत्य करते हुए पुरुष की "नटराज" मूर्ति हड़प्पा से मिली है। (Statue)

⇒ धौलावीरा (गुजरात) ⇒ जलाशयों के साक्ष्य।

⇒ रंगपुर (गुजरात)

⇒ मोहनजोदड़ो का अर्थ - "मृतकों का टीला" — सिंधी भाषा। (by meaning)

⇒ विष्णु भगवान की पूजा नहीं करते थे। (हड़प्पा लोग)

⇒ हड़प्पा की मुहरों पर अक्सर बैल (Bull) को देखा जाता है।

⇒ शिल्प कला से सम्बंधित स्थल –

(1) बालाकोट → सीप की चूड़िया ।

(2) चन्हूदड़ो → पक्काकार ईंट ।

(3) नागेश्वर → शंख से बनी चूड़िया ।

⇒ मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत अन्नागार ।

अन्नागार → लम्बा → 45.71 m.
चौड़ा → 15.23 m.

⇒ सर रॉबर्ट एरिक मार्टिमर व्हीलर ने 1944 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI → Archaeological survey of India) के महानिदेशक (Director General) का पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का

⇒ जिम्मा (Responsibility) लिया।

⇒ हिन्दू धर्म में सोम देव को पौधों के स्वामी, रोगों के उपचारक और धन के दाता माना जाता है। ⇒ वैदिक सभ्यता

⇒ वैशेषिक हिन्दू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है।



नोट : पुराणो के रचतिया – लोमहर्ष एवं उनके पुत्र उग्रश्रवा

Note: The creators of the Puranas - Lomaharsha and his son Ugrashrava

महाजनपद काल – 600 ईसा – 400 ईसा

Mahajanapada period - 600 AD - 400 AD

- कुल – ग्राम–विश–जन–जनपद – महाजनपद
  Total - Village-Vish-Jana-District – Mahajanapada

- महाजनपद काल – 600 ईसा पूर्व – राज्य की परिभाषा
  Mahajanapada period - 600 BC - Definition of state

- महाजनपदो के बारे में कुछ ग्रंथो से जानकारी मिलती है।
  Information about Mahajanpado is available from some texts.

  - ★ अंगुत्तर निकाय – बौद्ध धर्म – 16 महाजनपद
    Anguttar Nikaya - Buddhism - 16 Mahajanapadas
  - ★ भगवती सूत्र – जैन धर्म – 16 महाजनपद
    Bhagwati Sutra - Jainism - 16 Mahajanapadas
  - ★ अष्टाध्यायी – 22 महाजनपद
    Ashtadhyayi - 22 Mahajanapadas

16 महाजनपद – 14 (राजतंत्र)

Mahajanapada - 14 (Monarchy)

2 (गणतंत्र) – 1. वज्जि –दुनिया का सबसे पहला गणतंत्र

2 (Republic) - 1. Vajji - the world's first republic

2. मल्ल **Mall**

महाजनपद Mahajanapada	राजधानी Capital
मगध Magadha	राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र Rajgriha / Girivraj / Pataliputra
अंग Ang	चम्पा (मालिनी नदी) Champa (Malini River)
कोशल (सरयू)	साकेत / श्रावस्ती

Kosala (Saryu)	Saket / Shravasti
अवन्ति	उज्जैन, महिष्मती
Avanti	Ujjain, Mahishmati
गांधार	तक्षशिला
Gandhara	Taxila
काशी	वाराणसी (राजा अवश्सेन के पुत्र 23वें तीर्थंकर)
Kashi	Varanasi (23rd Tirthankara, son of King Avassen)
पांचाल (गंगा–2 भागों)	अहिच्छत्र, कापिल्य

Panchala (Ganga - 2 parts) Ahichchhatra, Kapilya

वज्जि Vajji	वैशाली (आम्रपाली का सम्बंध) Vaishali (Affiliation of Amrapali)
कम्बोज प्रसिद्ध Kamboj horses	हाटक (राजापुर) – घोड़ों के लिए Hatak (Rajapur) - Famous for
अश्मक	प्रतिष्ठान (पैठन)

Ashmak	Pritishthan (Paithan)
मल्ल mall	कुशीनगर kushinagar
सूरसेन sursen	मथुरा mathura
मत्स्य Matsya	विराटनगर Viratnagar

कुरू	इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)
kuru	**Indraprastha**
वत्स	कोशाम्बी
vats	**koshamb**
चेदी	शक्तिमती (कलिंग शासक खारवेल का सम्बंध)
Chedi	**Shaktimati (Affiliation of Kalinga ruler Kharavela)**

नोट : दो महाजन ऐसे थे जो वर्तमान भारत की सीमा से बाहर है– कम्बोज, गंधार 16 महाजनपदों में से 8 महाजन पद उत्तर पद्रेश में पड़ते हैं।

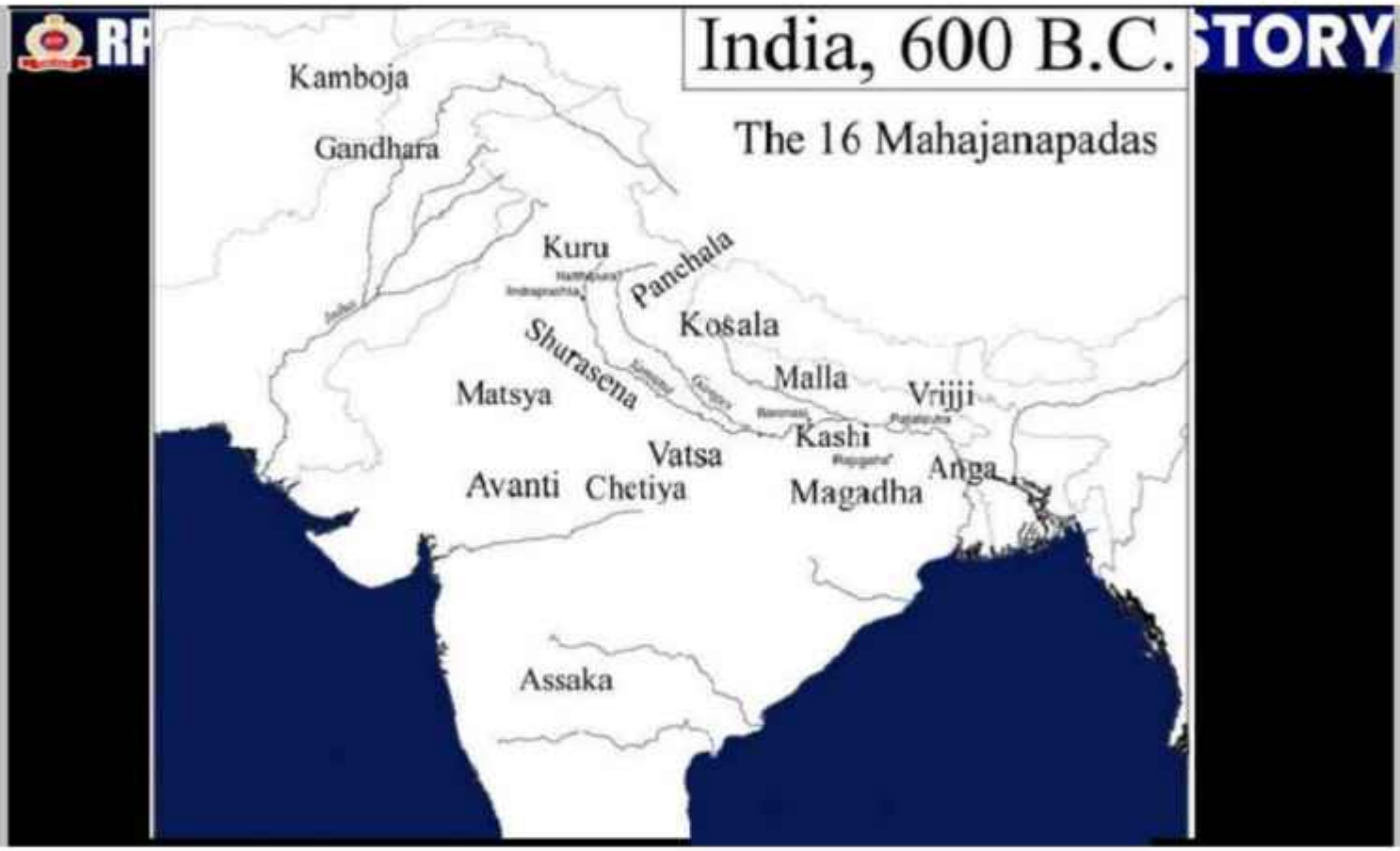
16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली मगध महाजनपद था।

सबसे पूर्वी महाजनपद अंग

Note: There were two Mahajans which are outside the border of present India- Kamboj, Gandhar 8 out of 16 Mahajanapadas fall in Uttar Pradesh.

Magadha Mahajanapada was the most powerful of the 16 Mahajanapadas.

Eastern Mahajanapada Anga


India, 600 B.C.
The 16 Mahajanapadas
Kamboja
Gandhara
Kuru
Panchala
Kosala
Shurasena
Malla
Matsya
Vrijji
Kashi
Vatsa
Anga
Avanti
Chetiya
Magadha
Assaka


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
महाजनपद काल
LIVE
13-05-2024 4PM

वैदिक सभ्यता के तथ्य :→
Facts of Vedic Civilization

⇒ हिन्दू धर्म में सोम देव को पौधों के स्वामी, रोगों के उपचारक और धन के दाता माना है

⇒ वैशेषिक हिन्दू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है।

⇒ वैदिक ग्रंथो के अनुसार सम्राज्ञी का अर्थ कोषाध्यक्ष / खजांची था।

⇒ पुरुषार्थ की संख्या ⇒ ५ → ① धर्म ② अर्थ ③ काम ④ मोक्ष

⇒ हिन्दू धर्म में
ब्रह्मा → सृजनकर्ता
विष्णु → संचालनकर्ता
शिव → सृष्टि विनाशक

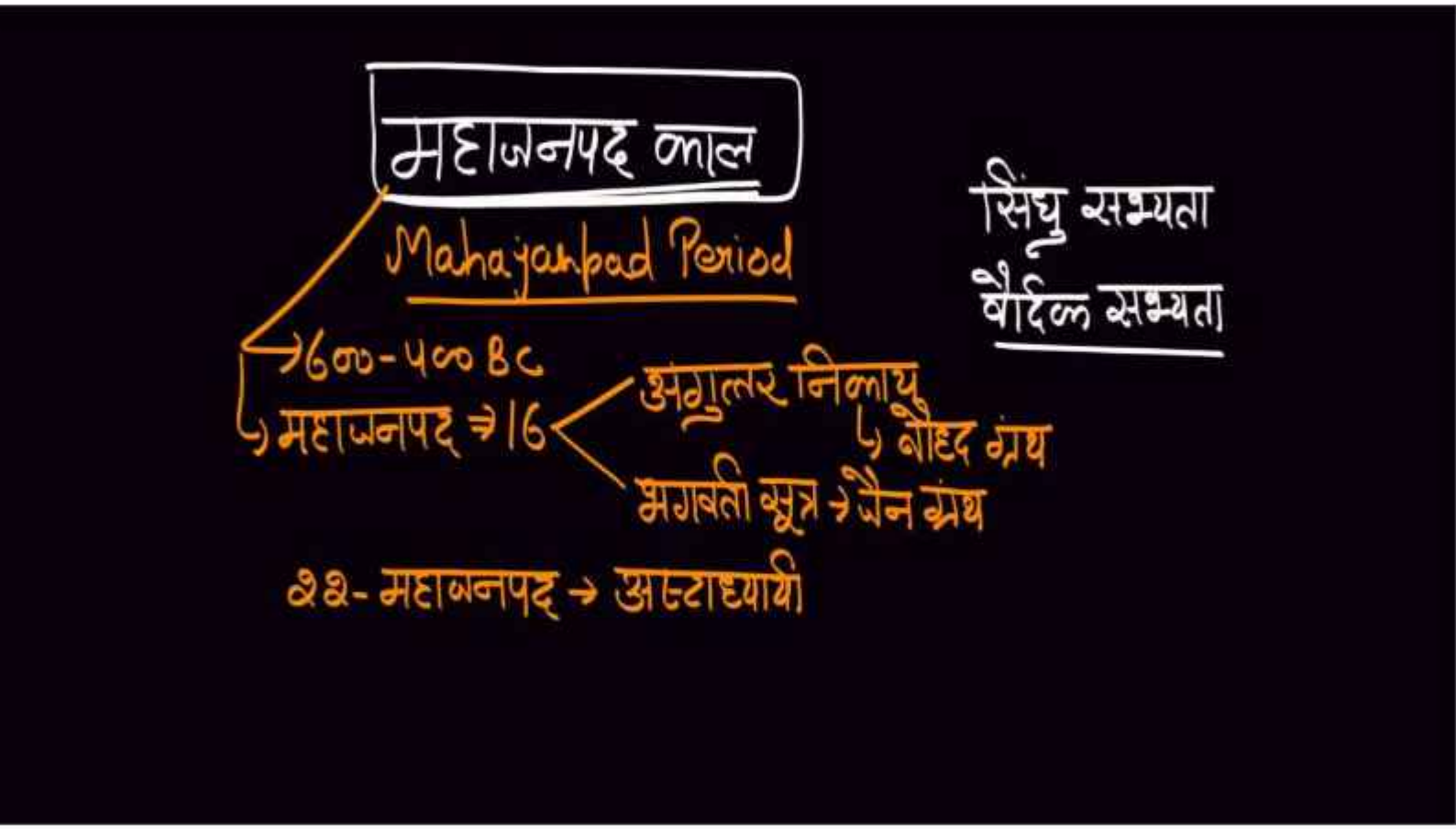
⇒ मुण्डकोपनिषद् अथर्ववेद की "शौनकीय शाखा" का उपनिषद् है।
⇒ यजुर्वेद में यजुर का अर्थ - बलिदान।
⇒ सबसे पुराना उपनिषद् छांदोग्य उपनिषद्।
⇒ वसुधैव कुटुम्बकम शब्द का उल्लेख महाउपनिषद् में है।

⇒ प्रत्येक वस्तु 5 मूल तत्वों से –
(1) आकाश (2) वायु (3) अग्नि (4) जल तथा (5) पृथ्वी से बनी है।

⇒ कौशाम्बी नगर में प्रथम पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया।

⇒ उत्तर वैदिकाल में वर्ण जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगा। → Imp.

⇒ गोत्र नामक संस्था का जन्म इसी काल में हुआ।


महाजनपद काल
Mahajanpad Period
सिंधु सभ्यता
वैदिक सभ्यता
600-400 BC
महाजनपद → 16
अंगुत्तर निकाय
बौद्ध ग्रंथ
भगवती सूत्र → जैन ग्रंथ
22- महाजनपद → अष्टाध्यायी

- महाजनपद काल – 600 ईसा पूर्व – 400 BC
  Mahajanapada period - 600 BC – 400 BC (6 वीं शताब्दी - चौथी शताब्दी)

- महाजनपदो के बारे में कुछ ग्रंथो से जानकारी मिलती है।
  Information about Mahajanpado is available from some texts.

  - अंगुत्तर निकाय – बौद्ध धर्म – 16 महाजनपद
    Anguttar Nikaya - Buddhism - 16 Mahajanapadas
  - भगवती सूत्र – जैन धर्म – 16 महाजनपद
    Bhagwati Sutra - Jainism - 16 Mahajanapadas
  - अष्टाध्यायी – 22 महाजनपद

लेखक – पाणिनी

Ashtadhyayi - 22 Mahajanapadas

16 महाजनपद – 14 (राजतंत्र)

Mahajanapada - 14 (Monarchy)

2 (गणतंत्र) – 1. वज्जि –दुनिया का सबसे पहला

2 (Republic) - 1. Vajji - the world's first republic

2. मल्ल **Mall**

गणतंत्र का अर्थ
Meaning of Republic
⇓
राष्ट्राध्यक्ष (Head of Nation) / राजा का पद निर्वाचित (elected) होता है।

- वज्जि ✓
- मल्ल ✓

(दुनिया का पहला गणतंत्र (Republic) लिच्छवियों ने वैशाली में स्थापित किया।)

महाजनपद Mahajanapada	राजधानी Capital
मगध → imp. Magadha → सबसे शक्तिशाली (Most powerful)	राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र Rajgriha / Girivraj / Pataliputra
अंग Ang imp.	चम्पा (मालिनी नदी) Champa (Malini River)
कोशल (सरयू) Kosala (Saryu)	साकेत / श्रावस्ती Saket / Shravasti

अवन्ति **Avanti**	उज्जैन, महिष्मती **Ujjain, Mahishmati**
गांधार **Gandhara**	तक्षशिला **Taxila**
काशी **Kashi**	वाराणसी (राजा अवश्सेन के पुत्र 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ) **Varanasi (23rd Tirthankara, son of King**
पांचाल **Panchala**	अहिच्छत्र, कापिल्य **Ahichchhatra, Kapilya**

imp.

वज्जि ← Vajji — वैशाली (आम्रपाली का सम्बंध) Vaishali (Affiliation of Amrapali)

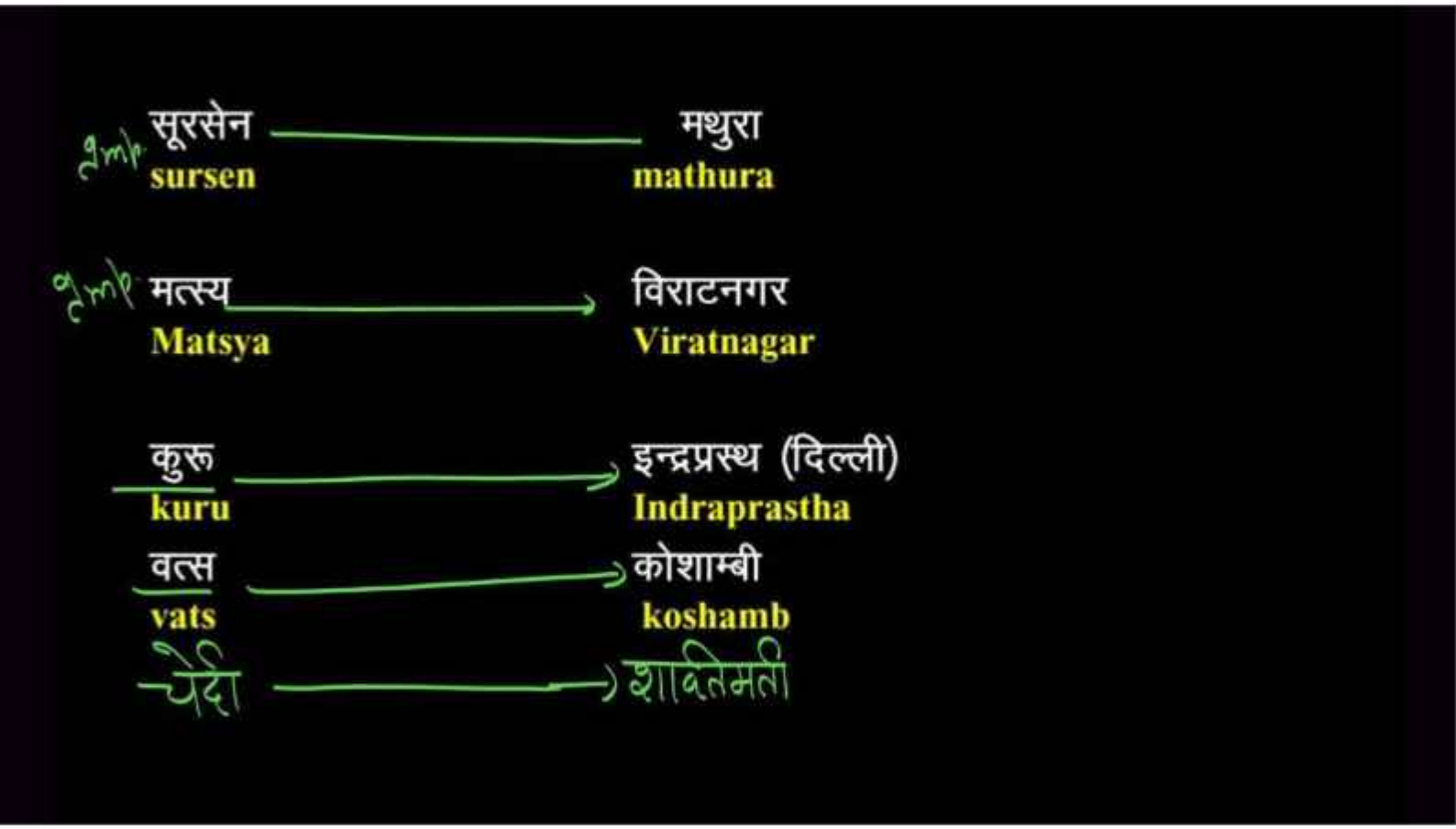
imp.

कम्बोज → Kamboj — हाटक (राजापुर) – घोड़ों के लिए प्रसिद्ध Hatak (Rajapur) - Famous for Horses

अश्मक → Ashmak — प्रतिष्ठान (पैठन) Pritishthan (Paithan)

imp.

मल्ल → mall — कुशीनगर kushinagar


सूरसेन
sursen
मथुरा
mathura
मत्स्य
Matsya
विराटनगर
Viratnagar
कुरू
kuru
इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)
Indraprastha
वत्स
vats
कोशाम्बी
koshamb
चेदि
शक्तिमती

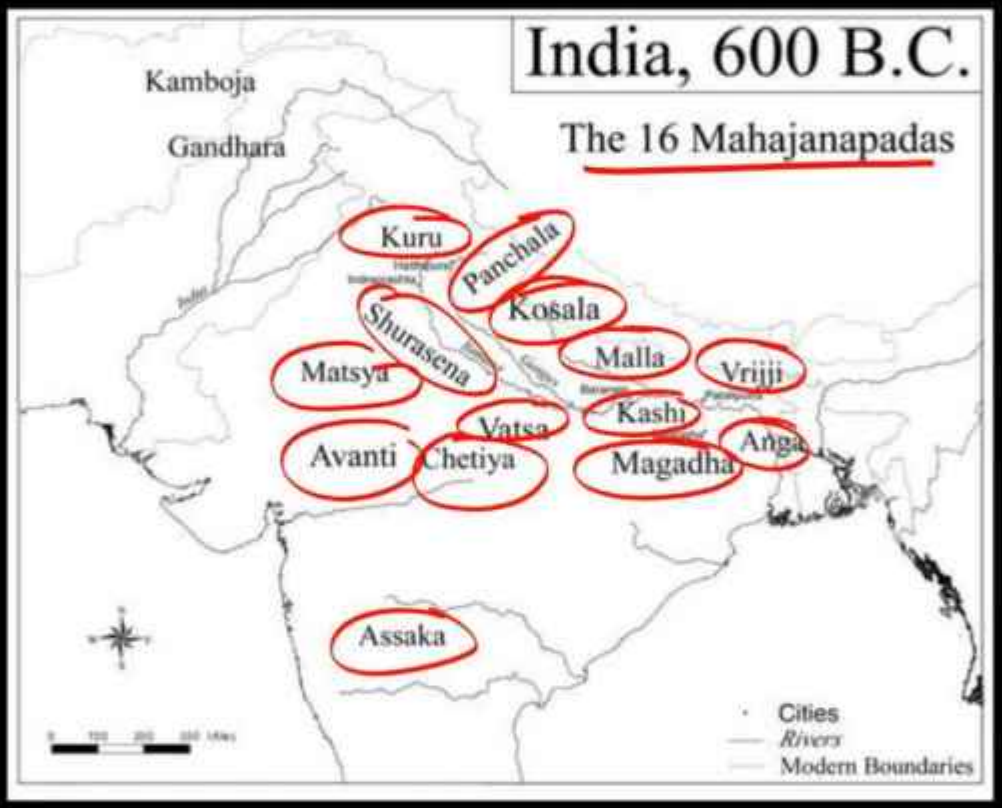
चेदी → शक्तिमती (कलिंग शासक खारवेल का सम्बंध)

Chedi → Shaktimati (Affiliation of Kalinga ruler Kharavela)

नोट : दो महाजनपद ऐसे थे जो वर्तमान भारत की सीमा से बाहर है– कम्बोज, गंधार 16 महाजनपदों में से 8 महाजनपद उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं।
16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली मगध महाजनपद था।
सबसे पूर्वी महाजनपद अंग

16 → 8 (U.P.)

Note: There were two Mahajanapadas which are outside the border of present India- Kamboj, Gandhar 8 out of 16 Mahajanapadas fall in Uttar Pradesh. Magadha Mahajanapada was the most powerful of the 16 Mahajanapadas. Eastern Mahajanapada Anga


India, 600 B.C.
The 16 Mahajanapadas
Kamboja
Gandhara
Kuru
Panchala
Kosala
Shurasena
Malla
Vrijji
Matsya
Kashi
Vatsa
Anga
Avanti
Chetiya
Magadha
Assaka
Cities
Rivers
Modern Boundaries

बौद्ध धर्म Buddhism



- संस्थापक – गौतम बुद्ध
  Founder - Gautam Buddha
- अन्य नाम – तथागत, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह, **The light of Asia.**
  Other names - Tathagata, Shakya Muni, Shakya Singh
- जन्म – 563 ईसा पूर्व – लुम्बिनी
  Born - 563 BC - Lumbini
- मृत्यु – 483 ईसा पूर्व – कुशीनगर
  Death - 483 BC - Kushinagar
- बचपन – सिद्धार्थ

Childhood - Siddhartha



- पिता – शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य)
- **Father- Shuddhodana (Shakya Republic)**
- माता – महामाया (माया देवी – कोलीय गणराज्य)
- **Mother - Mahamaya (Republic of maya devi - Koliya)**

(आम्रवन)–में सिद्धार्थ का जन्म हुआ।

Siddhartha was born in (Amravana)

- सिद्धार्थ के जन्म के 7वें दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया तब इनका पालन पोषण इनकी मौसी – प्रजापति गौतमी ने किया।
- **His mother died on the 7th day after the birth of Siddhartha, then he was brought up by his aunt - Prajapati Gautami.**



- पत्नी : यशोधरा (शादी 16 वर्ष की अवस्था में हुआ)
- **Wife: Yashodhara (married at the age of 16)**

12 वर्ष बाद : पुत्र पैदा हुआ –राहुल
After 12 years: son was born - Rahul

- 29 वर्ष की अवस्था में घर छोड़ (महाभिनिष्क्रमण) दिया
Left home (Mahabhinishkran) at the age of 29
- 4 दृश्य जिनके कारण सिद्धार्थ संन्यासी बनने के तरफ बढ़ गए–
4 scenes that led Siddhartha to become a sanyasi-

1. बूढ़ा व्यक्ति **old man**
2. बीमार व्यक्ति **sick person**
3. मृत व्यक्ति की शय्या **Shadow of the dead person**

4. संन्यासी Saints

- 35 वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त (सम्बौद्धि) हुआ
  Enlightened (Sambodhi) at the age of 35
  - पीपल वृक्ष peepal tree
  - उरूवेला, बोधगया, बिहार Uruvela, Bodh Gaya, Bihar
  - निरंजना नदी nirjana river
  - वैशाख पूर्णिमा Vaishakh Purnima

- पहला उपदेश – सारनाथ (ऋषिपत्तनम)

First Sermon - Sarnath (Rishipatnam)

धर्मचक्र प्रवर्तन – 5 ब्राह्मण

Turning the wheel of Dharma - 5 Brahmins

- कौडिन्य **Kaudinya**
- वप्पा **wappa**
- भोदिया **Bhodiya**
- मघनामा **maghnama**
- अस्ता **asta**

- वाराणसी में यज्ञश्रेष्ठी को ज्ञान दिया।

Gave knowledge to Yagyashreshthi in Varanasi.

- वाराणसी में ही बौद्ध भिक्षु संघ बनाया।
  The Buddhist monks' union was formed in Varanasi itself.
- वाराणसी के बाद वैशाली गए, और वहाँ बौद्ध भिक्षुणी संघ बनाया (आनंद के कहने पर)
  After Varanasi, went to Vaishali, and formed a Buddhist nunnery there (at the behest of Anand)
- इस संघ में सबसे पहले प्रजापति गौतमी फिर आम्रपाली जुड़ी।
  First Prajapati Gautami then Amrapali joined this union.
- सबसे अधिक उपदेश एवं सबसे अधिक अनुयायी – श्रावस्ती में थे।
- **Most preachers and most followers were in Shravasti.**
- इन्होंने अंतिम उपदेश – कुशीनगर में (सुभद्र को) दिया।

He gave the last sermon - in Kushinagar (to Subhadra).

- सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में
  Most sermons in Pali language
- सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।
  Spent maximum rain - in Sravasti.
- अंतिम वर्षावास – कुशीनगर
  Last Varshawas - Kushinagar

शिक्षाएँ –Teachings → आर्य सत्य – 4

1. दुःख है **Grief**
2. दुःख का कारण है **cause of sorrow**
3. दुःख का निराकरण है **Sorrow is the solution**
4. दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।

Redressal of sorrow is done through the eightfold path.

आष्टांगिक मार्ग – 8 octagonal route

1. सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
   Right View (belief in the 4 Noble Truths)
2. सम्यक संकल्प Right Resolution
3. सम्यक वाणी Right Speech
4. सम्यक कर्म Right action
5. सम्यक आजीविका Right Livelihood
6. सम्यक व्यायाम Right Exercise
7. सम्यक स्मृति Right Memory

8. सम्यक समाधि Right Samadhi

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड **Birth: Kamal + bull**
  - ↳ यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा **Home abandonment: horse**
- गर्भ : हाथी **womb: elephant**
- ज्ञान : पीपल **Knowledge: People**
- मृत्यु : पद चिह्न **Death: Footprint**
  - ↳ मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 **Modesty in Buddhism – 10**

बौद्ध साहित्य Buddhist literature

- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया हैं
  Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

1. विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम
   Rules of the Buddhist Sangha
   Vinaya Pitaka: Upali Disciple
2. सुत्त पिटक : आनंद शिष्य – गौतम बुद्ध के उपदेश
   Teachings of Gautam Buddha
   Sutta Pitaka: Ananda Disciple
3. अभिधम्म पिटक : मोगली शिष्य
   Abhidhamma Pitaka: Disciples of Mowgli

- सुत्त पिटक – गाय – (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)

Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

- सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व
   Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha
2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद
   Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas
3. दीघ निकाय Deegh body
4. मंझिम निकाय Manjhim body
5. संयुक्त निकाय sanykut body

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

Three Jewels: **Buddhism,** **Dhamma,** **Sangha**

ज्ञान शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483	राजगृह Rajgriha	अजातशत्रु Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383	वैशाली Vaishali	कालाशोक Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255	पाटलिपुत्र Pataliputra	अशोक Ashok	मोगली पुत्र Mowgli Putra
4. पहली शताब्दी	कुण्डलवन	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष–अश्वघोष)

1st century Kundalavan Kanishka Vasumitra (Vice-President - Asvaghosha)

5. 1871 माण्डले (म्यांमार) ⟶ राजा मिण्डन

चौथी बौद्ध संगीति : Fourth Buddhist Council:

- 1. महायान : वसुमित्र – बुद्ध को ईश्वर समझते हैं।
  Mahayana: Vasumitra - considers Buddha as God.
  ↳ नए नियम बनाए make new rules
  चीन, जापान, कोरिया, भूटान, सिंगापुर
  China, Japan, Korea, Bhutan, Singapore
- 2. हीनयान : महाकश्यप
  Hinayana: Mahakashyapa
  अष्टांगिक मार्ग Eightfold Path ✓
  परिवर्तन change ×
  वैभाषिक Vaibhashik
  सर्वास्तिवादी totalitarian

बुद्ध को महापुरूष
Buddha the legend

कपिल मुनि

- महात्मा बुद्ध के गुरू – आलार कलाम (सांख्य दर्शन)

Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

रूद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)
Rudrak Rama Putram (Yoga Philosophy)

बृहस्पति (वैदिक दर्शन)
Jupiter (Vedic Philosophy)

बौद्ध मठ : Buddhist Monastery:

- लद्दाख – हेमिस, ठिकसे Ladakh - Hemis, Thiksey
- सिक्किम–रूमटेक, लिंगडम, Sikkim - Rumtek, Lingdam,
- हिमाचल प्रदेश – ताबो, शशूर, मैक्लोडगंज (धर्मशाला), की गोम्पा, नाको

Himachal Pradesh -Tabo, Shashur, McLeodganj (Dharamsala), key gompa, Nako

- अरूणाचल प्रदेश –तवांग मठ (सबसे बड़ा मठ)

Arunachal Pradesh - Tawang Monastery (largest monastery)

- कर्नाटक – वेलकुप्पे मठ

Karnataka - Velakuppe Monastery

○ पश्चिम बंगाल –घूम
West Bangal - Ghum

पुस्तकें : Books

- बौद्ध चरित्र, सौदरानंद ब्रजसूची – अश्वघोष (भारत का वाल्टेयर / भारत के हेटे)
  Buddhist Character, Sondrananda Brajaschiti - Ashvaghosha
  (Voltaire of India/Hete of India)
  फ्रांस

  विभाषा शास्त्र – वसुमित्र
  Biology - Vasumitra

- पहली मानव प्रतिमा पूजी गयी – बुद्ध की (गांधार शैली)
  First human statue worshiped - Buddha (Gandhara style)

- बौद्ध शिक्षा केन्द्र – तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला, नालंदा विश्वविद्यालय
  Buddhist Education Center - Taxila, Vallabhi, Vikramshila, Nalanda University
- बौद्ध मान्यताएँ –
  Buddhist beliefs -
  - आत्मा **soul** ×
  - कर्मकांड **ritual** ×
  - वर्ण व्यवस्था **varna system** ×
  - पुनर्जन्म **Rebirth** ✓
  - मध्यम मार्ग **Madhyam Marg**

जैन धर्म JAIN DHARM

- 24 तीर्थकरो के बारे में "कल्पसूत्र" पुस्तक में लिखा हैः भद्रबाहू ने।
  It Is Written In The Book "Kalpasutra" About 24 Tirthankaras: Bhadrabahu.
- जैन धर्म सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन था।
  Jainism Was Contemporary To The Indus Valley Civilization.

- पहले तीर्थकर : ऋषभदेव (अंहिंसा + अपरिग्रह)
  First Tirthankara: Rishabhdev (Ahimsa + Aparigraha)
  - प्रतीक चिह्न : सांड Symbol : Bull
  - उपनाम : केशरिया देव /आदिनाथ (ऋग्वेद में वर्णन मिलता है।) Surname: Keshariya Dev / Adinath (Description is found in Rigveda.)
  - दो पुत्र Two Sons
    - भरत Bharat

महाबली / बाहुबली Mahabali / Bahubali

↳ मूर्ति – श्रवणवेलगोला (कर्नाटक)

Statue - Shravanavelgola (Karnataka)

↳ चामुण्डाराय ने बनवाया

Chamundaraya built

- दूसरे तीर्थकर : अजीत नाथ (हाथी)

Second Tirthankar: Ajit Nath (Elephant)

- तीसरे तीर्थकर : सम्भव नाथ (घोड़ा)

Third Tirthankar: Sambhav Nath (horse)

- 21वें तीर्थकर : नमिनाथ (नीलकमल)

21st Tirthankar: Naminath (Nilkamal)

- 22वें तीर्थकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)
  22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- 23वें तीर्थकर : पार्श्वनाथ (निर्ग्रथ) कहा गया। (साँप)
  23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)
  - शिक्षाएँ दी (4) Teaches 4 :
    (1) सत्य Truth
    (2) अहिंसा Non-Violence
    (3) अस्तेय (चोरी न करना)

Asteya (Not To Steal)

(4) अपरिग्रह (धन न संचय करना)

Aparigraha (Non-Accumulation Of Wealth)

- 24 वें तीर्थंकर : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24th Tirthankara: Mahaveer Swami (The Real Founder)

  - 5वीं शिक्षा Education : ब्रह्मचर्य Celibacy
  - प्रतीक : शेर / सिंह Sign : Lion / Lion
  - जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)

Birth : 540 BC = Kundagram (Vaishali)

- मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died: 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
- पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश /इच्छवाकु वंश
  Father : Siddhartha :Gyaerak line / Ichchhavaku lineage
- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
  Mother: Trishala: Lichchavi (Sister of Chetak)
- बचपन का नाम : वर्धमान Childhood Name: Vardhman
- पत्नी : यशोदा Wife: Yashoda
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी

Daughter: Anoja Priyadarshini

- दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा
  Son-In-Law: Jamali: (He Received The First Sermon) = Semi-Magadhi Language

- भाषा : बाद में "प्राकृत" **Language: later "Prakrit"**

- 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया।
  At The Age Of 30, After Taking Permission From His Brother Nandivardhan, He Renounced His Home.
- पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।
  Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.
  - आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक
    the founder of the Ajivika sect

- 12 वर्ष तप किया **Did Penance For 12 Years**
  - पहला वर्ष **First Year**
  - अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह **Last 11 Years 6.5 Months**

अशोक वृक्ष Ashoka Tree

साल वृक्ष Sal Tree

स्वर्ण बालूका नदी
Golden Sand River

ऋजुपालिका नदी
Rijupalika River

ज्ञान की प्राप्ति हुई। Knowledge Gained.

- (झिझिक/जाम्भिक ग्राम) में। (Hesitating/Jrambhik Village).
- ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए। After Attaining Knowledge, Mahavir Swami Was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.



- पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
  First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language)
- केवलिन : आत्म व शरीर के बीच Kevalin: Between Self And Body
  जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय Jin: Victory Over One's Desires

निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त Nirgranth: free from cognitive bondage

- ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी Gaining Knowledge = Vaishakh Dashami
- जैन धर्म के त्रिरत्न : The Three Jewels of Jainism
  1. सम्यक दर्शन Right Darshan
  2. सम्यक ज्ञान Right knowledge
  3. सम्यक आचरण Fair Conduct

- जैन समितियां Jain committees/ conference
  1. 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलभद्र
     300 Bc - Pataliputra - Sthulbhatra
  2. 512 AD – वल्लभी (Guj) – देवर्धि क्षमाश्रवण (अध्यक्ष)

512 Bc - Vallabhi (Guj) - Devardhi Apology

- जैन धर्म में कषाय : **Kashaya in Jainism:**
  - क्रोध **Anger**
  - माया **Spell**
  - मान **Value**
- जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है– **Jain Literature Is Called "Agam"-**
  - पूर्व **East**
  - उपांग **appendage**

- छेदसूत्र **hole thread**

  आगम की संख्या – 12

  उपांग – 12

  छंद सूत्र – 6

जैन धर्म की शाखाएं–
Branches of Jainism

- श्वेताम्बर **Svetambara** (स्थूलभद्र)
- दिगम्बर **Digambara** (भद्रबाहू)

❖ दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया

Promoted Svetambara branch in South India

सुहस्तिन **Suhastin**

(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only In North India	Went To south India

- जैन संघ **Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।

  There were 11 Ganadhars.

  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" **Next President: "Sudharman"**
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना"

President Of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana"

- जैन सिद्धांत Jain Doctrine :– (ज्ञान मीमांसा Epistemology)

(अनेकांतवाद)	(स्यायवाद)
(Anekantavad)	(Sayavada)
प्रत्येक जीव/वस्तु के अनेक गुण होते है।	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है।
Every living being/thing	Only Kevalin can know

has many qualities.

many qualities.

(नास्तिक)

(Atheist)

जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है।

Those who consider Vedas to be unauthentic.

"आजीवक सम्प्रदाय" "Ajivik Sect"

(आस्तिक)

(Atheist)

जो वेदो को प्रमाणिक माने।

Those who consider Vedas as authentic.

षडदर्शन Conspiracy:–

1. गौतम : न्याय दर्शन Gautama: Philosophy of Justice
2. कपिल : सांख्य दर्शन Kapil: Samkhya Philosophy
3. कणाद : वैशेषिक Kanad: Vaisheshika
4. पतंजलि : योग Patanjali: Yoga
5. जैमिनी : पूर्व मीमांसा Gemini: Purva Mimamsa
6. बादरायण : उत्तर मीमांसा Vadarayana: Uttar Mimamsa

बौद्ध धर्म Buddhism	जैन धर्म Jainism
हर्ष – हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana	K – खारवेल Kharavel
K – कनिष्क Kanishka	A – अजातशत्रु Ajatshatru
B – बिम्बिसार Bimbisara	A – अमोघवर्ष Amodhavarsha
A – अशोक Ashoka	C – चन्द्रगुप्त मौर्य Chandragupta Maurya

P – प्रसेनजीत Prasenjit

U – उदयन Udayan

U – उदयन Udayan

S – सम्प्रीति Sampreeti

G – गोपाल (पाल वंश) Gopal (Pala dynasty)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
बौद्ध धर्म
LIVE
14-05-2024 4PM

बौद्ध धर्म Buddhism



- संस्थापक – गौतम बुद्ध
  Founder - Gautam Buddha
- अन्य नाम – तथागत, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह, The light of Asia.
  Other names - Tathagata, Shakya Muni, Shakya Singh
  एशिया का ज्योति पुंज
- जन्म – 563 ईसा पूर्व – लुम्बिनी (नेपाल)
  Born - 563 BC - Lumbini
- मृत्यु – 483 ईसा पूर्व – कुशीनगर (80 वर्ष आयु)
  Death - 483 BC - Kushinagar
  मल्ल की राजधानी
- बचपन – सिद्धार्थ

संस्थापक (Founder) → गौतम बुद्ध

जन्म (Birth) → 563 BC → लुम्बिनी

मृत्यु (Death) → 483 BC → कुशीनगर

बचपन का नाम → सिद्धार्थ

अन्य नाम → तथागत, सिंहिया का ज्योति पुंज, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह

Childhood - Siddhartha



- पिता – शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य)
- **Father- Shuddhodana (Shakya Republic)**
- माता – महामाया (माया देवी – कोलीय गणराज्य)
- **Mother - Mahamaya (Republic of maya devi - Koliya)**

(आम्रवन) में सिद्धार्थ का जन्म हुआ।

Siddhartha was born in (Amravana)

- सिद्धार्थ के जन्म के 7वें दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया तब इनका पालन पोषण इनकी मौसी – प्रजापति गौतमी ने किया।
- **His mother died on the 7th day after the birth of Siddhartha, then he was brought up by his aunt - Prajapati Gautami.**

पिता

माता

मौसी (सौतेली माँ)

जन्म > स्थान

↳ किस वृक्ष ? ⇒ साल वृक्ष

(Tree)



- पत्नी : यशोधरा (शादी 16 वर्ष की अवस्था में हुआ)
- Wife: Yashodhara (married at the age of 16)

16
12
28

12 वर्ष बाद : पुत्र पैदा हुआ –राहुल
After 12 years: son was born - Rahul

- 29 वर्ष की अवस्था में घर छोड़ (महाभिनिष्क्रमण) दिया
Left home (Mahabhinishkran) at the age of 29

- 4 दृश्य जिनके कारण सिद्धार्थ संन्यासी बनने के तरफ बढ़ गए–
4 scenes that led Siddhartha to become a sanyasi-

1. बूढ़ा व्यक्ति old man
2. बीमार व्यक्ति sick person
3. मृत व्यक्ति की शय्या Shadow of the dead person

बुद्ध - सारथी का नाम → चन्ना
→ घोड़े का नाम → कंथक

4. संन्यासी Saints

- 35 वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त (सम्बौद्धि) हुआ
  Enlightened (Sambodhi) at the age of 35
  - पीपल वृक्ष peepal tree
  - उरूवेला, बोधगया, बिहार Uruvela, Bodh Gaya, Bihar
  - निरंजना नदी nirjana river (फाल्गु नदी)
  - वैशाख पूर्णिमा Vaishakh Purnima

२१ वर्ष की आयु
+ 6
३५ वर्ष

- जन्म
- मृत्यु
- गृह त्याग

खीर - सुजाता

- पहला उपदेश – सारनाथ (ऋषिपत्तनम)
  First Sermon - Sarnath (Rishipatnam)
  धर्मचक्र प्रवर्तन – 5 ब्राह्मण
  Turning the wheel of Dharma - 5 Brahmins
  "Dhammachakka Pravartan"
  - कौडिन्य Kaudinya
  - वप्पा wappa
  - भोदिया Bhodiya
  - मघनामा maghnama / महानामा
  - अस्ता asta / अस्सजी

- वाराणसी में यज्ञश्रेष्ठी को ज्ञान दिया।

भाषा ⇒ पाली भाषा

कपिल मुनि

- महात्मा बुद्ध के गुरू – आलार कलाम (सांख्य दर्शन)

Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

रूद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)

Rudrak Rama Putram (Yoga Philosophy)

बृहस्पति (वैदिक दर्शन)

Jupiter (Vedic Philosophy)

Gave knowledge to Yagyashreshthi in Varanasi.

- वाराणसी में ही बौद्ध भिक्षु संघ बनाया।
  The Buddhist monks' union was formed in Varanasi itself.
- वाराणसी के बाद वैशाली गए, और वहाँ बौद्ध भिक्षुणी संघ बनाया (आनंद के कहने पर)
  ↳ वाज्जि
  ↳ शिष्य (student)
  After Varanasi, went to Vaishali, and formed a Buddhist nunnery there (at the behest of Anand)
- इस संघ में सबसे पहले प्रजापति गौतमी फिर आम्रपाली जुड़ी।
  First Prajapati Gautami then Amrapali joined this union.
- सबसे अधिक उपदेश एवं सबसे अधिक अनुयायी – श्रावस्ती में थे।
- **Most preachers and most followers were in Shravasti.**
- इन्होंने अंतिम उपदेश – कुशीनगर में (सुभद्र को) दिया।


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
बौद्ध धर्म
Part -2
LIVE
15-05-2024 4PM

He gave the last sermon - in Kushinagar (to Subhadra).

- सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में
  Most sermons in Pali language
- सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।
  Spent maximum rain - in Sravasti.
- अंतिम वर्षावास – कुशीनगर (वैशाली के विदौलिया गाँव में)
  Last Varshawas - Kushinagar

शिक्षाएँ –Teachings → आर्य सत्य – 4

1. दुःख है Grief
2. दुःख का कारण है cause of sorrow
3. दुःख का निराकरण है Sorrow is the solution
4. दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।

→ सर्वाधिक उपदेश → भाषा
→ सर्वाधिक वर्षावास → ✓
→ अंतिम वर्षावास ✓
⇒ ५ शिक्षाएँ → ५ आर्य सत्य

Redressal of sorrow is done through the eightfold path.

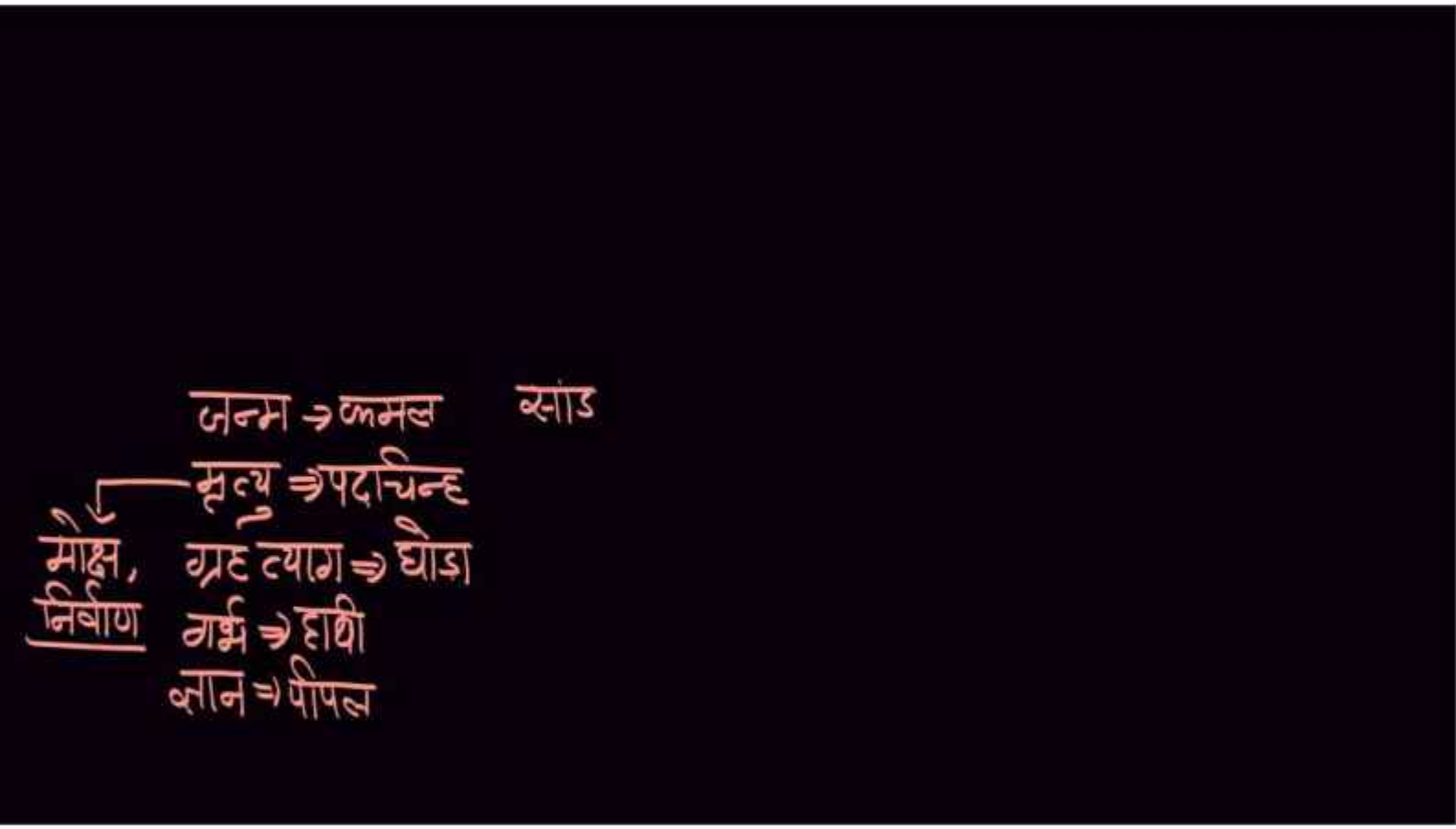
आष्टांगिक मार्ग – 8 octagonal route

1. सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
   Right View (belief in the 4 Noble Truths)
2. सम्यक संकल्प Right Resolution
3. सम्यक वाणी Right Speech
4. सम्यक कर्म Right action
5. सम्यक आजीविका Right Livelihood
6. सम्यक व्यायाम Right Exercise
7. सम्यक स्मृति Right Memory

8. सम्यक समाधि Right Samadhi

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड Birth: Kamal + bull
  - यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा Home abandonment: horse
- गर्भ : हाथी womb: elephant
- ज्ञान : पीपल Knowledge: People
- मृत्यु : पद चिह्न Death: Footprint
  - मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 Modesty in Buddhism – 10


जन्म ⇒ कमल
मृत्यु ⇒ पदचिन्ह
ग्रह त्याग ⇒ घोड़ा
गर्भ ⇒ हाथी
ज्ञान ⇒ पीपल
मोक्ष, निर्वाण
सांड

बौद्ध साहित्य Buddhist literature

- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया हैं
  Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

1. विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम
   Rules of the Buddhist Sangha
   Vinaya Pitaka: Upali Disciple
2. सुत्त पिटक : आनंद शिष्य – गौतम बुद्ध के उपदेश
   प्रिय शिष्य **Teachings of Gautam Buddha**
   Sutta Pitaka: Ananda Disciple
3. अभिधम्म पिटक : मोगली शिष्य
   Abhidhamma Pitaka: Disciples of Mowgli

- सुत्त पिटक – गाय – (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)

Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

- सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व
   Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha
2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद
   Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas
3. दीघ निकाय Deegh body
4. मंझिम निकाय Manjhim body
5. संयुक्त निकाय sanykut body

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

त्रिरत्न → बौद्ध
→ धम्म
→ संघ

अष्टांगिक मार्ग ⇒ 8
शील → 10
त्रिपिटक
त्रिरत्न

सुत्त पिटक ⇒ भाग ?
↓
जातक कथाएं ⑤
↳ संख्या → 547
↳ निकाय !

Three Jewels: **Buddhism,** **Dhamma,** **Sangha**

ज्ञान शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483 BC	राजगृह Rajgriha	अजातशत्रु Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383 BC	वैशाली Vaishali	कालाशोक Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255 BC	पाटलिपुत्र Pataliputra	अशोक Ashok	मोगली पुत्र / मोग्गलिपुत्तिस्स Mowgli Putra
4. पहली शताब्दी	कुण्डलवन	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष–अश्वघोष)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
बौद्ध धर्म
Part -3
LIVE
16-05-2024 4PM

Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

- सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व
   Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha
2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद
   Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas
3. दीघ निकाय Deegh body
4. मंझिम निकाय Manjhim body
5. संयुक्त निकाय sanykut body

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

Three Jewels: Buddhism, Dhamma, Sangha
ज्ञान शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483 BC	राजगृह R Rajgriha	अजातशत्रु A Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383 BC	वैशाली V Vaishali	कालाशोक K Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255 BC	पाटलिपुत्र P Pataliputra	अशोक A Ashok	मोगली पुत्र / मोगलिपुत्तिस्स Mowgli Putra
4. पहली शताब्दी	कुण्डलवन (कश्मीर)	कनिष्क K	वसुमित्र (उपाध्यक्ष–अश्वघोष)

बौद्ध धर्म में विभाजन — शाखाओं — 78 AD ई०

अध्यक्ष


1st century Kundalavan Kanishka Vasumitra (Vice-President - Asvaghosha)
5. 1871 माण्डले (म्यांमार) → राजा मिण्डन
चौथी बौद्ध संगीति : Fourth Buddhist Council:
1. महायान : वसुमित्र – बुद्ध को ईश्वर समझते हैं।
Mahayana: Vasumitra - considers Buddha as God.
नए नियम बनाए make new rules
चीन, जापान, कोरिया, भूटान, सिंगापुर
China, Japan, Korea, Bhutan, Singapore
2. हीनयान : महाकश्यप
Hinayana: Mahakashyapa
अष्टांगिक मार्ग Eightfold Path
परिवर्तन change
वैभाषिक
Vaibhashik
सर्वास्तिवादी
totalitarian

I → राजगृह → अजातशत्रु → महाकश्यप

II → वैशाली → कालाशोक → सबाकामी

III → पाटलिपुत्र → अशोक → मोगलिपुत्र

IV → कुंडलवन → कनिष्क → वसुमित्र उपाध्यक्ष → अश्वघोष

V → म्यांमार (मांडले) → राजा मिंडन

5वीं बौद्ध संगीति → बौद्ध धर्म – 2 शाखाओं में विभाजित –

(1) महायान - वसुमित्र
- → बुद्ध ईश्वर
- → नए नियम

(2) हीनयान → महाकश्यप
- → बुद्ध महापुरुष, आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण
- → नियम परिवर्तित नहीं।


हीनयान
वैभाषिक
सर्वास्तिवादी

बुद्ध को महापुरूष
Buddha the legend

कपिल मुनि

- महात्मा बुद्ध के गुरू – आलार कलाम (सांख्य दर्शन)

Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

रूद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)

Rudrak Rama Putram (Yoga Philosophy)

बृहस्पति (वैदिक दर्शन)

Jupiter (Vedic Philosophy)

बौद्ध मठ : Buddhist Monastery:

- लद्दाख – हेमिस ठिकसे Ladakh - Hemis, Thiksey / थिक्सेय / डिस्कठ
- सिक्किम – रूमटेक लिंगडम, Sikkim - Rumtek, Lingdam, / रुनचेर्ह
- हिमाचल प्रदेश – ताबो, शशूर, मैक्लोडगंज (धर्मशाला) की गोम्पा, नाको
  शाम्सुर

Himachal Pradesh -Tabo, Shashur, McLeodganj (Dharamsala), key gompa, Nako

- अरूणाचल प्रदेश –तवांग मठ (सबसे बड़ा मठ)
  Arunachal Pradesh - Tawang Monastery (largest monastery)
- कर्नाटक – वेलकुप्पे मठ, नामड्रोलिंग मठ

UK → मिंड्रोलिंग मठ

उत्तराखंड

बिहार → बोधिमंडा मठ

Karnataka - Velakuppe Monastery

- पश्चिम बंगाल –घूम
  West Bangal - Ghum

पुस्तकें : Books

- बौद्ध चरित्र, सौदरानंद ब्रजसूची – अश्वघोष (भारत का वाल्टेयर / भारत के हेटे)
  Buddhist Character, Sondrananda Brajaschiti - Ashvaghosha
  (Voltaire of India/Hete of India)

फ्रांस

फ्रांस का विद्वान

Vibhasha Shastra — विभाषा शास्त्र – वसुमित्र
Biology - Vasumitra

- पहली मानव प्रतिमा पूजी गयी – बुद्ध की (गांधार शैली)
  First human statue worshiped - Buddha (Gandhara style)

बुद्ध की सबसे ज्यादा प्रतिमा मथुरा शैली में बनी।

मथुरा शैली
गांधार शैली
> मूर्ति निर्माण में प्रयोग

पहली प्रतिमा जिसकी पूजा की गयी, वह गांधार शैली में बनी।

- बौद्ध शिक्षा केन्द्र – तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला, नालंदा विश्वविद्यालय
  Buddhist Education Center - Taxila, Vallabhi, Vikramshila, Nalanda University
  - आचार्य-चाणक्य
    - अध्यापक (Teacher)
  - बिहार
  - सबसे प्रसिद्ध
  - निर्माण
    - कुमारगुप्त
- **बौद्ध मान्यताएँ** – **Buddhist beliefs -**
  - आत्मा soul ×
  - कर्मकांड ritual ×
  - वर्ण व्यवस्था varna system ×
  - पुनर्जन्म Rebirth ✓
  - मध्यम मार्ग Madhyam Marg

जैन धर्म JAIN DHARM

- 24 तीर्थकरो के बारे में "कल्पसूत्र" पुस्तक में लिखा है: भद्रबाहू ने।
  It Is Written In The Book "Kalpasutra" About 24 Tirthankaras: Bhadrabahu.
- जैन धर्म सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन था।
  Jainism Was Contemporary To The Indus Valley Civilization.


ऋषभदेव की शिक्षाएं (Teaching of Rishabhdev)
पहले तीर्थकर : ऋषभदेव (अंहिंसा + अपरिग्रह)
First Tirthankara: Rishabhdev (Ahimsa + Aparigraha)
ऋषभदेव
जैन धर्म के संस्थापक (Founder)
प्रतीक चिह्न : सांड Symbol : Bull
उपनाम : केशरिया देव / आदिनाथ (ऋग्वेद में वर्णन मिलता है।) Surname: Keshariya Dev / Adinath
(Description is found in Rigveda.)
दो पुत्र Two Sons
भरत Bharat
महाबली / बाहुबली
अहिंसा Non-Violence
अपरिग्रह
किसी भी तरीके से धन का संचय न करना।

महाबली / बाहुबली Mahabali / Bahubali

मूर्ति – श्रवणवेलगोला (कर्नाटक)

Statue - Shravanavelgola (Karnataka)

चामुण्डाराय ने बनवाया

Chamundaraya built

- दूसरे तीर्थकर : अजीत नाथ (हाथी)

Second Tirthankar: Ajit Nath (Elephant)

- तीसरे तीर्थकर : सम्भव नाथ (घोड़ा)

Third Tirthankar: Sambhav Nath (horse)

- 21वें तीर्थकर : नमिनाथ (नीलकमल)

21st Tirthankar: Naminath (Nilkamal)

- 22वें तीर्थकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)

22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- 23वें तीर्थकर : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया। (साँप)

23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

- शिक्षाएँ दी (4) Teaches 4 :
  - (1) सत्य Truth
  - (2) अहिंसा Non-Violence
  - (3) अस्तेय (चोरी न करना)

माता ⇒ वामादेवी (कोशल नरेश नरवर्मन की पुत्री)
पत्नी (wife) ⇒ प्रभावती
निर्वाण ⇒ सम्मेद शिखर


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
जैन धर्म
LIVE
17-05-2024 4PM

- 22वें तीर्थकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)

22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- 23वें तीर्थकर : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया। (साँप)

23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

- शिक्षाएँ दी (4) Teaches 4 :

(1) सत्य Truth

(2) अहिंसा Non-Violence

(3) अस्तेय (चोरी न करना)



Asteya (Not To Steal)

(4) अपरिग्रह (धन न संचय करना)

Aparigraha (Non-Accumulation Of Wealth)

- 24 वें तीर्थकर : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24th Tirthankara: Mahaveer Swami (The Real Founder)

- 5वीं शिक्षा Education : ब्रह्मचर्य Celibacy
- प्रतीक : शेर / सिंह Sign : Lion / Lion
- जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)

Birth : 540 BC = Kundagram (Vaishali)

(1) सत्य
(2) अहिंसा
(3) अस्तेय
(5) अपरिग्रह

बौद्ध धर्म ⇒ मूर्ति → बुद्ध की पहली प्रतिमा जो पूजी गयी
↳ गांधार शैली

↳ बुद्ध की पहली प्रतिमा
मथुरा शैली

- मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died: 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
- पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश / इच्छवाकु वंश
  Father : Siddhartha :Gyaerak line / Ichchhavaku lineage
- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
  Mother: Trishala: Lichchavi (Sister of Chetak)
- बचपन का नाम : वर्धमान Childhood Name: Vardhman
- पत्नी : यशोदा Wife: Yashoda
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी

Daughter: Anoja Priyadarshini

- दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा
  Son-In-Law: Jamali: (He Received The First Sermon) = Semi-Magadhi Language

पहला उपदेश ⇓ राजगृह

- भाषा : बाद में "प्राकृत" **Language: later "Prakrit"**

↳ भाषा → अर्हदमागधी, पहाड़ी → विपुलांचल पहाड़ी, वराकर नदी

महावीर स्वामी

माता → त्रिशला पत्नी। - यशोदा

पिता → सिद्धार्थ

बचपन (नाम) → वर्धमान

दामाद → जमालि

पुत्री → प्रियदर्शना

प्रथम जैन भिक्षुणी → नरेश दधिवाहन की पुत्री "चम्पा"

- 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया।
  At The Age Of 30, After Taking Permission From His Brother Nandivardhan, He Renounced His Home.
- पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।
  Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.
  - आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक
    the founder of the Ajivika sect

- 12 वर्ष तप किया Did Penance For 12 Years
  - पहला वर्ष First Year
    - अशोक वृक्ष, रजवर्ण बालूका नदी
  - अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह Last 11 Years 6.5 Months
    - साल वृक्ष, रूपकूलिका नदी, ग्राम शाल गाँव

बल - "भाग्यवाद"
लोगों को भाग्यवाद जोड़ा।

अशोक वृक्ष Ashoka Tree

स्वर्ण बालूका नदी
Golden Sand River

साल वृक्ष Sal Tree

ऋजुपालिका नदी
Rijupalika River

गाँव → जृम्भिक ग्राम



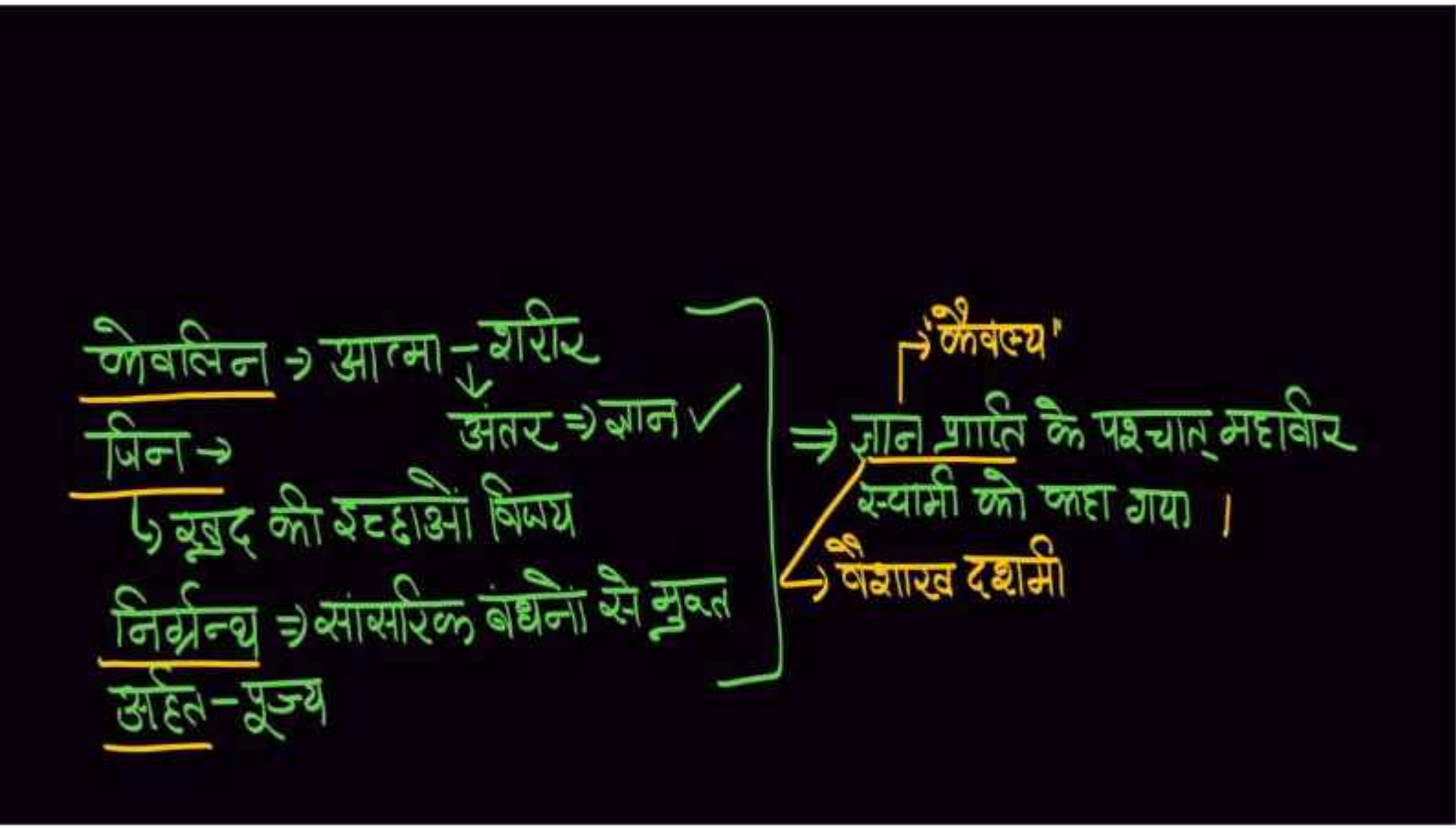
ज्ञान की प्राप्ति हुई। Knowledge Gained.

- (झिझिक / जाम्भिक ग्राम) में।
  (Hesitating/Jrambhik Village).
- ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए।
  After Attaining Knowledge, Mahavir Swami Was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.

→ केवलिन, जिन, निर्ग्रंथ

दामाद → जमालि

- पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
  First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language)
- केवलिन : आत्मा व शरीर के बीच Kevalin: Between Self And Body
  जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय Jin: Victory Over One's Desires


जैनत्व
केवलिन ⇒ आत्मा – शरीर
अंतर ⇒ ज्ञान ✓
जिन →
↳ बुद्ध की इच्छाओं विजय
निर्ग्रन्थ ⇒ सांसारिक बंधनों से मुक्त
अर्हत – पूज्य
⇒ ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् महावीर स्वामी को कहा गया।
⇒ वैशाख दशमी

निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त Nirgranth: free from cognitive bondage

- ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी Gaining Knowledge = Vaishakh Dashami
- जैन धर्म के त्रिरत्न : The Three Jewels of Jainism
  1. सम्यक दर्शन Right Darshan
  2. सम्यक ज्ञान Right knowledge
  3. सम्यक आचरण Fair Conduct

बौद्ध धर्म त्रिरत्न → बौद्ध धम्म, संघ

- जैन समितियां Jain committees/ conference
  1. 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलभद्र
     300 Bc - Pataliputra - Sthulbhatra
  2. 512 AD – वल्लभी (Guj) – देवर्धि क्षमाश्रवण (अध्यक्ष)

imp.

512 AD- Vallabhi (Guj) - Devardhi Apology

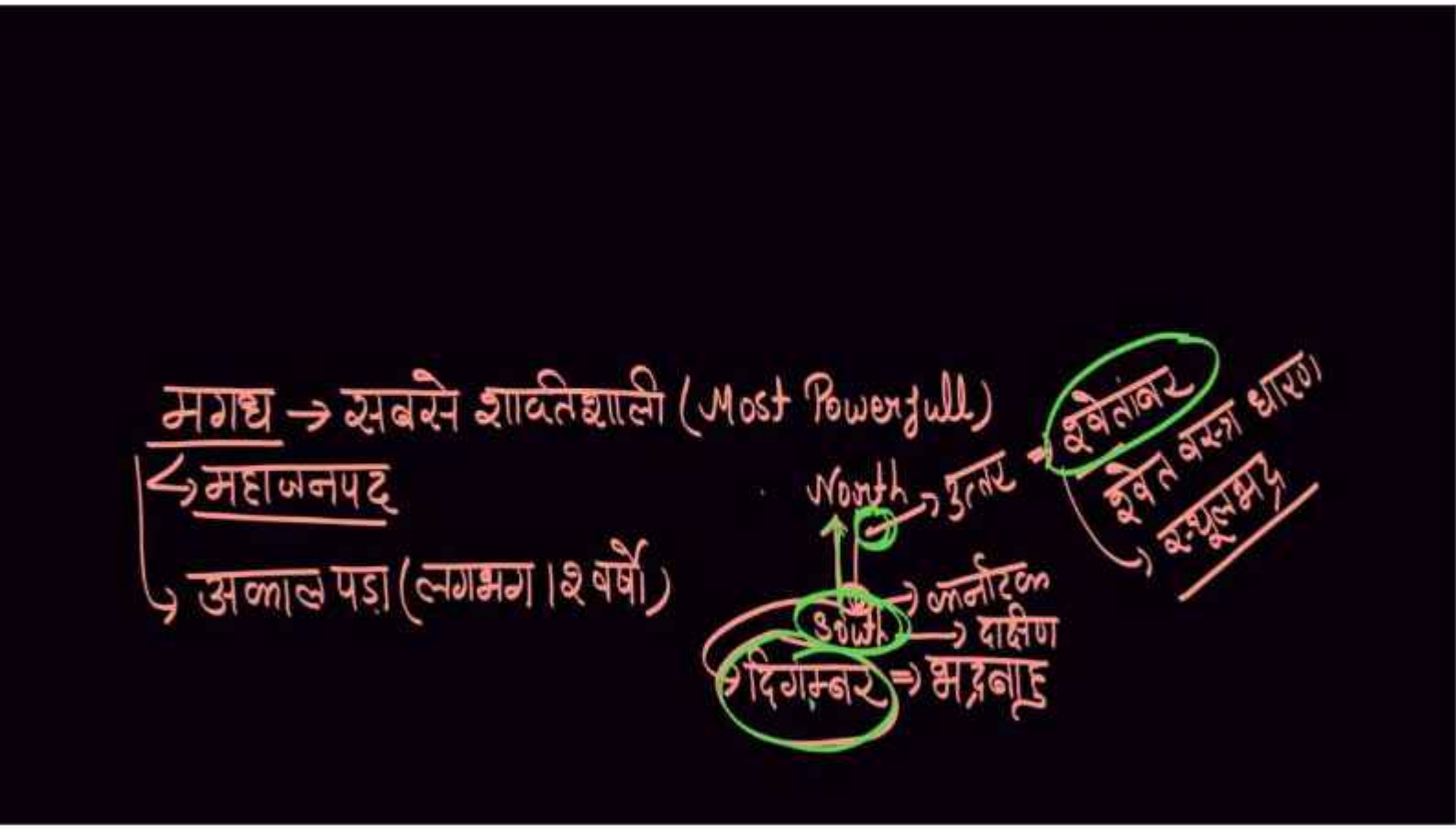
- जैन धर्म में कषाय : Kashaya in Jainism:
  - क्रोध Anger → दुःख
  - माया Spell
  - मान Value → धन
- जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है–
  Jain Literature Is Called "Agam"-
  - आगम की संख्या ⇒ 12 — दृष्टि वाद ⇒ 6
  - उपांग appendage की संख्या ⇒ 12

- छेदसूत्र hole thread
  - आगम की संख्या – 12
  - उपांग – 12
  - छंद सूत्र – 6

जैन धर्म की शाखाएं–
Branches of Jainism

- श्वेताम्बर Svetambara (स्थूलभद्र) — श्वेत वस्त्र धारण
- दिगम्बर Digambara (भद्रबाहू) — नग्न

- दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया
  Promoted Svetambara branch in South India
  - सुहस्तिन Suhastin


मगध → सबसे शक्तिशाली (Most Powerfull)
महाजनपद
अकाल पड़ा (लगभग 12 वर्षो)
North → उत्तर
श्वेतांबर
श्वेत वस्त्र धारण
स्थूलभद्र
जानेरक
South → दक्षिण
दिगम्बर → भद्रबाहु

(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only In North India	Went To south India

- **जैन संघ Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।
  There were 11 Ganadhars.
  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" Next President: "Sudharman"
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना"


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
Revision Class
LIVE
18-05-2024 4PM

1. इनमें से कौन-सा पाषाण युग के तीन प्रमुख कालों के अंतर्गत नहीं आता है?
Which of the following does not come under the three major periods of the Stone Age?

(a) पुरापाषाण / Palaeolithic
(b) नवपाषाण / Neolithic
(c) ताम्रपाषाण / Chalcolithic
(d) मध्यपाषाण / Mesolithic

©

प्रयोग (use) ⇒ तांबा (copper)

2. भीमबेटका की गुफाओं की खोज कब हुई थी?

When were the Bhimbetka caves discovered?

(a) 1955-56

(b) 1957-58 (b)

(c) 1954-55

(d) 1953-54

विंध्य पर्वतमाला श्रेणी से घिरी हुई।

1957 UNESCO

विष्णु श्रीधर वाकणकर (1957-1958)

मध्यप्रदेश (रायसेन जिले)

3. सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप कहाँ से प्राप्त किए जाते थे ?

Where were shells obtained for making crafts during the time of Indus Valley Civilization?

(a) जयपुर / Jaipur

(b) शोर्तुगई / Shurtgai

(c) नागेश्वर / Nageshwar ©

(d) रोपड़ / Ropar

↳ गुजरात ↳ पंजाब → सतलज

4. सिंधु घाटी सभ्यता का निम्न में से कौन सा स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है ?
Which of the following sites of Indus Valley Civilization is located in Punjab (India)?

(a) कोटदिजी / kotdiji

(b) बनावली / Banawali → हरियाणा

(c) बालू / Balu

(d) रोपड / Ropad → सतलज

(d)

5. हड़प्पा की अधिकांश मानक मुहरें _____ नामक एक प्रकार के मुलायम पत्थर से बनी होती थीं, जो 2 × 2 विमा के साथ वर्गाकार आकृति का होता था, तथा जिसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।
Most of the standard Harappan seals were made of a type of soft stone called _____, which was square in shape with dimensions 2 × 2, and was used for commercial purposes.



(a) रोडोनाइट / Rhodonite
(b) गोल्डन रूटाइल / golden rutile
(c) स्टिएटाइट / steatite / सेलखड़ी (C)
(d) सेलेनाइट / selenite

6. धौलावीरा _____ राज्य में स्थित है।

Dholavira is located in _____ state.

(a) गुजरात / Gujrat

(b) झारखंड / Jharkhand

(c) राजस्थान / Rajasthan → कालीबंगा

(d) छत्तीसगढ़ / Chhattisgarh

@

लोथल → बंदरगाह

↳ सिंधु घाटी सभ्यता का "मैनचेस्टर"

7. सिंधु घाटी सभ्यता के किस शहर का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है?
Which city of the Indus Valley Civilization literally means 'mound of the dead'?

(a) मे सोपोटामिया / Mesopotamia
(b) मोहनजोदड़ो / Mohenjodaro
(c) बालाकोट / Halakot
(d) हड़प्पा / Harappa

सिंधी भाषा

सिंधु / हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल।

8. पत्थर की बनी नृत्य करते हुए पुरुष की मूर्ति, 'नटराज किस स्थान पर पाई गई थी ?

At which place was the statue of a dancing man, 'Nataraja' made of stone, found?

(a) लोथल / Lothal

(b) रंगपुर / Rangpur

(c) हड़प्पा / Harappa ©

(d) मोहनजोदड़ो / Mohenjodaro

कांसे की नृतकी मूर्ति
↳ मोहनजोदड़ो
↳ Bronze → तांबा + टिन

9. सिंधु सभ्यता के इनमें से किन स्थलों में जलाशयों के साक्ष्य मिले हैं?
In which of these sites of Indus Valley civilization has evidence of reservoirs been found?

(a) कालीबंगा / Kalibanga
(b) धौलावीरा / Dholavira
(c) कोट दीजी / Coat diji
(d) लोथल / Lothal

b

→ लोग → जल संचय → परिचित

10. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?
What was the most important feature of the Indus Valley Civilization?

(a) वस्तु विनिमय प्रणाली / barter system

(b) स्थानीय परिवहन प्रणाली / local transportation system

(c) ईंट के बने भवन / brick buildings

(d) प्रशासनिक प्रणाली / Administrative system

C

ईंट (Brick)
अनुपात (Ration)
4:2:1

पक्की ईंट → चन्हूदड़ो
मनके का कारखाना

11. सिन्धु घाटी सभ्यता है?

Is it Indus Valley Civilization?

(a) ताम्र युगीन सभ्यता / copper age civilization

(b) लौह-युगीन सभ्यता / iron age civilization → वैदिक सभ्यता / उत्तर वैदिक काल

(c) अक्ष-युगीन सभ्यता / axis age civilization

(d) कांस्य युगीन सभ्यता / bronze age civilization

(d)

12. हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर निम्नलिखित में से कौन सा पशु अक्सर देखा जाता था ?

Which of the following animals was often seen on the seals of the Harappan civilization?

(a) बैल / Bull (a)

(b) शेर / Lion

(c) लोमड़ी / Fox

(d) हिरन / Deer

13. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल शिल्प- कलाओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है?

Which of the following Harappan sites is not related to the production of artefacts?

(a) बालाकोट / Balakot

(b) माँडा / Manda

(c) चंहुदड़ो / Chanhudaro

(d) नागेश्वर / Nageshwar

14. ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें _____ के नाम से जान जाता है।

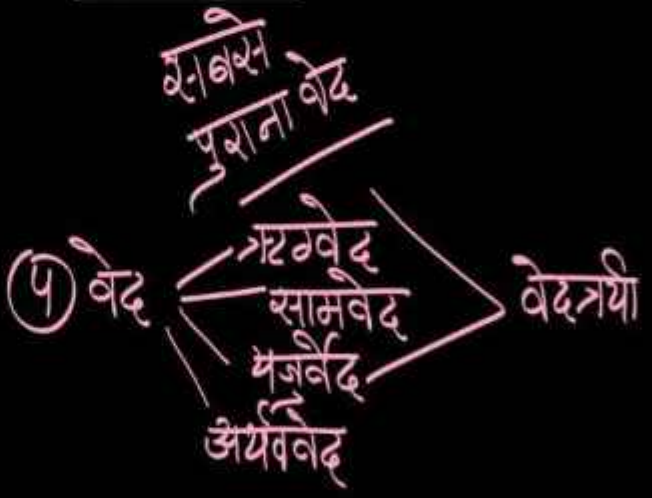
There are 1028 hymns in the Rig Veda, which are classified into ten books known as _____.

(a) मंडल / Board

(b) अनुदत्त / granted

(c) सूक्त / Sukta

(d) पदपथ / footpath



15. यजुर्वेद की कितनी शाखाएं हैं?

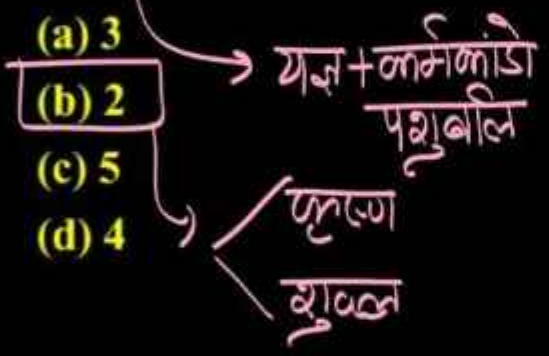
How many branches are there in Yajurveda?

(a) 3

(b) 2

(c) 5

(d) 4



16. हिंदू धर्म 'पुरुषार्थ जीवन के लक्ष्य, के माध्यम से जीवन में पूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। निम्न में से कौन एक पुरूषार्थ नही हैं?

Hinduism encourages full participation in life through 'purushartha', the goal of life. Which of the following is not an effort?

(a) काम / Work
(b) सत्व / Substance
(c) मोक्ष / Salvation
(d) अर्थ / Meaning

(b)
पुरुषार्थ = (4) धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष

17. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ वैदिक साहित्य का हिस्सा नहीं है ?
Which of the following texts is not a part of Vedic literature?

(a) ब्राह्मण / Brahmin

(b) आरण्यक / Aranyaka

(c) पिटक / Pitaka

(d) उपनिषद / Upanishad

18. हिन्दू धर्म में, इनमें से किस देवता को सृजनकर्त्ता माना जाता है?

In Hindu religion, which of the following gods is considered the creator?

(a) ब्रह्मा / Brahma (a)

(b) गणेश / Ganesh

(c) महेश / Shiva / शिव → सृष्टि विनाशक

(d) विष्णु / Vishnu → संचालनकर्ता

19. प्रारंभिक हिंदू दर्शन में जीवन के कितने चरण निर्धारित किए गए हैं?
How many stages of life are prescribed in early Hindu philosophy? (a) दो / Two
(b) तीन / Three
(c) चार / Four ©
(d) पाँच / Five

ब्रह्मचर्य (0-25)
गृहस्थ (25-50)
वानप्रस्थ (50-75)
सन्यास (75-100)

20. भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य, 'सत्यमेव जयते' (अर्थात "सत्य की हमेशा विजय होती है ") किस प्राचीन भारतीय शास्त्र से उद्धृत एक मंत्र है?

The national motto of India, 'Satyamev Jayate' (meaning "Truth always triumphs") is a mantra derived from which ancient Indian scripture?

b

(a) ऋग्वेद / Rigveda

(b) मुण्डकोपनिषद् / Mundakopanishad

(c) भगवद् गीता' / Bhagavad Geeta'

(d) सामवेद / Samveda

21. धनुर्वेद, यजुर्वेद का उपवेद है। इसका संबंध निम्न में से किससे है?

Dhanurveda is a sub-veda of Yajurveda. It is related to which of the following?

(a) चिकित्सा से / from medical

(b) वास्तुकला से / from architecture

(c) कला एवं संगीत से / from art and music

(d) युद्ध कौशल से / by fighting skills

धनुर्वेद
↓
धनुष चलाने की कला

22. मुंडक उपनिषद् किससे संबंधित है?

What is Mundaka Upanishad related to?

(a) सामवेद / Samveda

(b) अथर्ववेद / Atharvaveda

(c) यजुर्वेद / Yajurveda

(d) ऋग्वेद / Rigveda

b

सबसे नया वेद

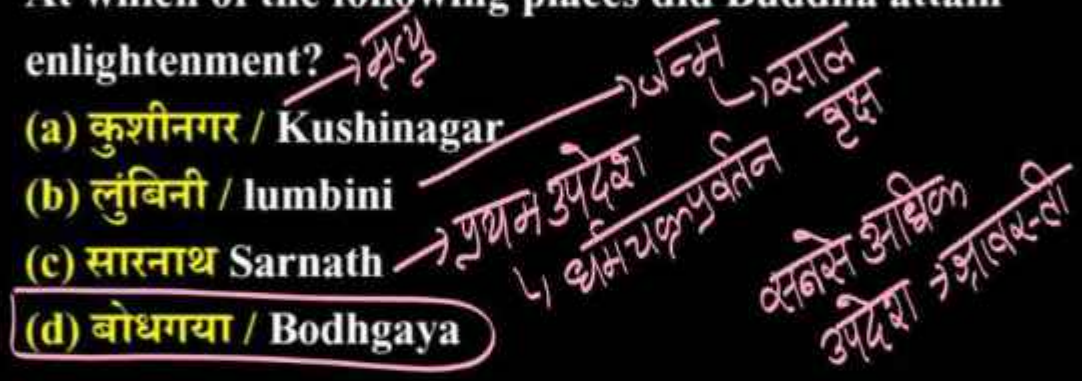
23. आर्य संस्कृति के सर्वोच्च काल में, गंगा घाटी के प्रथम जनपद, जो संख्या में _____ थे, महाजनपद बन गए थे।

In the highest period of Aryan culture, the first Janapadas of Ganga valley, which were _____ in number, became Mahajanapadas.

(a) 16 ⇒ भगवती सूत्र, अंगुत्तर निकाय
(b) 14
(c) 15
(d) 18

24. बुद्ध को निम्न में से किस स्थान पर ज्ञान प्राप्त हुआ था ?
At which of the following places did Buddha attain enlightenment?

(a) कुशीनगर / Kushinagar
(b) लुंबिनी / lumbini
(c) सारनाथ Sarnath
(d) बोधगया / Bodhgaya



25. विनय और सुत्तपिटक इनमें से किसकी शिक्षाओं का संकलन हैं?
Vinaya and Suttapitaka are compilations of whose teachings?

@ (a) गौतम बुद्ध / Gautam buddha
(b) ऋषभदेव / Rishabhdev
(c) महावीर जैन / Mahavir Jain
(d) गुरु गोविंद सिंह / Guru Gobind Singh

बौद्ध धर्म से सम्बंधित तथ्य (facts)

⇒ थेरीगाथा → एक बौद्ध ग्रंथ
↳ सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय का हिस्सा (Part) है।

⇒ अभिधम्म पिटक दार्शनिक मामलों से सम्बंधित है।

⇒ बौद्ध मठ/विहार ⇒ जहां बौद्ध भिक्षु निवास करते हैं। (Living Area)

⇒ चैत्य ⇒ पूजा के लिए निर्मित गुफाएं (worship Area)

⇒ बोधिसत्व की अवधारणा का सम्बंध महायान शाखा से है।
Boddhisatva related to Mahayan Branch of Boddh dharam.

⇒ स्तूपों का निर्माण पवित्र स्मृति चिन्ह रखने के लिए किया गया था।

⇒ दांत का मंदिर → श्रीलंका के कैंडी शहर में स्थित

⇒ बोरोबुदुर मंदिर ⇒ इंडोनेशिया के जावा प्रांत में स्थित

↳ निर्माण 9th century (शताब्दी)

⇒ "seat of the holy Buddha"

↳ धर्मचक्र स्तूप, सारनाथ को कहा जाता है।


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
मगध साम्राज्य
LIVE
20-05-2024 4PM

श्वेतांबर
दिगंबर

- **जैन संघ Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।
  There were 11 Ganadhars.
  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" **Next President: "Sudharman"**
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना" → imp

President Of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana"

- जैन सिद्धांत Jain Doctrine — (ज्ञान मीमांसा ~~Epistemology~~ "Gyan Mimansa")

(अनेकांतवाद) (Anekantavad)	(स्यायवाद) (Sayavada)
प्रत्येक जीव/वस्तु के अनेक गुण होते है। Every living being/thing	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है। Only Kevalin can know

has many qualities.

many qualities.

(नास्तिक)

(Atheist)

जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है।

Those who consider Vedas to be unauthentic.

⇒ "आजीवक सम्प्रदाय" "Ajivik Sect"

⇒ बौद्ध धर्म

⇒ जैन धर्म

(आस्तिक)

(Theist)

जो वेदो को प्रमाणिक माने।

Those who consider Vedas as authentic.

↳ ex ⇒ सनातन धर्म

षडदर्शन Conspiracy:–

most imp

1. गौतम : न्याय दर्शन Gautama: Philosophy of Justice
2. कपिल : सांख्य दर्शन Kapil: Samkhya Philosophy
3. कणाद : वैशेषिक Kanad: Vaisheshika
4. पतंजलि : योग Patanjali: Yoga
5. जैमिनी : पूर्व मीमांसा Gemini: Purva Mimamsa
6. बादरायण : उत्तर मीमांसा Vadarayana: Uttar Mimamsa

बौद्ध धर्म Buddhism | **जैन धर्म Jainism**

हर्ष – हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana

K – कनिष्क Kanishka

B – बिम्बिसार Bimbisara

A – अशोक Ashoka

K – खारवेल Kharavel (कलिंग नरेश)

A – अजातशत्रु Ajatshatru

A – अमोघवर्ष Amodhavarsha (राष्ट्रकूट राजा)

C – चन्द्रगुप्त मौर्य Chandragupta Maurya

उदयसेनजीत, गोपाल (पाल वंश) उदयन, सम्प्रीति

P – प्रसेनजीत Prasenjit U – उदयन Udayan

S – सम्प्रीति Sampreeti

G – गोपाल (पाल वंश) Gopal (Pala dynasty)

जैन धर्म से सम्बंधित तथ्य (Jains)

⇒ 12 वीं शताब्दी (12th century) में निर्मित अजमेर का सोनीजी का नासिया मंदिर "ऋषभदेव" को समर्पित है।

इसे लाल मंदिर भी कहते हैं।

⇒ जल मंदिर (जैन धर्म से संबंधित) ⇒ बिहार के पावापुरी शहर में
1) निर्माण (formation) महावीर स्वामी के बड़े भाई नंदिवर्धन ने करवाया।

⇒ तीर्थंकर ⇒ धर्म का रक्षक एवं आध्यात्मिक शिक्षक
जो मोक्ष या मुक्ति मार्ग बताता है।

⇒ महावीर स्वामी को वह पवित्र व्यक्ति माना जाता है जिसने जैन धर्म को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

⇒ II[nd] जैन संगीति भद्रबाहु के शासनकाल में हुई थी।

⇒ महावीर और उनके अनुयायियों (followers) की शिक्षाओं (teachings) को उसी रूप में 'वल्लभी गुजरात' में रखा गया है।

⇒ जैन मठ संस्थानों को 'बसादिस' कहा गया है।

⇒ पालीताणा मंदिर (Temple) ⇒ Related to Jain Dharm
जैन धर्म से सम्बंधित

↳ निर्माण (Formation) ⇒ 11th century (11 वीं शताब्दी में)

↳ जैन संरक्षक कुमारपाल सोलंकी

↳ Situated ⇒ ⇒ गुजरात (भावनगर जिला (District) ⇒ शत्रुंजय पहाड़ी (Mountain)

↳ पालिताना शहर को मंदिरों का शहर (City of temples) कहा गया है।



→ मगध से पहले शक्तिशाली "काशी" था।

→सबसे शक्तिशाली महाजनपद (Most Powerfull Mahajanpad)

मगध साम्राज्य MAGADHA EMPIRE

↳ New chapter

★ मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद रहा।
Magadha remained the most powerful Mahajanapada.

↳ मगध से पहले शक्तिशाली काशी था
Kashi was powerful before Magadha

★ "मगध" की वर्तमान स्थिति – पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पं० बंगाल।
Present status of "Magadha" - Eastern Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal.

★ "मगध" साम्राज्य" का उत्कर्ष 6वीं शताब्दी ई०पू० माना जाता है।
The zenith of the "Magadha" empire is considered to be in the 6th century BC.

BC

★ "मगध" साम्राज्य" : (544 BC – 185 BC)
"MAGADH" EMPIRE" : (544BC-185BC)

544
-185

★ "मगध" साम्राज्य पर शासन करने वाले वंश
Dynasty that ruled the "Magadha" kingdom -

- H – हर्यक वंश
  Haryanka dynasty
- S – शिशुनाग वंश
  Shishunag Lineage
- N – नंद वंश
  Nanda dynasty
- M – मौर्य वंश
  Maurya dynasty

मगध ⇓ गिरिव्रज

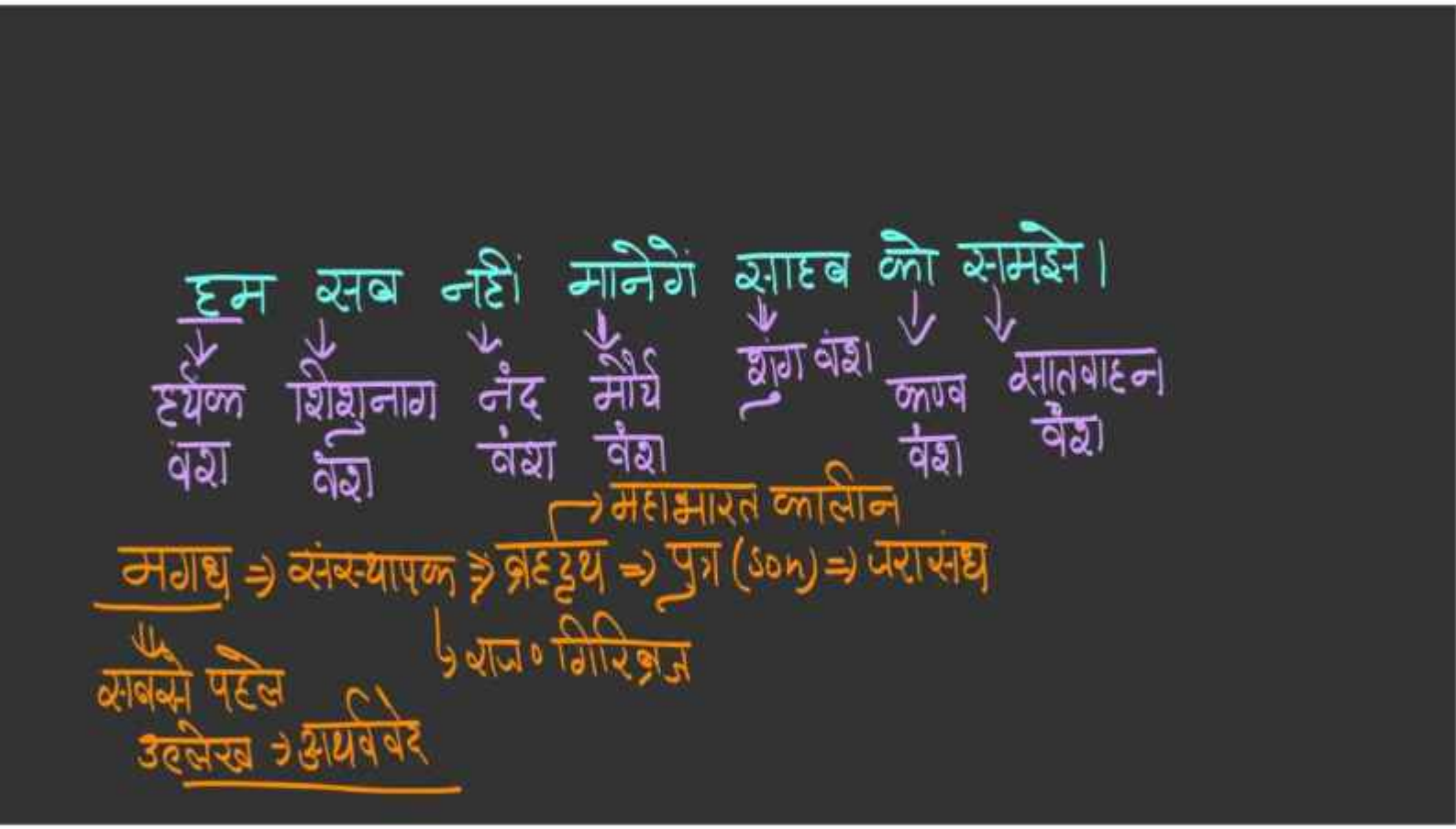
★ "प्राचीन" मगध साम्राज्य के संस्थापक – "बृहद्रथ" (महाभारत कालीन) Founder of the "ancient" Magadha Empire - "Brihadratha" (Mahabharata period)

पुत्र

जरासंध
Jarasandha

राजधानी : गिरिव्रज
Capital Giribraj

★ मगध साम्राज्य का पहला उल्लेख "अथर्ववेद" से मिलता है।
The first mention of the Magadha Empire comes from "Atharvveda".


हम सब नहीं मानेंगे साहब को समझेंगे।
हर्यक वंश
शिशुनाग वंश
नंद वंश
मौर्य वंश
शुंग वंश।
कण्व वंश
सातवाहन वंश।
महाभारत कालीन
मगध ⇒ संस्थापक ⇒ बृहद्रथ ⇒ पुत्र (son) ⇒ जरासंध
राजा गिरिव्रज
सबसे पहले
उल्लेख ⇒ अथर्ववेद

हर्यक वंश (544BC – 412 BC)

★ संस्थापक : बिम्बिसार (544BC-492BC)

Founder: Bimbisara (544BC-492BC)

- अन्य नाम : श्रेणिक **Other Names : Shrenik**
  - जैन साहित्य
  - अन्य नाम – क्षेत्रोजश **Kshetrojash**
    - मत्स्य पुराण से
- भारत के इतिहास का सबसे बड़ा शासनकाल।
  The biggest reign in the history of India.
- 52 वर्षो तक **up to 52 years**


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
मगध साम्राज्य
LIVE
21-05-2024 4PM


India 600 BC
Kamboj
Gandhar
Kuru
Panchal
Sursena
Kosal
Vrijji
Matsya
Malla
Vatsa
Kashi
Avanti
Chedi
Anga
Magadha
Asmak
The 16 Mahajanapadhas
that rose to power @600BC.

मगध साम्राज्य MAGADHA EMPIRE

★ मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद रहा।

Magadha remained the most powerful Mahajanapada.

↳ मगध से पहले शक्तिशाली काशी था

Kashi was powerful before Magadha

★ "मगध" की वर्तमान स्थिति – पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पं० बंगाल।

Present status of "Magadha" - Eastern Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal.

★ "मगध" साम्राज्य" का उत्कर्ष 6वीं शताब्दी ई०पू० माना जाता है।

The zenith of the "Magadha" empire is considered to be in the 6th century BC.

★ "मगध" साम्राज्य" : (544 BC – 185 BC)

"MAGADH" EMPIRE" : (544BC-185BC)

★ "मगध" साम्राज्य पर शासन करने वाले वंश
Dynasty that ruled the "Magadha" kingdom -

- H – हर्यक वंश
  Haryanka dynasty
- S – शिशुनाग वंश
  Shishunag Lineage
- N – नंद वंश
  Nanda dynasty
- M – मौर्य वंश
  Maurya dynasty

★ "प्राचीन" मगध साम्राज्य के संस्थापक – "बृहद्रथ" (महाभारत कालीन) Founder of the "ancient" Magadha Empire - "Brihadratha" (Mahabharata period)

↓ पुत्र

जरासंध राजधानी : गिरिव्रज
Jarasandha Capital Giribraj

★ मगध साम्राज्य का पहला उल्लेख "अथर्ववेद" से मिलता है।
The first mention of the Magadha Empire comes from "Atharvveda".

हर्यक वंश (544BC – 412 BC)

★ संस्थापक : बिम्बिसार (544BC-492BC)

Founder: Bimbisara (544BC-492BC)

- अन्य नाम : श्रेणिक **Other Names : Shrenik**
  - जैन साहित्य
  - अन्य नाम – क्षेत्रोजश **Kshetrojash**
    - मत्स्य पुराण से

भारत के इतिहास का सबसे बड़ा शासनकाल।

The biggest reign in the history of India.

- 52 वर्षों तक **up to 52 years**

★ बिम्बिसार ने राज्य विस्तृत करने के लिए विवाह सम्बंधो का सहारा लिया।
Bimbisara took the support of marriage relations to expand the kingdom.

- महाकोशला : (कोशल नरेश प्रसेनजीत की बहन) = काशी दहेज
  Mahakoshala: (Sister of Kosala king Prasenjit) = Kashi dowry
  → दहेज का पहला उदाहरण
- चेलना : (चेटक की पुत्री) **Chelna: (Daughter of Chetak)**
- क्षेमा : (भद्र प्रदेश की राजकुमारी)
  Kshema: (Princess of Bhadra Pradesh)

लगभग 1 लाख राजस्व (Revenue)

चम्पा

★ बिम्बिसार ने "अंग" महाजनपद जीता और वहाँ अपने पुत्र "अजातशत्रु" को उपराजा बनाया।
Bimbisara won the "Anga" Mahajanapada and made his son "Ajatashatru" the sub-king there.

⇒ बिंबसार
↳ राजवैद्य जीवक ⇒ जीवक सेवा करने के लिए < महात्मा बुद्ध / चण्ड प्रद्योत

बिंबिसार ⇒ साम्राज्य विस्तार ⇒ वैवाहिक – (1) महाकोशला → दहेज ⇒ काशी

अंग महाजनपद → चंपा
↳ उपराजा ⇒ अजातशत्रु

★ बिम्बिसार प्रारम्भ में "बौद्ध धर्म" का अनुयायी था परन्तु अपनी पत्नी "चेलना" के कहने पर "जैन धर्म" को अपना लिया।
Initially, Bimbisara was a follower of "Buddhism" but at the behest of his wife "Chelna" he adopted "Jainism".

★ राजधानी : राजगृह **Capital: Rajgriha**

मगध
↓
राज० = गिरिव्रज
↓
राजगृह

★ बिम्बिसार ने अपने ज्येष्ठ पुत्र "दर्शक" को उत्तराधिकारी बनाया।
Bimbisara made his eldest son "Darshak" the successor.

★ परंतु अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार की हत्या कर गद्दी पर बैठा।
But Ajatashatru killed his father Bimbisara and sat on the throne.

★ पिता की हत्या करने के कारण अजातशत्रु को पितृहंता कहा गया।
Ajatshatru was called Pitruhanta because of killing his father.

★ अजातशत्रु की भी इसके पुत्र उदयन के द्वारा हत्या कर दी गयी।
Ajatashatru was also killed by his son Udayana.

★ इस प्रकार से "हर्यक वंश को "पितृहंता" वंश भी कहा गया।
In this way, "Haryak" dynasty was also called "Pitruhanta" dynasty.

बिंबिसार → हत्या → अजातशत्रु
की हत्या → उदयन

अजातशत्रु (492BC-460BC)

- अन्य : कुणिक (पितृहंता) Others: Kunik (Patriarchy)
- माता : महाकोशला Mother : Mahakoshala
- (483BC) – प्रथम बौद्ध संगीति – सप्तपर्णि (राजगृह) – (महाकश्यप) अध्यक्ष → Imp.
  (483BC) - First Buddhist Council - Saptaparni (Rajagriha) - (Mahakashyap) President
- काशी के लिए प्रसेनजीत से संघर्ष हुआ एवं विजयी हुआ और बाजिरा से विवाह से विवाह हुआ जो कि प्रसेनजीत की पुत्री थी।
  There was a struggle with Prasenjit for Kashi and won and married Bajira, who was the daughter of Prasenjit.
- इसके बाद वज्जि और मल्ल संघ को हराया।
  After this Vajji and Malla Sangha were defeated.



अजातशत्रु → वार्ज्जि महल

अन्य नाम - कुणिक (पितृहंता)
पिता → बिंबिसार
माता → महाकोशला

अजातशत्रु Vs प्रसेनजीत (संघर्ष)
का ↳ काशी
विवाद → वाजिरा
↓
प्रसेनजीत की पुत्री

★ अजातशत्रु जैन धर्म का अनुयायी था।
Ajatashatru was a follower of Jainism.

★ महावीर स्वामी व महात्मा बुद्ध की मृत्यु इसी के शासनकाल में हुयी।
Mahavir Swami and Mahatma Buddha died during his reign.

Imp.

मगध (हर्यक वंश)
↳ बिंबिसार
↓
अजातशत्रु

↳ द्वितीय (second) ⇒ पितृहंता

उदायिन (460BC-444BC)

★ द्वितीय पितृहंता **Second Patriarchy**

★ पाटलिपुत्र नगर की स्थापना की : (गंगा, गण्डक व सोन नदी पर)
Pataliputra city established: (on the Ganges, Gandak and Son rivers)

- कुसुमपुरा के नाम से भी जाना जाता था। (राजधानी बनाया)
  It was also known as Kusumpura. (capitalized)

★ उदायिन के (3) पुत्र थे जो क्रम से शासन किया।
Udayin had (3) sons who ruled in succession.

1. अनिरुद्ध **Aniruddha**
2. मुंडा **Munda**
3. नागदशक **Nagdashak** → Shishunag

★ नागदशक 'हर्यक वंश' का अंतिम शासक था।
Nagdasaka was the last ruler of the 'Haryak dynasty'.

★ जिसकी हत्या उसका मंत्री शिशुनाग ने कर दी!
Whose murder was done by his minister Shishunag!

मगध
↓
राज० ⇒ गिरिव्रज
↓
राजगृह
↓
पाटलिपुत्र

HSNMSKS

↓ ↓

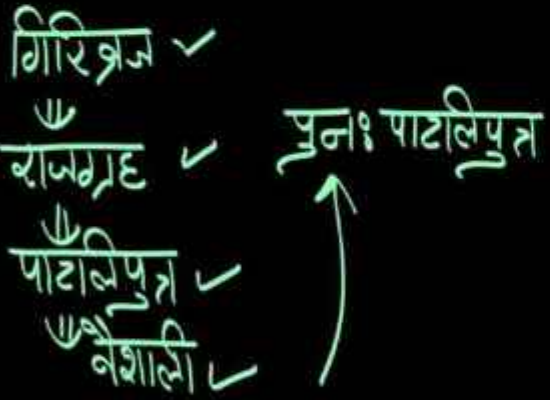
X शिशुनाग

शिशुनाग वंश (412–344)

★ संस्थापक : शिशुनाग (412BC-394BC)
Founder: Shishunag (412BC-394BC)

↳ राजधानी : वैशाली **Capital : Vaishali**

★ शिशुनाग ने "अवन्ति" को जीता (प्रद्योत को पराजित कर)
Shishunaga won "Avanti" (by defeating Pradyota)



कालाशोक (394–366 BC) / काकवर्ण

- द्वितीय बौद्ध संगीति – 383 BC – वैशाली – साबकमीर (अध्यक्ष)

Second Buddhist Council - 383 BC - Vaishali - Sabkamir (President)

- कालाशोक ने पुनः पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनायी।

Kalashoka again made Pataliputra his capital.

- इसके दस पुत्रों में एक नंदिवर्धन अंतिम शासक हुआ।

One of his ten sons, Nandivardhana, became the last ruler.

- नंदिवर्धन की हत्या महापद्मनंद ने "छूरा घोंप कर" कर दी।

Nandivardhan was killed by Mahapadmanand "by stabbing".

- महापद्मनंद ने नए वंश "नंद वंश" की स्थापना की।

Mahapadamnand established a new dynasty "Nanda dynasty".

नंद वंश (344BC-323BC)

★ संस्थापक : महापद्मनंद (अन्य नाम : उग्रसेन / एकराट / सर्वक्षांतक / परशुराम का 2nd अवतार) अपरोपरशुराम / भार्गव

Founder : Mahapadmananda (Other names : Ugrasena / Ekrat / Sarvakshantak / 2nd incarnation of Parshuram) Aproprshuram / Bhargav

★ इनके समकालीन "पाणिनी" था।

His contemporary was "Panini".

धनानंद → की हत्या चंद्रगुप्त मौर्य ने की और खुद नये वंश मौर्य साम्राज्य की स्थापना की, चाणक्य के सहयोग से।

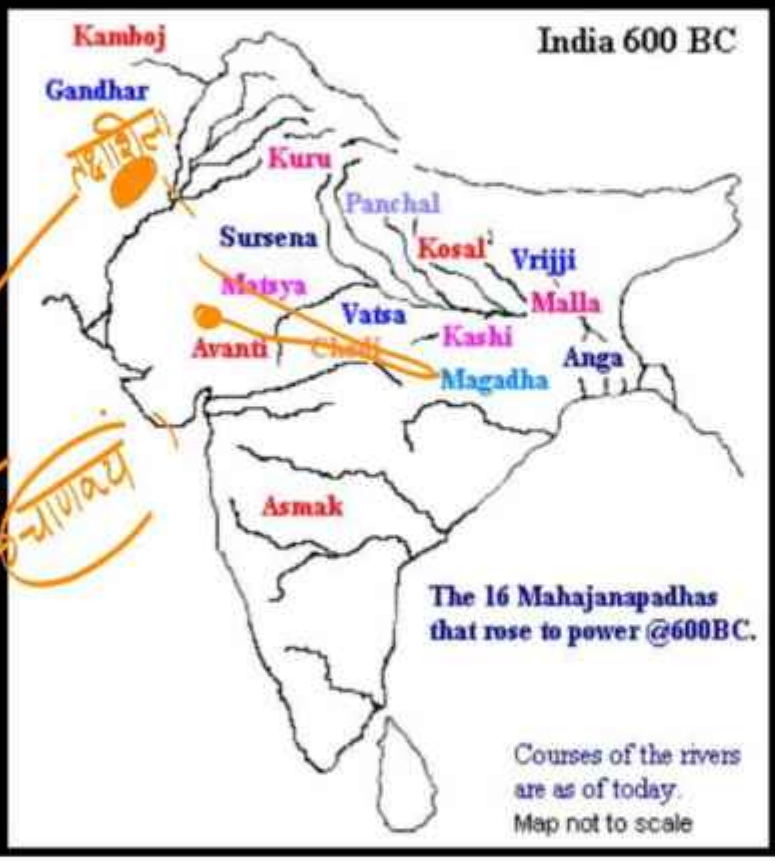
★ इसे अग्रमीज नाम से भी जाना जाता है।

It is also known as Agrameez.

★ सिकंदर का आक्रमण (326BC) इसी के शासनकाल में हुआ।

Alexander's invasion (326BC) took place during his reign.

- ★ वररूचि विद्वान varruchi scholar
- ★ कात्यायन विद्वान Katyayan scholar
- ★ तीन ग्रन्थों को – मुनित्रय कहते है। The three texts are called - Munitraya.
- ★ महाभाष्य – पतंजलि Mahabhashya - Patanjali
- ★ वर्तिका – कात्यायन Vartika - Katyayan
- ★ अष्टाध्यायी – पाणिनी Ashtadhyayi - Panini


India 600 BC
Kamboj
Gandhar
Kuru
Panchal
Sursena
Kosal
Vrijji
Matsya
Malla
Vatsa
Kashi
Avanti
Chedi
Magadha
Anga
Asmak
The 16 Mahajanapadhas
that rose to power @600BC.
Courses of the rivers
are as of today.
Map not to scale


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
मौर्य साम्राज्य
LIVE


Arctic Ocean
Macedonia
Atlantic Ocean
Pacific Ocean
Pacific Ocean
Atlantic Ocean
Indian Ocean
Southern Ocean

सिकन्दर & मौर्य साम्राज्य

★ भारत पर विदेशी आक्रमण सबसे पहले ईरानियो ने किया
Foreign invasion on India was done by Iranians first.

★ भारत पर सबसे पहले आक्रमण करने वाला शासक = डेरियस I[st]
First ruler to invade India = Darius I[st]

→ वंश = हखमनी साम्राज्य
Dynasty = Hakhmani Empire

★ इसने गांधार, कम्बोज को जीत लिया था।
He had conquered Gandhara, Kamboj.

★ ईरानियो के बाद में यूनानी (सिकन्दर) का आक्रमण हुआ।
After the Iranians, the Greeks (Alexander) invaded.

• गोगामाला / उरूवेला का युद्ध = 331 BC
Battle of Gogamala / Uruvela = 331 BC

• डेरियस 3rd VS सिकन्दर Darius 3rd VS Alexander

सिकंदर के आक्रमण के समय तक्षशिला
का शासक ⇒ आम्भीक

⇒ पुरु (पंजाब के सिंध क्षेत्र में)
राजा थे।

सिकंदर का भारतीय शासक

326 BC ← पुरु √ सिकंदर ⇒ युद्ध ⇒ झेलम नदी के किनारे
(321 BC / 326 BC) हार हो गयी।

सिकन्दर Sikandar

- मकदूनिया (मैसोडोनिया का शासक)
  Macedonian (ruler of Macedonia)
- पिता – फिलिप Father – Philip IInd
- माता – ओलम्पिया Mother Olympia
- उपनाम – अलेक्जेंडर The Great Nickname - Alexander the great
- भारत में 326 BC में आया। Came to India in 326 BC.
- वापस 325 BC में गया। Went back to 325 BC.

कुल 19 महीने सिकन्दर भारत मे रहा।

★ सिकन्दर का भारतीय शासक से युद्ध –

- हाइडेस्पीज का युद्ध / झेलम युद्ध / वितिस्ता युद्ध
  War of Hydaspes / Jhelum War / Vistasta War

326 BC / (325 BC) – राजा पुरू Vs सिकन्दर।
(325 BC) - Raja Puru Te Sikandar.

- सिकन्दर की पत्नी रैक्सोना थी। Alexander's wife was Raxona.

★ सिकन्दर की सेना ने व्यास नदी को पार करने से मना कर दिया था।
Alexander's army refused to cross the Beas river.

- गुरू – अरस्तु – प्लेटो – सुकरात → Book X
  Guru - Aristotle - Plato - Socrates

सिकंदर के गुरु

Politics Book

Republic

★ सिकन्दर के साथ आए व्यक्ति –

People who came with Alexander -

(1) सेल्युकस निकेटर (थल सेनापति)

Seleucus Nicator (Army Commander)

(2) निर्याकस (जल सेनापति)

Nirayakas (water commanders)

(3) फिलिप (प्रबन्धक)

Philip (Manager)

(4) एनासिक्रिप्स (इतिहासकार)

Anascrips (historian)

(5) आरिस्टोबुलस (इतिहासकार)

Aristobulus (historian)

★ सिकन्दर की पसंदीदा पुस्तक – इलियड़ (Writer - Homer)
Alexander's favorite book - Iliad (Writer - Homer)

★ सिकन्दर के घोड़े का नाम – बऊकेफला था (बऊकेफला निकैया नगर बसाया)
The name of Alexander's horse was Boukefla (Boukefla built the city of Nikaya).

★ सिकन्दर की मृत्यु = 323 BC बेबीलोन (ईराक) में हुई।
Alexander died = 323 BC in Bebilon (Iraq).

मौर्य सम्राज्य (322 BC – 185 BC)

- संस्थापक = चन्द्रगुप्त मौर्य
  Founder = Chandragupta Maurya
- राजधानी = पाटलिपुत्र **Capital = Pataliputra**
- प्रधानमंत्री = आचार्य चाणक्य
  Prime Minister = Acharya Chanakya
- अन्य नाम = विष्णुगुप्त, कौटिल्य, भारत के मैकियावेली
  Alias = Vishnugupta, Kautilya, Machiavelli Of India
- (चाणक्य) इनकी पुस्तक = अर्थशास्त्र **His book = [redacted]**
- राजनीति से सम्बन्धित पुस्तक **political book**

पाश्चात्य विचारक western thinker
↳ Book
↓
The Prince

★ चन्द्रगुप्त मौर्य

- शासनकाल = 322 से 298 BC तक Reign = 322 to 298 BC
- पत्नी = दुर्धरा Wife = Durdhara
- अन्यनाम = भारत का मुक्तिदाता, एन्ड्रोकोट्स, सैण्ड्रोकोटस → gupt.
  Other names = Liberator of India, Androcottes, Sandrocottes
  - जस्टिन ने कहा
    justin said
  - एपियन व प्लुटार्क ने कहा।
    Appian and Plutarch said.

★ 305 BC में सेल्युकस निकेटर से युद्ध हुआ।
There was a war with Seleucus Nicator in 305 BC.

- इस युद्ध को हारने के बाद निकेटर ने अपनी बेटी कार्नेलिया (हेलेना) की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य से कर दी।
  After losing this war, Nicator married his daughter Karnelia (Halena) to Chandragupta Maurya.
- और दहेज में निकेटर ने 4 प्रांत (काबुल, कांधार, मकरान, हेरात) दिये।

★ साथ ही निकेटर ने अपना एक दूत मेगास्थनीज को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा।
And Nicator gave 4 provinces (Kabul, Kandahar, Makran, Herat) in dowry.

↳ की पुस्तक = 'इण्डिका'
Book of = 'Indika'

↳ पाटलिपुत्र का प्रशासन
Administration of Pataliputra

★ मैगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा है–
Magasthenes has called Pataliputra as Palibotha-

युद्ध (was) ⇒ (305 BC) ⇒ सेल्यूकस निकेटर Vs चन्द्रगुप्त मौर्य

⇓

हार जाता है।

★ जूनागढ़ अभिलेख = रूद्रदामन ने जारी कराया।
Junagarh inscription = issued by Rudradaman.

- इसी से सुदर्शनझील सौराष्ट्र (गुजरात) का वर्णन मिलता है।

From this we get the description of Sudarshan Jheel (Saurashtra (Gujarat).

- इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने कराया था।

it was built by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.

- संस्कृत में जारी पहला अभिलेख है।

This is the first inscription issued in Sanskrit.

★ चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।
Chandragupta Maurya was a follower of Jainism.

- इसने जैन धर्म की दीक्षा – भद्रबाहु से ली।

He took the initiation of Jainism - from Bhadrabahu.

- इसके बाद ये सारा साम्राज्य बिंदुसार के हाथों में सौंपकर – श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) चले गये

After this, by handing over this entire empire to Bindusara - went to Srivnabelagola (Karnataka)

- वहाँ चन्द्रगिरी की पहाड़ियो पर संलेखना वृत द्वारा अपने प्राण दे दिये।

There, on the hills of Chandragiri, he gave his life by writing a circle.

बिंदुसार - पुत्र है चंद्रगुप्त मौर्य के।

जैन धर्म से सम्बंधित


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
मौर्य साम्राज्य
Part -2
LIVE
23-05-2024 4PM

★ बिंदुसार (298 BC – 273 BC तक)

- अन्यनाम = अमित्रघात, वारिसार, भद्रसार, सिंहसेन, अमित्रोकोटीज
  Other names = Amitraghat, Warisar, Bhadrasar, Singhsen, amtrokotij
- इसके दरबार में– In its court
  1. फिलाडेल्फस — Philadelphus — टालमी II (मिस्त्र) ने भेजा — Ptolemy II (Egypt) sent by
  एवं — and
  2. डॉयमेकस – आए। — Doymekas - came. — एण्टियोकस (सीरिया) ने भेजा — Antiochus (Syria) sent by
- इसके समय में तक्षशिला में अशान्ति थी। जिसका दमन करने के लिए इसने अपने पुत्र सुशीम को भेजा।
  During this time there was unrest in Taxila. To suppress whom he sent his son Sushim.
- बिंदुसार के दो पुत्र थे– (1) सुशीम (2) अशोक
  Bindusara had two sons- (1) Sushim (2) Ashoka
- इसके समय में भी प्रधानमंत्री चाणक्य ही थे।
  In its time also the Prime Minister was Chanakya.

सुशीम ,
बिंदुसार का बेटा
की मृत्यु हो गयी।

अशोक

सम्राट अशोक (269BC-232BC)

- जन्म : 304 BC (माता – शुभद्रांगी)

Birth : 304 BC (Mother - Shubhadrangi)

- अशोक के नाम : देवनाम प्रियदर्शी

Ashoka's name: Devnam Priyadarshi

- अशोक के नाम = अभिलेख – मास्की (कर्नाटक)

Name of Ashoka = inscription - Maski (Karnataka)

पत्थर
↳ संदेश लिखा



नेत्तूर / ✓नेटटूर (कर्नाटक)
Nettoor (Karnataka)

उदयगोलम / ✓उदयगोलान (कर्नाटक)
Udayagolan (Karnataka)

✓गुर्जरा (मध्य प्रदेश)
Gurjara (Madhya Pradesh)

अशोक
- पिता
- माता
- अशोक का नाम - अशोक → मास्की
  गुर्जरा
  नेत्तूर
  उडेगोलम

- भ्रत्र अभिलेख (राज0) में अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है। → पूर्वभ
भ्राग्रू In the Bhavra inscription (Raj 0), Ashoka has described himself as the emperor of Magadha.

- अभिलेखों को खोजा : टी फैंथेलर ने (1750)
Records discovered: T Fantheler (1750)

1837 में – पढ़ा : जेम्स प्रिंसेप ने
1837 – Read: by James Princep ← पूर्वभ

- अशोक के अभिलेखों की भाषा – भारत : ब्राह्मी लिपि
Language of Ashoka's inscriptions - India: Brahmi script

मानसेहरा
शहबाजगढ़ी

पाक0 : खरोष्ठी लिपि
Pak : Kharosthi script
अफगानिस्तान : अरमाइक लिपि
Afganistan: Aramaic script
एशिया माइनर (तुर्की) : ग्रीक लिपि
Asia Minor (Turkey): Greek script

- कलिंग युद्ध (261BC) – 8वें वर्ष Kalinga War (261BC) - 8th year
  (ओड़िशा) (Odisha)
- कलिंग की राजधानी : तोसली Capital : Tosli
- राजा : पद्मनाभ King: Padmanabh
- नदी : दया नदी के किनारे River : Bank of Daya River
- अशोक की नीति – "भेरीघोष की नीति (युद्ध नीति)
  Ashoka's policy - "Bherighosh's policy" (war policy)
- कलिंग युद्ध के बाद उसने धम्म घोष नीति अपनायी।
  After the Kalinga war, he adopted Dhamma Ghosh policy.
  (शांति की नीति) (peace policy)
- इस युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया।
  After this war, Ashoka adopted Buddhism.

दया नदी

भेरीघोष → धम्म घोष

कलिंग युद्ध से पहले

• बौद्ध धर्म की प्रेरणा अपने भतीजे "निग्रोथ" से ली व शिक्षा "उपगुप्त" से ली।

Took inspiration of Buddhism from his nephew "Nigrotha" and took education from "Upagupta".

• अशोक की पत्नी – देवी : (महेन्द्र, संघमित्रा, चारुमति)

Ashoka's wife - Devi: (Mahendra, Sanghamitra, Charumati)

करुवाकी : (तीवर) **Karuvaki : (Tivar)**

पद्मावती : (कुणाल) – उत्तराधिकारी

Padmavati : (Kunal) – Successor

⇒ अशोक का उत्तराधिकारी कुणाल

⇒ महेन्द्र एवं संघमित्रा को अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्री लंका भेजा।

- बौद्ध धर्म की प्रचार के अशोक ने **Ashoka propagated Buddhism**

श्रीलंका भेजा – महेन्द्र, संघमित्रा
Sent to Sri Lanka – Mahendra, Sanghamitra

तक्षशिला – मज्झांतिक **Taxila - Manjhantik**

हिमालयी क्षेत्र – मज्झिम **Himalayan Area - Majjhim**

- भारत में सर्वप्रथम शिलालेखों का प्रारम्भ अशोक ने करवाया:
Ashoka started the first inscriptions in India:

- अशोक के शिलालेख – (14) **Edicts of Ashoka - (14)**
- स्तम्भ लेख – 07
Column articles - 07
- गुहा लेख – 03
Cavalry articles – 03

अशोक के 14 शिलालेख

imp.

(1) पशुबलि की निंदा, अहिंसा, समस्त प्रजा हमारे पुत्र है।
In the first record - condemnation of animal sacrifice, non-violence, all the subjects are our sons.

(2) पशु चिकित्सा, दक्षिण राज्यो का उल्लेख (चेल, चोल, पांड्य, सतियपुत्र)
Animal medicine, mention of southern states (Chelas, Cholas, Pandyas, Satyaputras)

(3) अधिकारी (रज्जुक, युक्तक, प्रदेशक) :- (प्रत्येक 5 वर्ष में भ्रमण)
Officer (Rajjuk, Yuktak, Pradeshak) :- (Visit in every 5 years)

(4) भेरीघोष नीति के स्थान पर "धम्म घोष" की नीति अपनायी
In place of Bherighosh's policy, the policy of "Dhamma Ghosh" was adopted.

(5) (धम्म महामात्र) (Dhamma Mahamatra)

(6) आत्म नियंत्रण – (यदि जन कल्याण की बात है तो उसके अधिकारी किसी भी समय अवगत करा सकते है।)
Self-control - (If it is a matter of public welfare, then its officials can inform at any time.)

(7) धार्मिक समन्वय – (259BC बोध गया की यात्रा (10वें वर्ष)
Religious syncretism - (259BC visit to Bodh Gaya (10th year)

(8) धम्म यात्रा के बारे में (249BC लुम्बिनी (20वें वर्ष)
About Dhamma Yatra - (249BC Lumbini (20th year)

(13) कलिंग युद्ध Kalinga war

(14) सद्भावना Goodwill


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
मौर्य साम्राज्य
Part -3
LIVE
24-05-2024 4PM

14 राजाज्ञा ⇒ 8 स्थानों से प्राप्त हुई।
14 Royal orders Received from 8 Places

अभिलेख (Inscription)
→ शाहबाजगढ़ी (पाक०)
→ मनसेहरा (पाक०)
→ कालसी (उत्तराखण्ड)
→ एर्रगुडि (आंध्र प्रदेश)
→ धौली और जौगढ़ (ओडिशा)
→ सोपारा → महाराष्ट्र
→ गिरनार → गुजरात

लघु स्तम्भ लेख
→ सारनाथ स्तम्भ (U.P.)
→ सांची स्तम्भ (रायसेन, M.P.)
→ रुम्मनदेई (नेपाल, तराई क्षेत्र)
→ निग्लीवा (नेपाल, तराई क्षेत्र)

★ अशोक के स्तम्भ लेख :– 7 – 1. दिल्ली टोपरा
Ashoka's pillar articles:- 7- Delhi Topra

⇓
ब्राह्मी लिपि

2. ~~मेरठ टोपरा Meerut Topra~~ दिल्ली-मेरठ
3. कौशाम्बी Kaushambi
4. लौरिया नंदनगढ Lauria Nandangarh
5. लौरिया अरारोज Lauria Araroz
6. रामपुरा /रामपुरवा Rampura /Rampurva
7. अशोक स्तम्भ लेख Ashoka Pillar Edict

बिहार

रानी अभिलेख कहा जाता है।

दिल्ली-टोपरा (हरियाणा)
↳ टोपरा से दिल्ली लेकर आया ⇒ फिरोजशाह तुगलक (FST)
↳ मेरठ (U.P.) से दिल्ली लेकर आया ⇒ FST

अशोक स्तंभ लेख / प्रयाग स्तंभ लेख

पहले कौशांबी में स्थित था
बाद में अकबर ने इलाहाबाद (प्रयागराज)
किले में स्थापित कराया।

मौर्यकाल – 3 भागों में विभाजित था

Maurya period - was divided into 3 parts

1. नाभिकीय भाग

2- मुख्य भाग Main part

3. दूरवर्ती क्षेत्र remote areas

समाज – पितृसत्तात्मक society - patriarchal

भाषा Language – संस्कृत - Sanskrit

प्राकृत Prakrit

पालि (सम्राट अशोक ने राजकीय भाषा घोषित किया)

Pali (declared the official language by Emperor Ashoka)

मुद्रा – पण currency Pann

अधिकारी वर्णन :– Officer Description :-

1. सीताध्यक्ष – राजकीय भूमि से प्राप्त आय (सीता) का अधिकारी
   Sitadhyaksha - Officer of the income (Sita) received from the state land
2. समाहर्ता – राजस्व विभाग
   Collector - Revenue Department
3. सन्निधाता – कोषाध्यक्ष
   Associate - Treasurer
4. प्रदेष्टा – फौज़दारी विभाग
   Pradeshta - Criminal Division
5. धर्मस्य (व्यवहारी) – दीवानी विभाग
   Dharmasya (Practitioner) - Civil Department

Criminal cases

Civil cases

(6) पण्याध्यक्ष ⇒ वाणिज्य विभाग (Commercial Head)
(7) आकराध्यक्ष (Chief of Stock) ⇒ खान विभाग (Mines Department)

सूत्राध्यक्ष ⇒ कतई-बुनाई
Sutradhakshya (Spinning-Knitting)

वीवीताध्यक्ष ⇒ चरागाह का अध्यक्ष (Chairman of Pasture)

नवाध्यक्ष ⇒ जहाजरानी (Shipping) ↳ Imp.

लक्षणाध्यक्ष ⇒ टकसाल (Mint) ↳ Imp.

मौर्य वंश का अंतिम शासक → बृहद्रथ → की हत्या → पुष्यमित्र शुंग

H →
S →
R →
M →
(S) → शुंग वंश
K
S

शुंग वंश (185BC-73BC)

★ इसने मौर्य वंश के अंतिम शासक की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।
He established the Sunga dynasty by killing the last ruler of the Mauryan dynasty.

★ ब्राह्मण साम्राज्य Brahmin Empire

★ संस्थापक : पुष्यमित्र शुंग (185BC-149BC)
Founder: Pushyamitra Sunga (185BC-149BC)

★ राजधानी : विदिशा (मध्य प्रदेश) Capital : Vidisha (Madhya Pradesh)

★ राजभाषा : संस्कृत Official Language: Sanskrit

★ इसने अशोक के 8400 स्तूपो को तुड़वा दिया।
He destroyed 8400 stupas of Ashoka.

★ भरहूत स्तूप "का निर्माण पुष्यमित्र शुंग ने स्वयं करवाया।

शुंग वंश ⇒ की जानकारी

स्रोत (Source)

- थेरावली ⇒ जैन लेखक मेरुतुंग ने लिखा है।
- मालविकाग्निमित्रम् ⇒ कालिदास

Pushyamitra Shung himself got the Bharhut Stupa built.

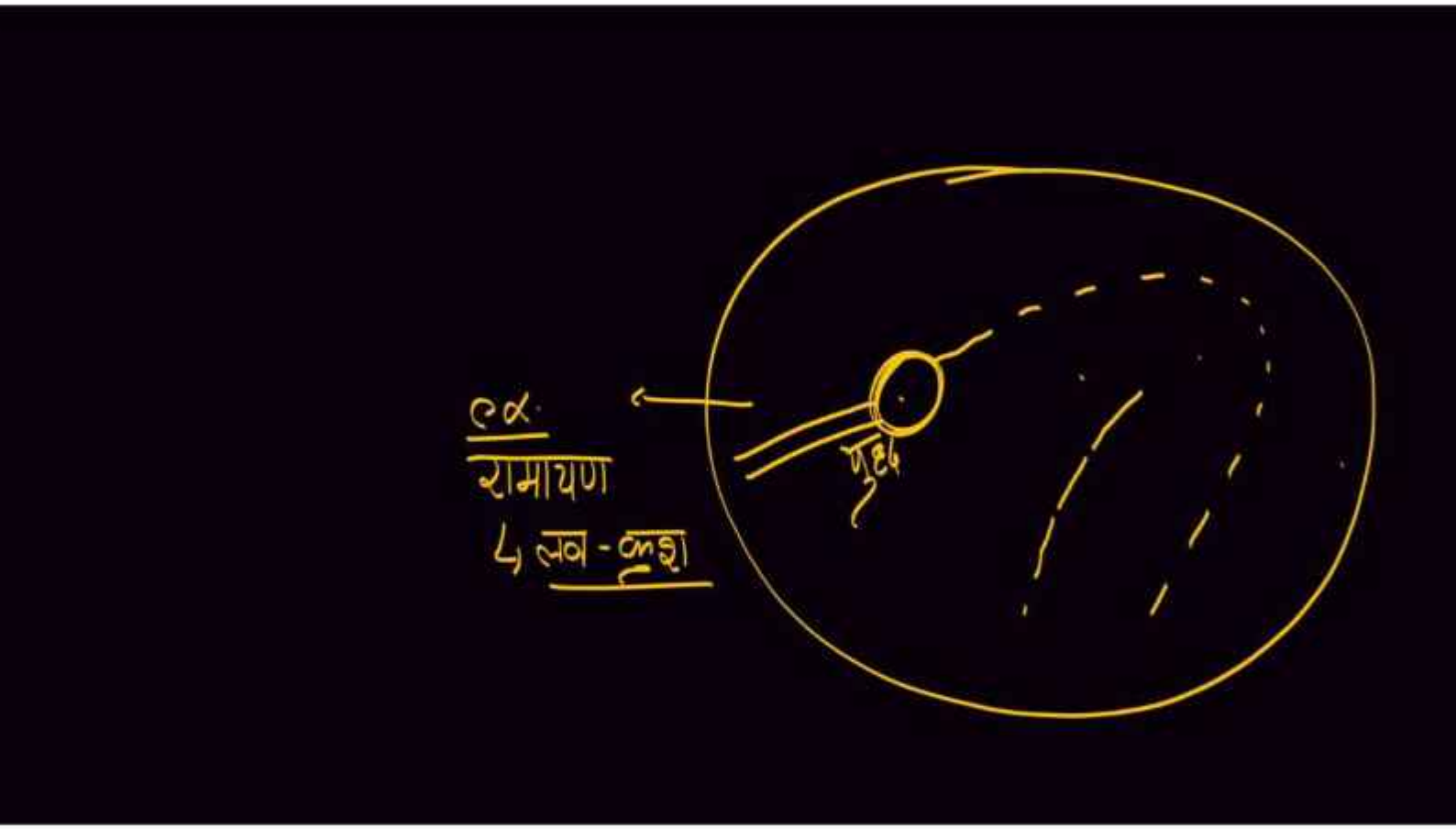
★ इसके काल को "वैदिक पुनर्जागरण का काल" कहा गया।
Its period was called "the period of Vedic renaissance".

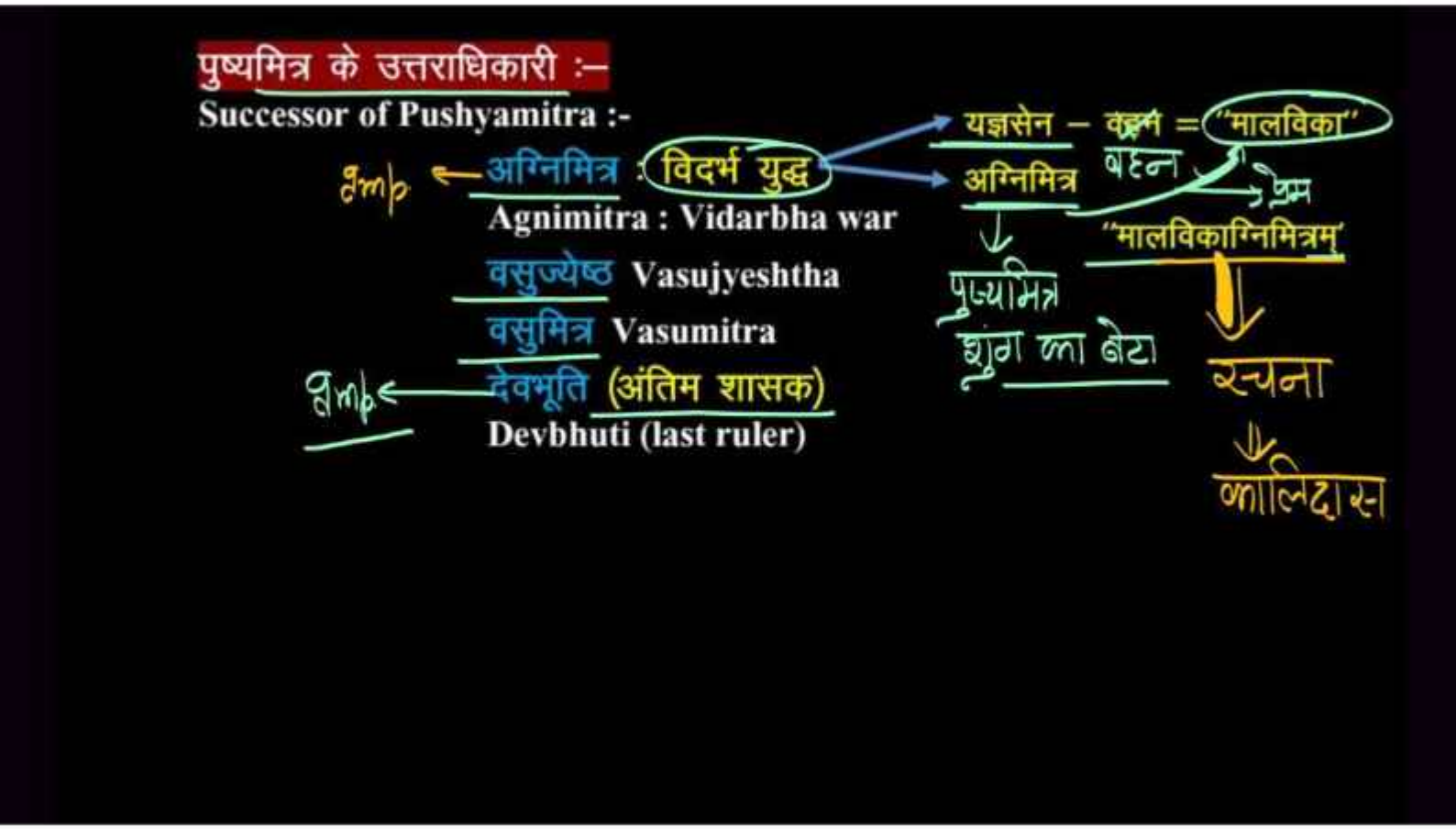
★ यवनों का आक्रमण इसी के समय हुआ। The Yavanas were attacked at this time.
↳ यूनान : डेमिट्रियस Greek: Demetrius

★ इसके दरबार में "पतंजलि" रहते थे जिन्होनें "योगशास्त्र" लिखा एवं महाभाष्य भी। जो माहभाष्य – पाणिनी के अष्टाध्यायी से
"Patanjali" used to live in its court, who wrote "Yogashastra" and also Mahabhashya. Which Mahbhashya - from Panini's Ashtadhyayi

★ पतंजलि ने 2 अश्वमेघ यज्ञ – पुष्य मित्र शुंग के लिए।
Patanjali performed 2 Ashwamedha Yagya - for Pushya Mitra Sunga.

पतंजलि < योगशास्त्र / महाभाष्य => पाणिनी की अष्टाध्यायी से प्रेरित होकर महाभाष्य की रचना।


९८.
रामायण
५ लव-कुश
गुहा


पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी :-
Successor of Pushyamitra :-
अग्निमित्र : विदर्भ युद्ध
Agnimitra : Vidarbha war
वसुज्येष्ठ Vasujyeshtha
वसुमित्र Vasumitra
देवभूति (अंतिम शासक)
Devbhuti (last ruler)
यज्ञसेन – वह्न = "मालविका"
अग्निमित्र
बहन
प्रेम
"मालविकाग्निमित्रम्"
पुष्यमित्र
शुंग का बेटा
रचना
कालिदास

★ अग्निमित्र ने कलिंग के विरूद्ध अभियान किया, उस समय चेदि/कलच्युरी वंश का शासन था।

Agnimitra campaigned against Kalinga, then ruled by the Chedi/Kalachyuri dynasty.

संस्थापक : महामेघ वाहन

Founder : Mahamegh Vehicle

चेदिवंश का प्रतापी शासक : खारवेल हुआ

★ **Magnificent ruler of Chedivansh: Kharavela happened**"खारवेल : हाथीगुफा का अभिलेख (प्राकृत भाषा में) = जारी

Kharavela: Inscription of Hathiguffa (in Prakrit language) = Continued

- कलिंग प्रशासन **Kalinga Administration**
- भारत वर्ष का उल्लेख (शब्द : भारतवर्ष का प्रयोग/उल्लेख)
  Mention of India year (word: use/mention of India year)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
कण्व वंश, सातवाहन वंश
LIVE
27-05-2024 4PM

बिंदुसार → २ विदेशी यात्री

① डॉयमेक्स
↳ ग्रण्टियोक्स (सीरिया)

② टालमी II फिलाडेल्फस (मिस्त्र)
⇓
डाइनोसियस ✓

सबसे छोटा उपनिषद्
↳ माण्डुक्योपनिषद् ✓
- मुण्डकोपनिषद् → सत्यमेव जयते।

पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी :–

Successor of Pushyamitra :-

→ अग्निमित्र : विदर्भ युद्ध
Agnimitra : Vidarbha war

- यज्ञसेन – वहन = "मालविका"
- अग्निमित्र

"मालविकाग्निमित्रम्"
कालिदास

वसुज्येष्ठ **Vasujyeshtha**

वसुमित्र **Vasumitra**

देवभूति (अंतिम शासक)
Devbhuti (last ruler)

Imp.

→ हत्या ⇒ वासुदेव

⇓

काण्व वंश की स्थापना

★ अग्निमित्र ने कलिंग के विरूद्ध अभियान किया, उस समय चेदि/कलचुरी वंश का शासन था।

Agnimitra campaigned against Kalinga, then ruled by the Chedi/Kalachyuri dynasty.

संस्थापक : महामेघ वाहन

Founder : Mahamegh Vehicle

चेदिवंश का प्रतापी शासक : खारवेल हुआ

★ Magnificent ruler of Chedivansh: Kharavela happened "खारवेल : हाथीगुफा का अभिलेख (प्राकृत भाषा में) = जारी

imp.

Kharavela: Inscription of Hathiguffa (in Prakrit language) = Continued

- कलिंग प्रशासन Kalinga Administration
- भारत वर्ष का उल्लेख (शब्द : भारतवर्ष का प्रयोग/उल्लेख)

  Mention of India year (word: use/mention of India year)

अग्निमित्र → कलिंग अभियान

शासन → चेदी वंश → संस्थापक → महामेघवहन

→ सबसे प्रतापी शासक: खारवेल

↓

हाथीगुम्फा अभिलेख

और।

प्राकृत भाषा

कण्व वंश (73BC- 30BC)

★ संस्थापक : वासुदेव Founder: Vasudev

★ अंतिम शासक : शुशर्मन Last Ruler: Shusharman

★ दो राजधानियाँ : पाटलिपुत्र, विदिशा Two capitals: Pataliputra Vidisha

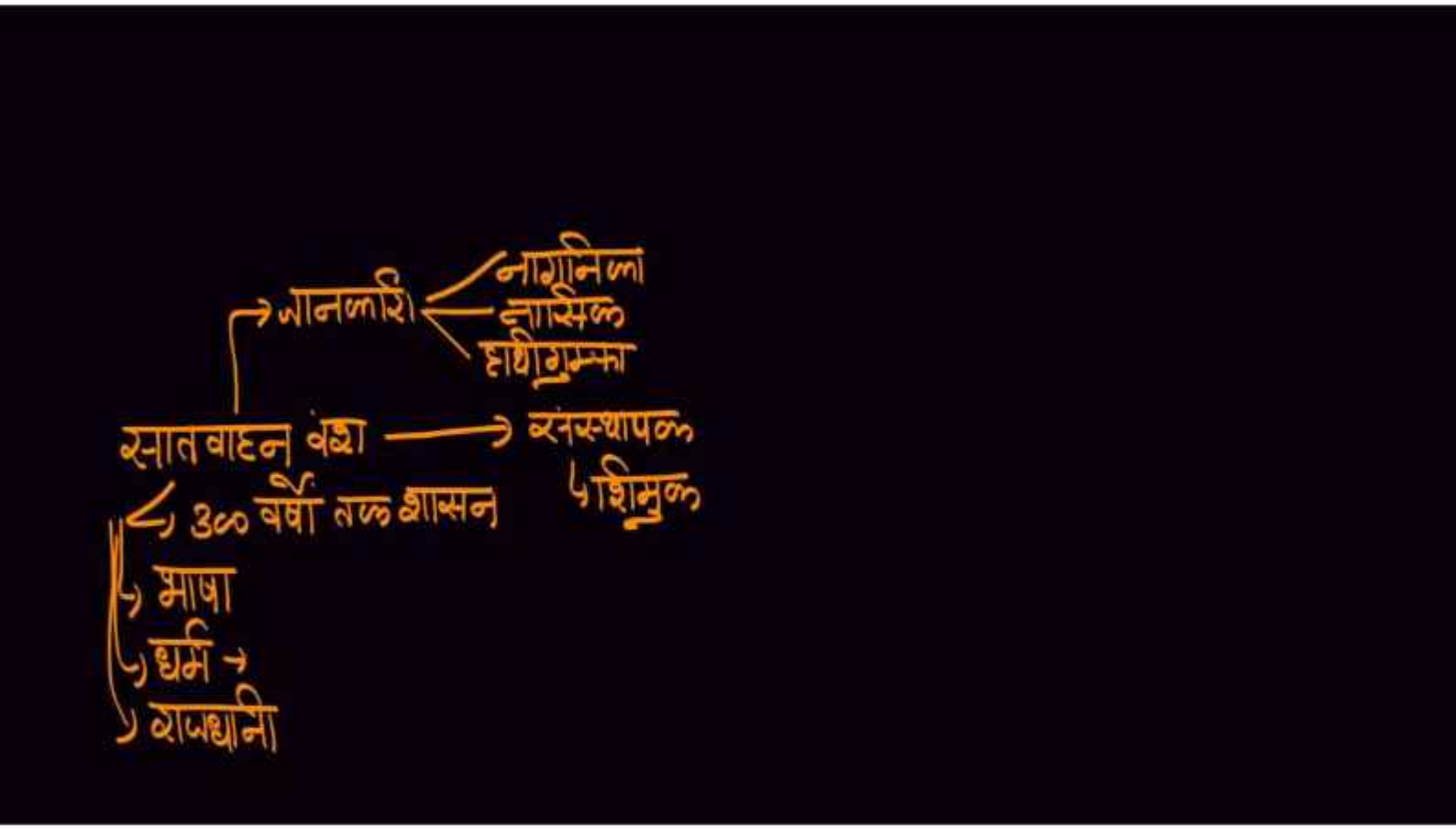
→ हत्या ⇒ सिमुक

↓

सातवाहन / आंध्र सातवाहन वंश

सातवाहन वंश / आंध्र सातवाहन वंश

- ★ 300 वर्षो तक शासन काल Reigned For 300 Years
- ★ भाषा : प्राकृत Language: Prakrit
- ★ धर्म : ब्राह्मण Religion: Brahmin
- ★ राजधानी : प्रतिष्ठान (पैठान (द0 महाराष्ट्र) : गोदावरी नदी पर
  Capital : Pratishthan (Paithan (S. Maharashtra) : On the river Godavari
- ★ संस्थापक : "शिमुक" (कण्व वंश के अंतिम शासक शुशर्मन की हत्या कर)
  Founder: "Shimuka" (by killing Shusharman, the last ruler of the Kanva dynasty)
- ★ सातवाहन वंश के बारे में जानकारी मिलती है– नागनिका अभिलेख ✓
  Information about the Satavahana dynasty is found in the Naganika inscription.
  ✓ नासिक अभिलेख Nashik Records
  ✓ हाथी गुम्फा अभिलेख Hathi Gumpha inscription


नागनिका
नासिक्य
गौतमी बलश्री
सातवाहन वंश
वंशस्थापक
शिमुक
30 वर्षो तक शासन
भाषा
धर्म
राजधानी

★ शिमुक का उत्तराधिकारी – शातकर्णी प्रथम Shimuka's successor - Shatkarni I

★ उपाधि : दक्षिण पथपति / प्रतिष्ठानपति Title: Dakshin Patrapati/Founder

★ शातकर्णी प्रथम ने : 2 अश्वमेघ यज्ञ, 1 राजसूय यज्ञ किया।
Shatkarni I performed: 2 Ashwamedha Yagya, 1 Rajasuya Yagya.

★ राजधानी बनायी : अमरावती Capital made: Amaravati

★ शातकर्णी प्रथम का नाम – "एल्डर सैरागोन"
Name of Shatkarni I - "Elder Cairagon"

↳ अज्ञात लेखक

पुस्तक – "पैरिप्लस ऑफ द एरिथियन सी"
Book - "Periplus of the Erythean Sea"

"यूनान + मौर्य साम्राज्य के व्यापार
"Trade of Greece + Maurya Empire

★ भूमि दान की प्रथा प्रारम्भ की : शातकर्णी प्रथम
Started the practice of land donation: Shatkarni I

इस बात की जानकारी "नाना घाट का अभिलेख" से प्राप्त होती है।
This information is obtained from the "record of Nana Ghat".

शतकर्णी प्रथम की पत्नी "नागनिका" द्वारा जारी किया गया।
Issued by "Naganika", the wife of Shatkarni I.

★ (C) हाल : संस्कृत का विद्वान Hall : Scholar of Sanskrit

- गाथा सप्तसती की रचना की : "प्राकृत भाषा मे–
Composed Gatha Saptasati: "In Prakrit language-

- अंधकार युग भी सातवाहन वंश को कहा जाता है।
The dark age is also called the Satavahana dynasty.

सिमुक
↓
शातकर्णी प्रथम
↓
हाल

हाल • इसमें दो विद्वान रहते थे:
Two students lived in its center:

1. सर्ववर्मन : कांतत्र (Book)
Sarvavarman: Kantrat

2. गुड़ाहड्य : बृहतकथा → Book
Gudahdya: Brihatkath → Jump

बृहतकथा के आधार पर (इसी के आधार पर) "पंचतंत्र" पुस्तक Based on this the book "Panchtantra"

Jump

विष्णु शर्मा Vishnu Sharma
↳ लेखक (writer)

शिमुक → शातकर्णी प्रथम → हाल → गौतमी पुत्र शातकर्णी

★ (D) गौतमी पुत्र शातकर्णी Gautami's son Shatkarni

- 23वां शासक 23rd ruler
- सातवाहन वंश का पुर्नसंस्थापक Restorer of the Satavahana Dynasty
- उपाधि : अद्वितीय ब्राह्मण Title: Unique Brahmin
  एका ब्राह्मण single brahmin

Jump

→ त्रिसमुद्रीपति trisamudripati

वेणकटक स्वामी Venkataka Swami

माता = गौतमी बलश्री

- माता : बलश्री (नासिक अभिलेख)

Mother: Balashri (Nashik inscription)

→ अपने पुत्र के साथ संयुक्त रुप से शासिक रही है।

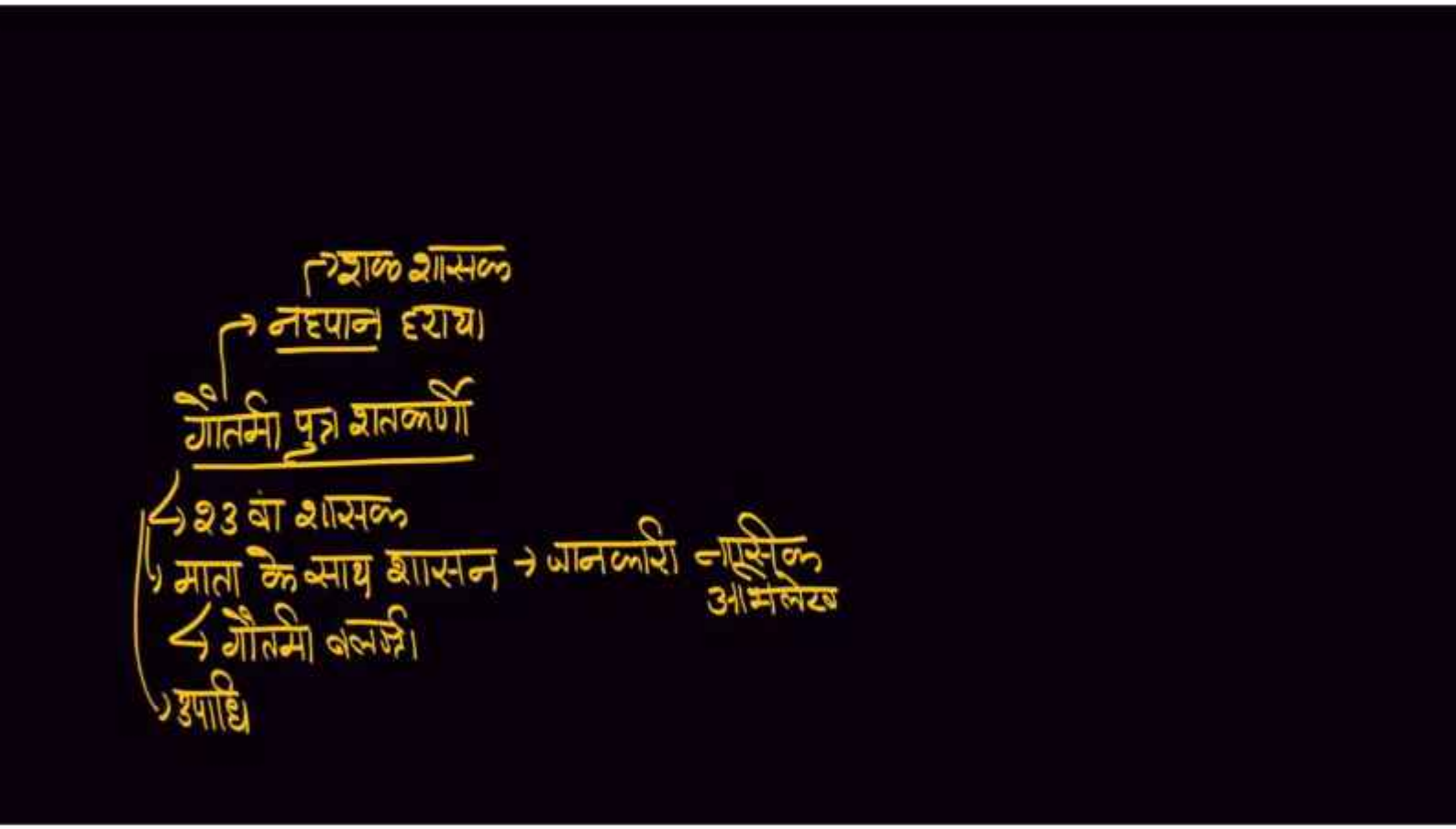
Ruled jointly with her son.



- समाज : पितृसत्तात्मक Society: Patriarchal
- इसने शक्ल शासक "नहपान" को हराया : "जोगलश्राम्बी (नासिक) से मिले मृदभाण्डो से पता चलता है। : (13250) सिक्के

It defeated the ruler "Nahapana": "It is known from the pottery found from JogalShrimbi (Nashik). : (13250) Coins

मृदभाण्ड = मिट्टी + बर्तन


शक शासक
नहपान हराया
गौतमी पुत्र शातकर्णी
23 वां शासक
माता के साथ शासन
गौतमी बलश्री
उपाधि
जानकारी
नासिक
अभिलेख

- वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी / (पुलवामी)
  Vashishthi son of Shatkarni/Pulwami
  - रूद्रदामन से पराजित हुआ।
    defeated by Rudradaman.
    - पुत्री + वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी का पुत्र = "विवाह"
      Daughter + Vashishti's son Shatakani's son = "Marriage"
      - शिवश्री Shivshree

- यज्ञ श्री शातकर्णी Yagya Shree Shatkarni
  - जलयान के चित्र वाले सिक्के जारी कराए।
    Issued coins with pictures of ships.

वाशिष्ठी पुत्र शातकर्णी
↳ पुत्र + पुत्री (रूद्रदामन) ⇒ विवाह

★ अंतिम शासक : "विजय" Last Ruler: "Victory"

- सातवाहनों ने शीशे के सिक्के जारी कराए : (500ग्रेन)
  Satavahanas issued glass coins: (500 grains)
  + पोटीन एवं ताँबे के सिक्के भी चलवाए।
  + Putty and copper coins were also made to run.
- सातवाहन वंश के शासक सर्वाधिक व्यापार 'कल्याण' नामक बंदरगाह से करते थे।
  The rulers of the Satavahana dynasty used to do most of the trade from 'Kalyana' Nagak port.


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
कण्व वंश, सातवाहन वंश
LIVE
27-05-2024 4PM

शुंग वंश (185BC-73BC)

- ★ इसने मौर्य वंश के अंतिम शासक की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।
  He established the Sunga dynasty by killing the last ruler of the Mauryan dynasty.
- ★ ब्राह्मण साम्राज्य **Brahmin Empire**
- ★ संस्थापक : पुष्यमित्र शुंग (185BC-149BC)
  Founder: Pushyamitra Sunga (185BC-149BC)
- ★ राजधानी : विदिशा (मध्य प्रदेश) **Capital : Vidisha (Madhya Pradesh)**
- ★ राजभाषा : संस्कृत **Official Language: Sanskrit**
- ★ इसने अशोक के 8400 स्तूपो को तुड़वा दिया।
  He destroyed 8400 stupas of Ashoka.
- ★ भरहूत स्तूप "का निर्माण पुष्यमित्र शुंग ने स्वयं करवाया।

Pushyamitra Shung himself got the Bharhut Stupa built.

★ इसके काल को "वैदिक पुनर्जागरण का काल" कहा गया।
Its period was called "the period of Vedic renaissance".

★ यवनों को आक्रमण इसी के समय हुआ। The Yavanas were attacked at this time.
↳ यूनान : डेमिट्रियस Greek: Demetrius

★ इसके दरबार में "पतंजलि" रहते थे जिन्होनें "योगशास्त्र" लिखा एवं महाभाष्य भी। जो माहभाष्य – पाणिनी के अष्टाध्यायी से
"Patanjali" used to live in its court, who wrote "Yogashastra" and also Mahabhashya. Which Mahbhashya - from Panini's Ashtadhyayi

★ पतंजलि ने 2 अश्वमेघ यज्ञ करवाए – पुष्य मित्र शुंग के लिए।
Patanjali performed 2 Ashwamedha Yagya - for Pushya Mitra Sunga.

पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी :–

Successor of Pushyamitra :-

अग्निमित्र : विदर्भ युद्ध → यज्ञसेन – वहन = "मालविका"
अग्निमित्र

Agnimitra : Vidarbha war

"मालविकाग्निमित्रम्"
कालिदास

वसुज्येष्ठ **Vasujyeshtha**

वसुमित्र **Vasumitra**

देवभूति (अंतिम शासक)

Devbhuti (last ruler)

★ अग्निमित्र ने कलिंग के विरूद्ध अभियान किया, उस समय चेदि/कलच्युरी वंश का शासन था।

Agnimitra campaigned against Kalinga, then ruled by the Chedi/Kalachyuri dynasty.

संस्थापक : महामेघ वाहन

Founder : Mahamegh Vehicle

चेदिवंश का प्रतापी शासक : खारवेल हुआ

★ **Magnificent ruler of Chedivansh: Kharavela happened**"खारवेल : हाथीगुफा का अभिलेख (प्राकृत भाषा में) = जारी

Kharavela: Inscription of Hathiguffa (in Prakrit language) = Continued

- कलिंग प्रशासन **Kalinga Administration**
- भारत वर्ष का उल्लेख (शब्द : भारतवर्ष का प्रयोग/उल्लेख)
  Mention of India year (word: use/mention of India year)

कण्व वंश (73BC- 30BC)

★ संस्थापक : वासुदेव Founder: Vasudev

★ अंतिम शासक : शुशर्मन Last Ruler: Shusharman

★ दो राजधानियाँ : पाटलिपुत्र, विदिशा Two capitals: Pataliputra Vidisha

सातवाहन वंश / आंध्र सातवाहन वंश

- ★ 300 वर्षों तक शासन काल **Reigned For 300 Years**
- ★ भाषा : प्राकृत **Language: Prakrit**
- ★ धर्म : ब्राह्मण **Religion: Brahmin**
- ★ राजधानी : प्रतिष्ठान (पैठान (द0 महाराष्ट्र) : गोदावरी नदी पर
  Capital : Pratishthan (Paithan (S. Maharashtra) : On the river Godavari
- ★ संस्थापक : "शिमुक" (कण्व वंश के अंतिम शासक शुशर्मन की हत्या कर)
  Founder: "Shimuka" (by killing Shusharman, the last ruler of the Kanva dynasty)
- ★ सातवाहन वंश के बारे में जानकारी मिलती है– नागनिका अभिलेख
  Information about the Satavahana dynasty is found in the Naganika inscription.

नासिक अभिलेख **Nashik Records**

हाथी गुम्फा अभिलेख **Hathi Gumpha inscription**

★ शिमुक का उत्तराधिकारी – शातकर्णी प्रथम Shimuka's successor - Shatkarni I

★ उपाधि : दक्षिण पथपति/प्रतिष्ठानपति Title: Dakshin Patrapati/Founder

★ शातकर्णी प्रथम ने : 2 अश्वमेघ यज्ञ, 1 राजसूय यज्ञ किया।
Shatkarni I performed: 2 Ashwamedha Yagya, 1 Rajasuya Yagya.

★ राजधानी बनायी : अमरावती Capital made: Amaravati

★ शातकर्णी प्रथम का नाम – "एल्डर सैरागोन"
Name of Shatkarni I - "Elder Cairagon"

पुस्तक – "पैरिप्लस ऑफ द् एरिथियन सी"
Book - "Periplus of the Erythean Sea"
"यूनान + मौर्य साम्राज्य के व्यापार
"Trade of Greece + Maurya Empire

★ भूमि दान की प्रथा प्रारम्भ की : शातकर्णी प्रथम
Started the practice of land donation: Shatkarni I

इस बात की जानकारी "नाना घाट का अभिलेख" से प्राप्त होती है।
This information is obtained from the "record of Nana Ghat".

शतकर्णी प्रथम की पत्नी "नागनिका" द्वारा जारी किया गया।
Issued by "Naganika", the wife of Shatkarni I.

★ (C) हाल : संस्कृत का विद्वान Hall : Scholar of Sanskrit

- गाथा सप्तसती की रचना की : "प्राकृत भाषा मे–
  Composed Gatha Saptasati: "In Prakrit language-
- अंधकार युग भी सातवाहन वंश को कहा जाता है।
  The dark age is also called the Satavahana dynasty.

- इसमें दो विद्वान रहते थे: Two students lived in its center:
  1. सर्ववर्मन : कांतत्र Sarvavarman: Kantrat
  2. गुड़ाह्डय : बृहतकथा Gudahdya: Brihatkath

इसी के आधार पर "पंचतंत्र" पुस्तक Based on this the book "Panchtantra"

विष्णु शर्मा Vishnu Sharma

★ (D) गौतमी पुत्र शातकर्णी Gautami's son Shatkarni

- 23वां शासक 23rd ruler
- सातवाहन वंश का पुर्नसंस्थापक Restorer of the Satavahana Dynasty
- उपाधि : अद्वितीय ब्राह्मण Title: Unique Brahmin
  एका ब्राह्मण single brahmin

त्रिसमुद्रीपति trisamudripati

वेणकटक स्वामी Venkataka Swami

- माता : बलश्री (नासिक अभिलेख)

Mother: Balashri (Nashik inscription)

अपने पुत्र के साथ संयुक्त रुप से शासिक रही है।

Ruled jointly with her son.

- समाज : पितृसत्तात्मक Society: Patriarchal
- इसने शकशासक "नहपान" को हराया : "जोगलश्राम्बी (नासिक) से मिले मृदभाण्डो से पता चलता है। : (13250) सिक्के

It defeated the ruler "Nahapana": "It is known from the pottery found from JogalShrimbi (Nashik). : (13250) Coins

- वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी / (पुलवामी)
  Vashishthi son of Shatkarni/Pulwami
  - रूद्रदामन से पराजित हुआ।
    defeated by Rudradaman.
    - पुत्री + वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी का पुत्र = "विवाह"
      Daughter + Vashishti's son Shatakani's son = "Marriage"
      - शिवश्री Shivshree
- यज्ञ श्री शातकर्णी Yagya Shree Shatkarni
  - जलयान के चित्र वाले सिक्के जारी कराए।,
    Issued coins with pictures of ships.

★ अंतिम शासक : "विजय" Last Ruler: "Victory"

- सातवाहनों ने शीशे के सिक्के जारी कराए : (500ग्रेन)
  Satavahanas issued glass coins: (500 grains)
  + पोटीन एवं ताँबे के सिक्के भी चलवाए।
  + Putty and copper coins were also made to run.
- सातवाहन वंश के शासक सर्वाधिक व्यापार 'कल्याण' नागक बंदरगाह से करते थे।
  The rulers of the Satavahana dynasty used to do most of the trade from 'Kalyana' Nagak port.

भारत पर विदेशी आक्रमण

- ★ पर्शियन / ईरानी Persian/Iranian
- ★ यूनानी (सिंकदर) Greek (Sikander)
- ★ हिन्द यवन Hind Yavana (Indo-Greek)
- ★ शक Shak
- ★ पहलव Pahlav
- ★ कुषाण Kushan
- ★ अरबी Arabic
- ★ तुर्की Turkey

भारत पर विदेशी आक्रमण

- ★ पर्शियन / ईरानी Persian/Iranian
- ★ यूनानी (सिंकदर) Greek (Sikander)
- ★ हिन्द यवन Hind Yavana (Indo-Greek)
- ★ शक Shak
- ★ पहलव Pahlav
- ★ कुषाण Kushan
- ★ अरबी Arabic
- ★ तुर्की Turkey

हिन्द यवन शासक (Indo-Greek)

★ इन्हें बैक्ट्रियन भी कहा जाता है।
They are also called Bactrians.

★ पहला शासक : डेमिट्रियस (सेल्यूकस की तीसरी पीढ़ी का वंशज)
First ruler: Demetrius (3rd generation descendant of Seleucus)

★ डायोडोट्स ने सेल्यूकस के कमजोर होने पर बैक्ट्रिया क्षेत्र को एक स्वतंत्र साम्राज्य के रुप में घोषित कर दिया था।
Diodotes had declared the Bactria region as an independent kingdom when Seleucus was weak.

★ दूसरा यूनानी आक्रमणकारी : डेमिट्रियस
Second Greek Invader: Demetrius

★ इनकी दो शाखाएँ भी: They also have two brancnes:

डेमेट्रियश शाखा
Demetrius Branch

1. अपोलोडोट्स
1. Apollodotes

2. अगाथोक्लिज
2. Agathoklij

3. मिनांडर (मिलिंद)
3. Minander (Milind)

कृष्ण + बलराम
Krishna + Balarama

सिक्के जारी किए

येक्रेटाइड्स शाखा
Yecratides Branch

उत्तराधिकारी Heir

एण्टियालकीड्स
Antialkids

इसने शुंग वंश के शासक "भागवत' के दरबार में "हेलियोडोरस" को भेजा था।

1. सिकंदर से ज्यादा भू– भाग जीते
1. Conquered more territory than Alexander
2. बौद्ध–भिक्षु नागसेन से वार्ता की "
2. Talked to the Buddhist-monk Nagasena.
मिलिंदपन्हो : बौद्ध ग्रंथ ("मिलिंद के प्रश्न")
Milimpadho: Buddhist texts
3. उपाधि : हमिकश, सोटर
4. सोने के सिक्के चलवाए।

राजधानी Rajdhani (शाकल (सियालकोट) (Shakal (Sialkot)

तक्षशिला Takshashila got

अंतिम शासक last ruler – हर्मियस hermeus "इसे कुजुल कडफिसेस ने हराया।

"It was defeated by Kujul Kadphisese.

(हिन्द यवन आक्रमण के प्रभाव):–

1. मुद्राओं के लिपि script of currencies
2. कैलेण्डर में सप्ताह का प्रयोग
   use of weeks in calendar
3. 12 राशियाँ : (सिंह मेष, मिथुन.....)
   12 zodiac signs: (Leo, Aries, Gemini.....)
4. पर्दा प्रथा (यवनिका) Veil practice (Yavnika)

शक (सीथियन)

★ शक: मध्य एशिया से आए। The Shakas came from Central Asia.

★ पहला शासक : "मोगा" First Ruler: "Moga"

★ शको की भारत में (5) शाखाएँ थी :– Shako also has (5) branches in India :-

1. अफगानिस्तान Afghanistan
2. पंजाब Punjab
3. मालवा Malwa
4. उत्तरी शाखा/क्षत्रप (तक्षशिला से मथुरा तक)
   Northern branch / Kshatrapa (from Taxila to Mathura)
5. पश्चिमी क्षत्रप (नासिक से उज्जैन तक)
   Western Kshatraps (from Nashik to Ujjain)

रुद्रदामन का सम्बन्ध पश्चिमी क्षत्रप शाखा से है।

Rudradaman is related to the Western Kshatrapa branch.

- "जूनागढ़ अभिलेख जारी कराया " – (विशुद्ध संस्कृत में जारी)

  "Junagarh inscription released" - (Issued in pure Sanskrit)

  - गिरनार **(Girnar) – Gujrat**

इसी अभिलेख से "सुदर्शन झील" के निर्माण का पता चलता है जो कि चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल : पुष्यगुप्त ने कराया था।

This record shows the construction of "Sudarshan Lake" which was done by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.

- सुदर्शन झील से नहरे निकलवाई : "तुषाष्प" (सम्राट अशोक का राज्यपाल)
  Canals were made out of Sudarshan Lake: "Tushashpa" (Governor of Emperor Ashoka)
- जीर्णोद्धार करया : रुद्रदामन ने (सुविशाख के निर्देशन में) – मंत्री
  Renovated by: Rudradaman (under the direction of Suvishak) - Minister
- पुनः जीर्णोद्धार कराया : "स्कन्दगुप्त" Revived again: "Skandagupt"

★ जूनागढ़ अभिलेख से : रुद्रदामन, चन्द्रगुप्त मौर्य व अशोक के बारे में जानकारी मिलती है।
From Junagarh inscription: Information is available about Rudradaman, Chandragupta Maurya and Ashoka.

पहलव (पार्थियन)

★ संस्थापक : मिथ्रेड्टस **Founder: Mithadrates**

↳ ईरान से आए थे। **Came from Iran.**

★ इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक – गोण्डोफर्नीस (राजधानी तक्षशिला)

The most powerful ruler of this dynasty - Gondofarnes (Capital Taxila)

कुषाण

★ संस्थापक : कुजुल कडफिसेस –
Founder: Kujul Kadifises -

★ कुषाण मध्य एशिया से आए थे।
The Kushans came from Central Asia.

★ यह 'यूची जनजाति' के थे।
He belonged to the 'Youtchi Tribe'.

उत्तराधिकारी
successor

"विम कडफिसेस" (वास्तविक संस्थापक)
"Wim Kadphises" (the real founder)

★ विम कडफिसेस ने सोने के सिक्के चलवाए जिसे द्विभाषीय मुद्रा भी कहा गया।
Vim Kadphikes introduced gold coins which were also called bilingual currency.

यूनानी लिपि
Greek script

खरोष्ठी लिपि
Kharosthi script

★ "विम कडफिफेस" : शैव धर्म का अनुयायी था।

Vim Kadphiface: Was a follower of Shaivism.

- शिव, नंदी, बैल की आकृति के सिक्के मिले है।

  Coins in the shape of Shiva, Nandi, Bull have been found.

★ विम कडफिफेस को सम्राटो का सम्राट, सर्वलोकेश्वर आदि नामो से जाना जाता है।

The emperor of emperors, Sarvalokeshwar is known by other names.

कनिष्क (78AD-110AD)

★ रवैटक अभिलेख से कनिष्क के विम कडफिसेस का पुत्र होने का पता चलता है।
The Ravitaka inscription reveals Kanishka to be the son of Vima Kadphises.

★ इनकी दो राजधानियाँ थी। → 1. पुरुषपुर
They had two capitals. Purushpur
2. मथुरा Mathura

★ कनिष्क गद्दी पर बैठने से पूर्व: तक्षशिला का गर्वनर थे।
Before Kanishka ascended the throne: He was the governor of Takshashila.

★ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति : कश्मीर के कुण्डल वन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुयी।
4th Music of Buddhism during the reign of Kanishka: Vasumitra in Kundal forest of Kashmir Held under the chairmanship of

चौथी बौद्ध संगीति : में बौद्ध धर्म दो शाखा में बँट गया। → हीनयान, महायान
forth Buddhist Council: In Buddhism, it was divided into two branches.

★ इन्हें द्वितीय अशोक भी कहा जाता है। He is also called the second Ashoka.

1. गांधार कला, मथुरा कला का विकास

1. Development of Gandhara Art, Mathura Art

2. शुद्ध सोने के सिक्के – (सूर्य देवता, हेलियोक्लीज का प्रतीक)

2. Coins of pure gold - (symbol of the sun god, Heliocles)

3. दरबारी : (1) राजनैतिक कवि/लेखक – "अश्वघोष"

3. Darbari: (1) Political poet/writer - "Asvaghosh"

(2) नागार्जुन – (शून्य वाद का जनक/सापेक्षता का सिद्धांत)

(2) Nagarjuna - (Father of Zeroism/Theory of Relativity)

↓

पुस्तक :– प्रज्ञापारमिता सूत्र Book :- Prajnaparamita Sutra

(9) चरक – (चरक संहिता) – "चिकित्सा"

(9) Charaka - (Charaka Samhita) - "Medicine"

★ 78 ईस्वी में शक सम्वत् चला।

Saka era started in 78 AD.

गुप्त साम्राज्य : [319AD-540AD]

भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग
(The Golden Era of Indian History)

★ संस्थापक : श्रीगुप्त Founder: Srigupta

↓

घटोत्कच Ghatotkach

★ चंद्रगुप्त प्रथम (319AD-334AD) Chandragupta I (319AD–334AD)

- गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है: चन्द्रगुप्त प्रथम को।
  The real founder of the Gupta dynasty is considered to be: Chandrgupta I.
- चंद्रगुप्त प्रथम जिस दिन गद्दी पर बैठा: 319 ई0 में गुप्त संवत् चलाया।
  The day Chandragupta I sat on the throne: In 319 AD, he started the Gupta Samvat.
- उसी दिन = राजा–रानी का सिक्का चलाया था।
  On the same day = King-Queen's coin was run.

पत्नी – (कुमार देवी)
Wife - (Kumar Devi)

★ समुद्रगुप्त (335AD-380AD) Samudragupta (335AD–380AD)

- भारत का नेपोलियन (इसने 9+12 राजाओं को हराया)
  Napoleon of India (It defeated 9+12 kings)
- कविराज Kaviraj → विंसेट स्मिथ : Early History of India
- परम भागवत Param Bhagwat
- परम क्रमांक ultimate number
- लिच्छवी दौहित्र litchi dauhitar
- व्याघ्र पराक्रम tiger might
- समरशथ Samarshath
- काच Katch

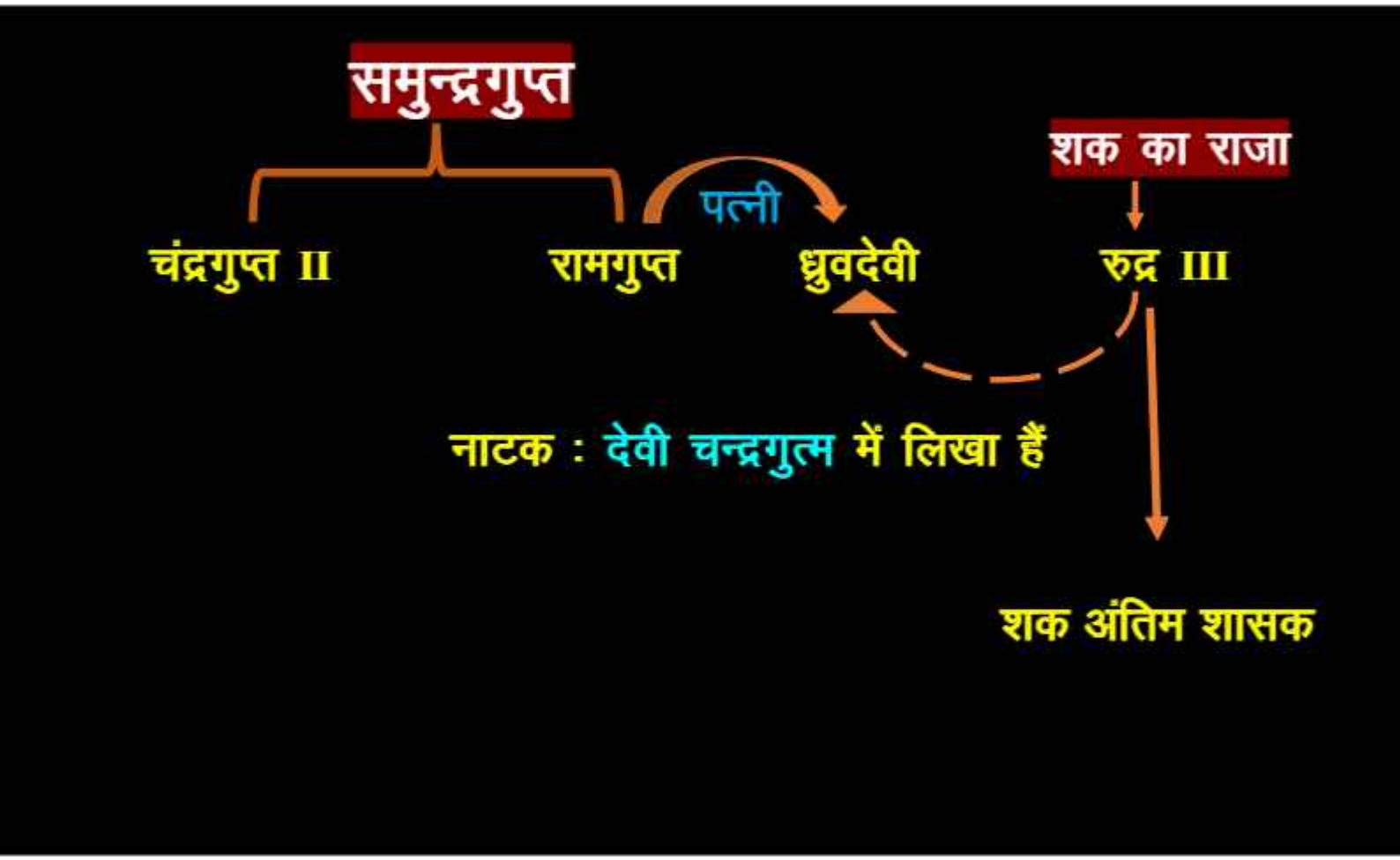
★ यह संगीत प्रेमी था, सिक्के पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
He was a music lover, the coin is shown playing Veena.

★ इनके दरबारी हरिषेण थे जिसने प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख लिखा है।
His courtier was Harishen, who wrote the Prayag Prashasti inscription.

★ इसके पास एक संगठित नौसेना थी। It had an organized navy.

★ एरण अभिलेख → सती प्रथा प्रचलित थी।
Eran records - Sati practice was prevalent.
"भानु गुप्त" ने जारी कराया Released by "Bhanu Gupta"

★ भाषा – संस्कृत Language – Sanskrit


समुन्द्रगुप्त
चंद्रगुप्त II
रामगुप्त
पत्नी
ध्रुवदेवी
शक का राजा
रुद्र III
नाटक : देवी चन्द्रगुत्म में लिखा हैं
शक अंतिम शासक

★ चंद्रगुप्त द्वितीय (380AD-414AD)

Chandragupta II (380AD 414AD)

- उपाधि : शकारि
  Title: Shikari

विक्रमांक Vikramank

परमभागवत Param Bhagwat

विक्रमादित्य (14 विक्रमादित्य में से एक)
Vikramaditya (one of the 14 Vikramadityas)

विक्रमी सम्वत् – 57BC
उज्जैन के शासक ने चलाया था।

- इसके दरबार में 9 रत्न रहते थे: 9 gems lived in his court:

1. कालिदास Kalidas =
   - मेघदूतम् Meghdootam
   - रघुवंशम् raghuvansham
   - अभिज्ञान शांकुतलम् (पहला अनुवादित ग्रंथ)
     Abhigyan Shankutalam (first translated text)
     - दुष्यंत + शकुंतला = प्रेमकथा
       Dushyant + Shakuntala = love story
   - विक्रमोवर्शीय Vikramvarshi
   - मालविकाग्निमित्रम् malavikagnimitram
   - कुमार सम्भवम् Kumar Sambhavam

   भारत का सेक्सपियर
   India's Shakespeare

2. वराहमिहिर Varahamihira
   - वृहतसंहिता Great Samhita
   - पंचसिद्धांतिका panchsiddhantika
   - बृज्जातक brajjatak
3. शंकु = वास्तुकार Shanku = Architect
4. क्षपणक = ज्योतिष Kshapanaka = Astrology
5. अमर सिंह = अमरकोष Amarkosh
6. घटकर्पर = मुख्य सलाहकार Ghatkarpar = Chief Advisor
7. धन्वन्तरि = चिकित्सक Dhanvantari = doctor
8. वररुचि Varruchi
9. बेताल भट्ट = जादूगर (सिंहासन बन्तीसी) – पुस्तक
Betala Bhatta = Magician (Singhasan Bantisi) - Book

- आर्यभट्ट :– सूर्यसिद्धांत (आर्यभट्टीयम) – पुस्तक
  Aryabhata :- Suryasiddhanta (Aryabhattiyam) - Book

  O, V, $\sqrt{\square}$, $\sqrt[3]{\square}$ पृथ्वी की त्रिज्या

  O, V, $\sqrt{\square}$, $\sqrt[3]{\square}$ Radius of the Earth
- वात्स्यायन = कामसूत्र Vatsyayana = Kamasutra
- फाहियान : 399 ई–414 ई0 तक भारत में रहा।
  Fahian: Lived in India till 399 AD - 414 AD.
- पुस्तक – फा. क्यो– की Book – Pha Kyo-ki
- चीनी लेखक भारतीयों को यिन्तू कहते थे।
  Chinese writers used to call Indians Yintu.

- चन्द्रगुप्त की दो राजधानियाँ भी :–

  Chandragupta also had two capitals :- 1. पाटलिपुत्र **Pataliputra**

  2. उज्जैन **Ujjain**

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री का विवाह : वाकाटक नरेशः रुद्र द्वितीय से की। और इनकी मदद लेकर शासक : रुद्र III को हराया। (शक शासक– रुद्र III का हराया)

Chandragupta II married his daughter to Vakataka king Rudra II. And by taking their help defeated the ruler: Rudra III. (Saka ruler- defeated by Rudra III)

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने कदम्ब साम्राज्य के शासक : काकुत्स वर्मा की बेटी से अपने पुत्र का विवाह करवाया।

Chandragupta II got his son married to the daughter of Kakutsa Varma, the ruler of the Kadamba kingdom.

★ इसने मथुरा क्षेत्र को कुषाणों से जीता : (मथुरा अभिलेख)
He conquered the Mathura region from the Kushans: (Mathura inscription)

★ महरौली लौह स्तम्भ अभिलेख : चंद्रगुप्त द्वितीय ने लिखवाया।
Mehrauli Iron Pillar Inscription: Chandragupta II got it written.

↳ चन्द्र Chandra

★ सांची के स्तम्भ लेख से ग्रामदान के बारे में पता चलता है।
From the pillar inscription of Sanchi, it is known about Gramdan.

★ चंद्रगुप्त द्वितीय के समय की जानकारी का सबसे अच्छा स्त्रोत : "देवीचन्द्रगुप्तम् है।

The best source of information about the time of Chandragupta II is: "Devichandraguptam.

लेखक "विशाखादत्त" Writer Vishakhadatta


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
भारत पर विदेशी आक्रमण
LIVE
28-05-2024 7PM

भारत पर विदेशी आक्रमण

- ★ पर्शियन / ईरानी Persian/Iranian
- ★ यूनानी (सिंकदर) Greek (Sikander)
- ★ हिन्द यवन Hind Yavana (Indo-Greek)
- ★ शक Shak
- ★ पहलव Pahlav
- ★ कुषाण Kushan
- ★ अरबी Arabic
- ★ तुर्की Turkey

Ier
Sahab
Pee
Kar
Aaye
तुर्की

हिन्द यवन शासक (Indo-Greek)

★ इन्हें बैक्ट्रियन भी कहा जाता है।
They are also called Bactrians.

★ पहला शासक : डेमिट्रियस (सेल्यूकस की तीसरी पीढ़ी का वंशज)
First ruler: Demetrius (3rd generation descendant of Seleucus)

★ डायोडोट्स ने सेल्यूकस के कमजोर होने पर बैक्ट्रिया क्षेत्र को एक स्वतंत्र साम्राज्य के रुप में घोषित कर दिया था।
Diodotes had declared the Bactria region as an independent kingdom when Seleucus was weak.

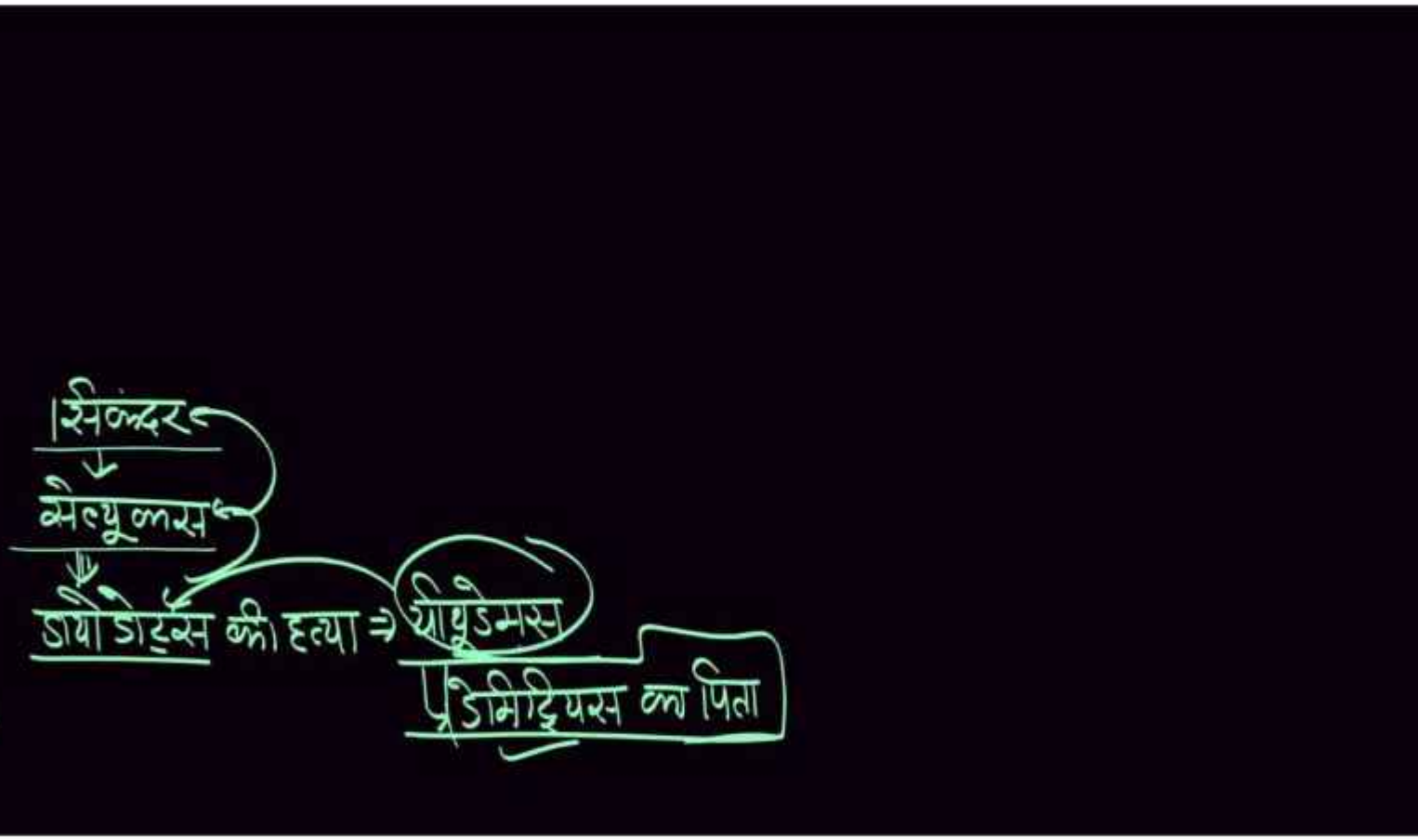
★ दूसरा यूनानी आक्रमणकारी : डेमिट्रियस
Second Greek Invader: Demetrius

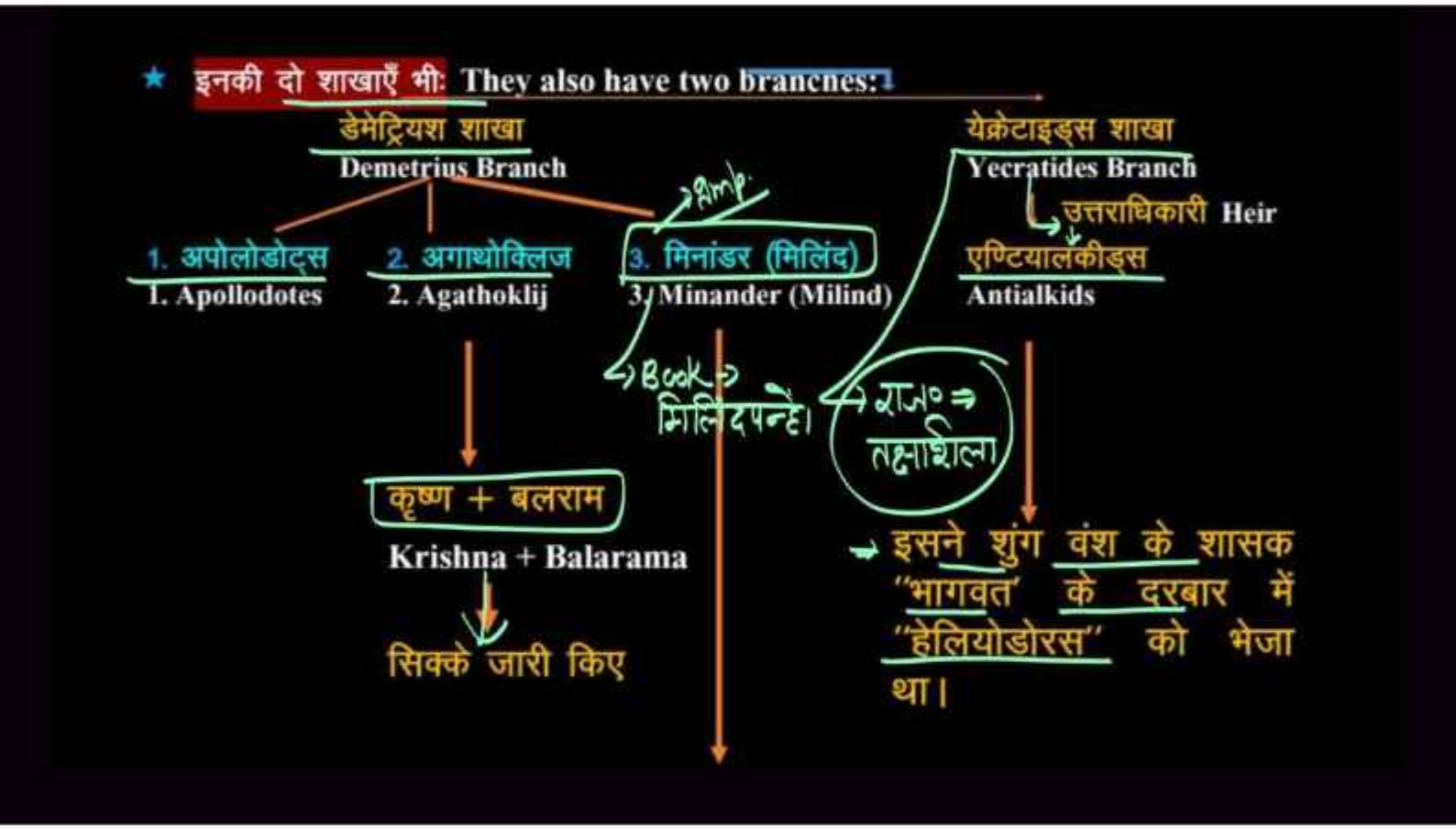
सेल्यूकस निकेटर

सिकंदर
सेल्यूकस
डायोडोटस

सिकंदर → भारत → वापस → सेल्यूकस निकेटर

हत्या ⇒ यूथिडेमस ने इसकी हत्या कर दी


सिल्वर
सैल्युलस
डायोडोरस की हत्या ⇒ थियुडमस
प्रेडमिडियस का पिता


★ इनकी दो शाखाएँ भी: They also have two brancnes:
डेमेट्रियश शाखा
Demetrius Branch
येक्रेटाइड्स शाखा
Yecratides Branch
उत्तराधिकारी Heir
1. अपोलोडोट्स
1. Apollodotes
2. अगाथोक्लिज
2. Agathoklij
3. मिनांडर (मिलिंद)
3. Minander (Milind)
एण्टियालकीड्स
Antialkids
Book → मिलिंदपन्हो।
राज० → तक्षशिला
कृष्ण + बलराम
Krishna + Balarama
सिक्के जारी किए
→ इसने शुंग वंश के शासक "भागवत" के दरबार में "हेलियोडोरस" को भेजा था।

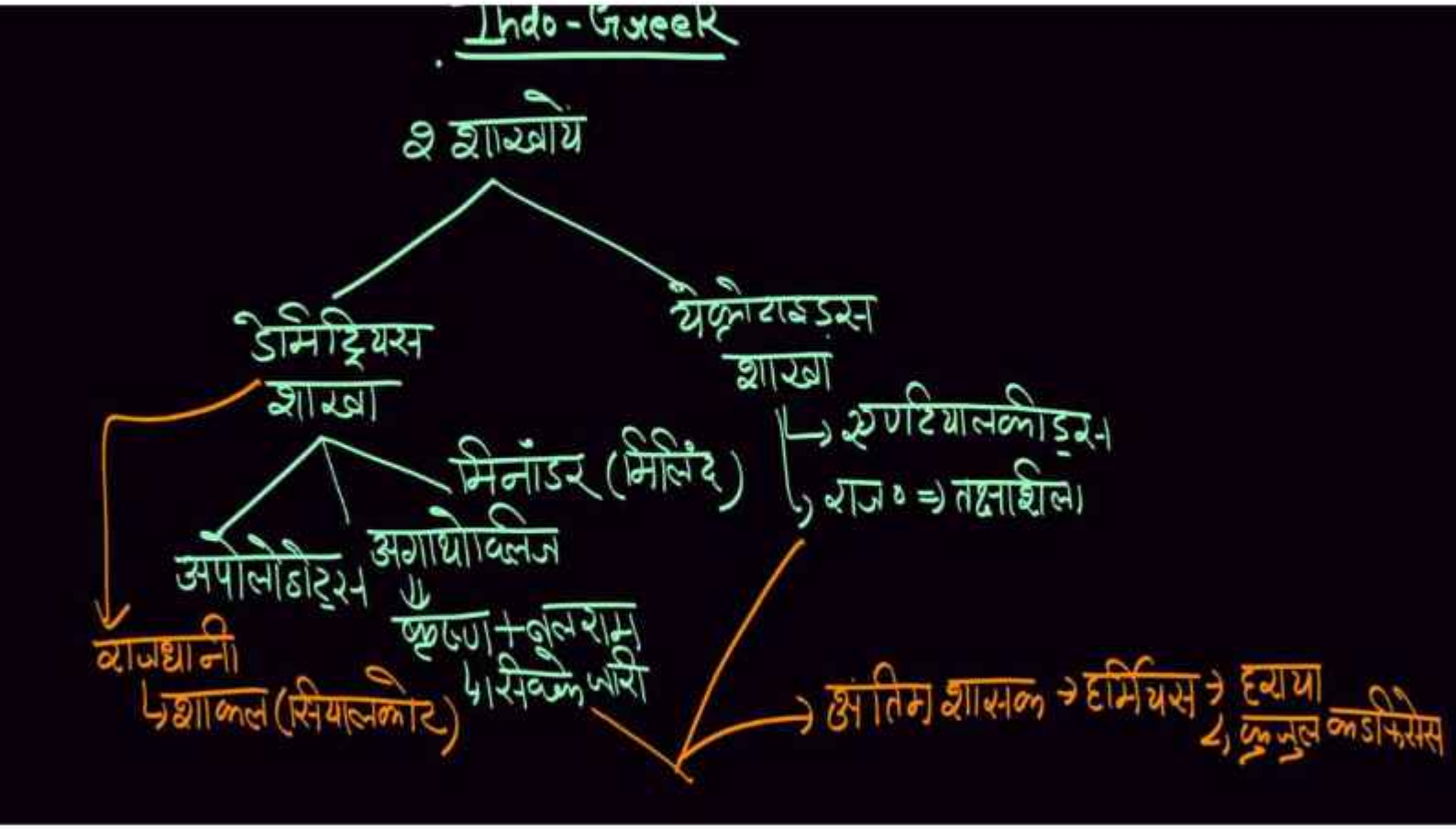
मिनांडर
↓
डेमेट्रियस
शाखा

1. सिकंदर से ज्यादा भू– भाग जीते
1. Conquered more territory than Alexander
2. बौद्ध–भिक्षु नागसेन से वार्ता की "
2. Talked to the Buddhist-monk Nagasena.
मिलिंदपन्हो : बौद्ध ग्रंथ ("मिलिंद के प्रश्न")
Milimpadho: Buddhist texts
3. उपाधि : हमिकश, सोटर
4. सोने के सिक्के चलवाए।

राजधानी Rajdhani (शाकल (सियालकोट) (Shakal (Sialkot)

अंतिम शासक last ruler – हर्मियस hermeus "इसे कुजुल कडफिसेस ने हराया।
"It was defeated by Kujul Kadphisese.

दोनों शाखाओं का अंतिम


Indo-Greek
2 शाखाएं
डेमिट्रियस शाखा
यूक्रेटाइडस शाखा
मिनांडर (मिलिंद)
अपोलोडोटस
अगाथोक्लिज
कृष्ण + बलराम
सिक्के जारी
राजधानी
शाकल (सियालकोट)
अंतिम शासक → हर्मियस → हत्या
कुजुल कडफिसेस

(हिन्द यवन आक्रमण के प्रभाव):– Effects of Indo-Greek

1. मुद्राओं के लिपि script of currencies
2. कैलेण्डर में सप्ताह का प्रयोग
   use of weeks in calendar
3. 12 राशियाँ : (सिंह मेष, मिथुन.....)
   12 zodiac signs: (Leo, Aries, Gemini.....)
4. पर्दा प्रथा (यवनिका) Parda system (Yavnika)



शक ~~(सीथियन)~~ (सीरियन)

★ शक: मध्य एशिया से आए। The Shakas came from Central Asia.

★ पहला शासक : "मोगा" First Ruler: "Moga"

★ शको की भारत में (5) शाखाएँ थी :– Shako also has (5) branches in India :-

1. अफगानिस्तान Afghanistan
2. पंजाब Punjab
3. मालवा Malwa
4. उत्तरी शाखा / क्षत्रप (तक्षशिला से मथुरा तक)
   Northern branch / Kshatrapa (from Taxila to Mathura)
5. पश्चिमी क्षत्रप (नासिक से उज्जैन तक)
   Western Kshatraps (from Nashik to Ujjain)

Indo-Greek शासन

सम्बंध ← 5. पश्चिमी क्षत्रप

रुद्रदामन का सम्बंध पश्चिमी शाखा से है।

शुंग → मध्य शुंगीय

→ पहला शासक - पुष्यमित्र शुंग

→ भारत 5 शाखाएँ

अफगा॰ उत्तरी शाखा (तक्षशिला – मथुरा)

पंजाब / मालवा पश्चिमी शाखा (नासिक - उज्जैन)

रुद्रदामन का सम्बन्ध पश्चिमी क्षत्रप/शाखा से है।

Rudradaman is related to the Western Kshatrapa branch.

"जूनागढ़ अभिलेख जारी कराया " – (विशुद्ध संस्कृत में जारी)

"Junagarh inscription released" - (Issued in pure Sanskrit)

गिरनार (Girnar) – Gujrat

इसी अभिलेख से "सुदर्शन झील" के निर्माण का पता चलता है जो कि चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल : पुष्यगुप्त ने कराया था।

This record shows the construction of "Sudarshan Lake" which was done by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.

- सुदर्शन झील से नहरे निकलवाई : "तुषाष्प" (सम्राट अशोक का राज्यपाल)
  Canals were made out of Sudarshan Lake: "Tushashpa" (Governor of Emperor Ashoka)
- जीर्णोद्धार करया : रुद्रदामन ने (सुविशाख के निर्देशन में) – मंत्री
  Renovated by: Rudradaman (under the direction of Suvishak) - Minister
- पुनः जीर्णोद्धार कराया : "स्कन्दगुप्त" Revived again: "Skandagupt"

★ जूनागढ़ अभिलेख से : रुद्रदामन, चन्द्रगुप्त मौर्य व अशोक के बारे में जानकारी मिलती है।
From Junagarh inscription: Information is available about Rudradaman, Chandragupta Maurya and Ashoka.

रुद्रदामन → जूनागढ़ अभिलेख ⇒ भाषा → संस्कृत

↳ शक शासक
↳ पाश्चिमी शाखा

↳ सुदर्शन झील → निर्माण / नहरें → अशोक → मौर्य
जीर्णोद्धार → रुद्रदामन
पुनः जीर्णोद्धार → स्कंदगुप्त

पहलव (पार्थियन)

★ संस्थापक : मिथ्रेड्टेस **Founder: Mithadrates**

ईरान से आए थे। **Came from Iran.**

★ इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक – गोण्डोफर्नीस (राजधानी तक्षशिला)

The most powerful ruler of this dynasty - Gondofarnes (Capital Taxila)


कुषाण
★ संस्थापक : कुजुल कडफिसेस
Founder: Kujul Kadifises
उत्तराधिकारी
successor
★ कुषाण मध्य एशिया से आए थे।
The Kushans came from Central Asia.
★ यह 'यूची जनजाति' के थे।
He belonged to the 'Youtchi Tribe'.
"विम कडफिसेस" (वास्तविक संस्थापक)
"Wim Kadphises" (the real founder)
★ विम कडफिसेस ने सोने के सिक्के चलवाए जिसे द्विभाषीय मुद्रा भी कहा गया।
Vim Kadphikes introduced gold coins which were also called bilingual currency.
यूनानी लिपि
Greek script
खरोष्ठी लिपि
Kharosthi script

★ "विम कडफिफेस" : शैव धर्म का अनुयायी था।
Vim Kadphiface: Was a follower of Shaivism.

- शिव, नंदी, बैल की आकृति के सिक्के मिले है।
  Coins in the shape of Shiva, Nandi, Bull have been found.

★ विम कडफिफेस को सम्राटो का सम्राट, सर्वलोकेश्वर आदि नामो से जाना जाता है।
The emperor of emperors, Sarvalokeshwar is known by other names.


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
गुप्त साम्राज्य
LIVE
29-05-2024 7PM

कनिष्क (78AD-110AD)

★ रवैटक अभिलेख से कनिष्क के विम कडफिसेस का पुत्र होने का पता चलता है।
The Ravitaka inscription reveals Kanishka to be the son of Vima Kadphises.

★ इनकी दो राजधानियाँ थी। → 1. पुरुषपुर
They had two capitals. Purushpur

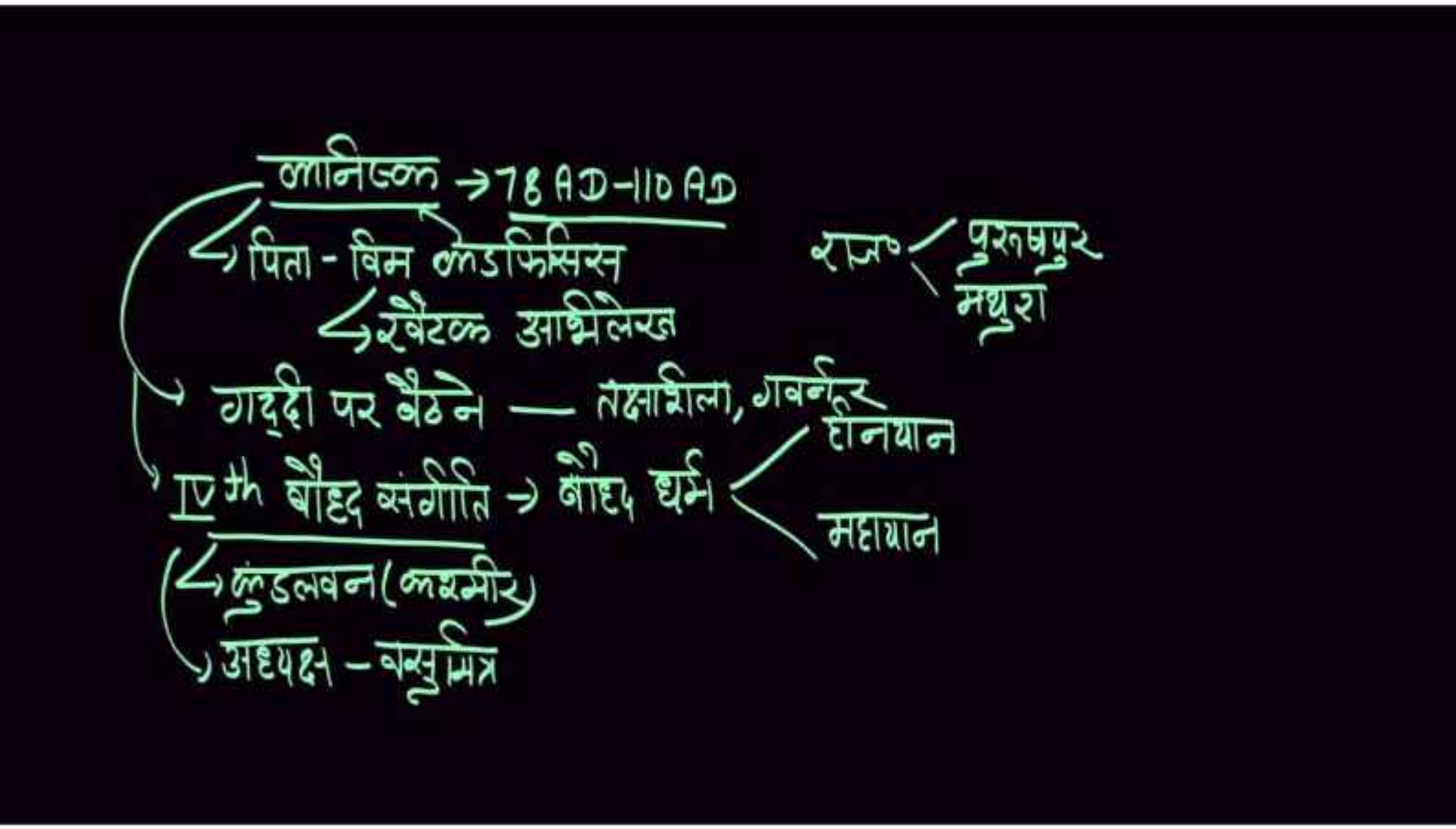
2. मथुरा Mathura

★ कनिष्क गद्दी पर बैठने से पूर्व: तक्षशिला का गर्वनर थे।
Before Kanishka ascended the throne: He was the governor of Takshashila.

★ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति : कश्मीर के कुण्डल वन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुयी।
4th Music of Buddhism during the reign of Kanishka: Vasumitra in Kundal forest of Kashmir Held under the chairmanship of

चौथी बौद्ध संगीति : में बौद्ध धर्म दो शाखा में बँट गया। → हीनयान, महायान
forth Buddhist Council: In Buddhism, it was divided into two branches.

उपाध्यक्ष - अश्वघोष


कनिष्क → 78 AD - 110 AD
पिता - विम कडफिसिस
रबैटक आर्मिलेख
गद्दी पर बैठने — तक्षशिला, गवर्नर
राज. पुरुषपुर मथुरा
IV th बौद्ध संगीति → बौद्ध धर्म
हीनयान
महायान
कुंडलवन (कश्मीर)
अध्यक्ष - वसुमित्र

★ इन्हें द्वितीय अशोक भी कहा जाता है। He is also called the second Ashoka.

1. गांधार कला, मथुरा कला का विकास
1. Development of Gandhara Art, Mathura Art

2. शुद्ध सोने के सिक्के – (सूर्य देवता, हेलियोक्लीज का प्रतीक)
2. Coins of pure gold - (symbol of the sun god, Heliocles)

मूर्ति बनाने की कला (statue)

शक संवत् किसने चलाया ⇒ कनिष्क (78 ई०/78 AD)
का प्रयोग भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

3. दरबारी : (1) राजनैतिक कवि / लेखक – "अश्वघोष"

3. Darbari: (1) Political poet/writer - "Asvaghosh"

(2) नागार्जुन – (शून्य वाद का जनक / सापेक्षता का सिद्धांत)

(2) Nagarjuna - (Father of Zeroism/Theory of Relativity)

↳ भारत का आइंस्टीन कहा जाता है।

अश्वघोष
नागार्जुन
–चरक

पुस्तक :– प्रज्ञापारमिता सूत्र Book :- Prajnaparamita Sutra

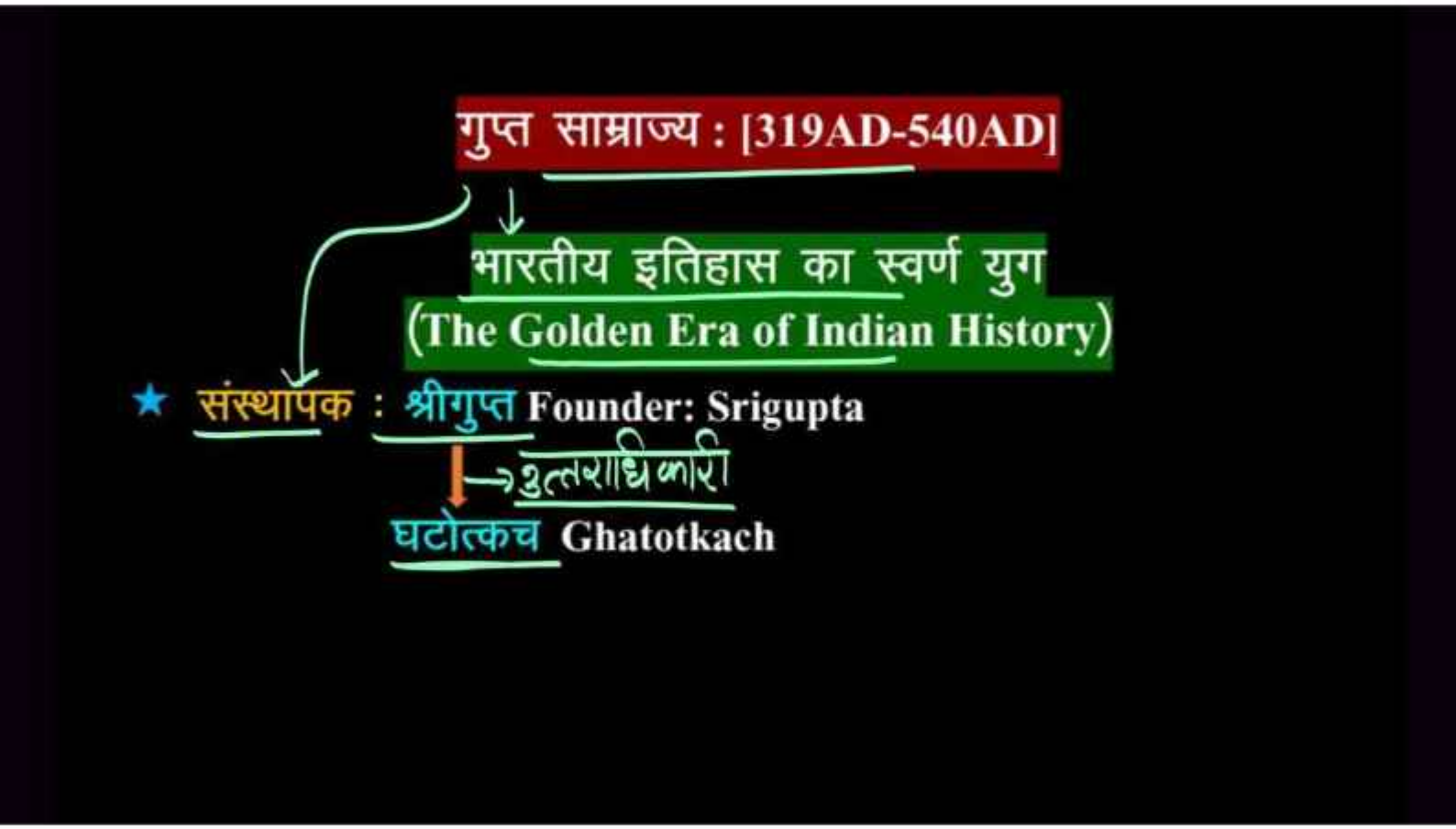
(3) चरक – (चरक संहिता) – "चिकित्सा"

(3) Charaka - (Charaka Samhita) - "Medicine"

★ 78 ईस्वी में शक सम्वत् चला।

Saka era started in 78 AD.

वसुमित्र → IV वौद्ध संगीति की अध्यक्षता

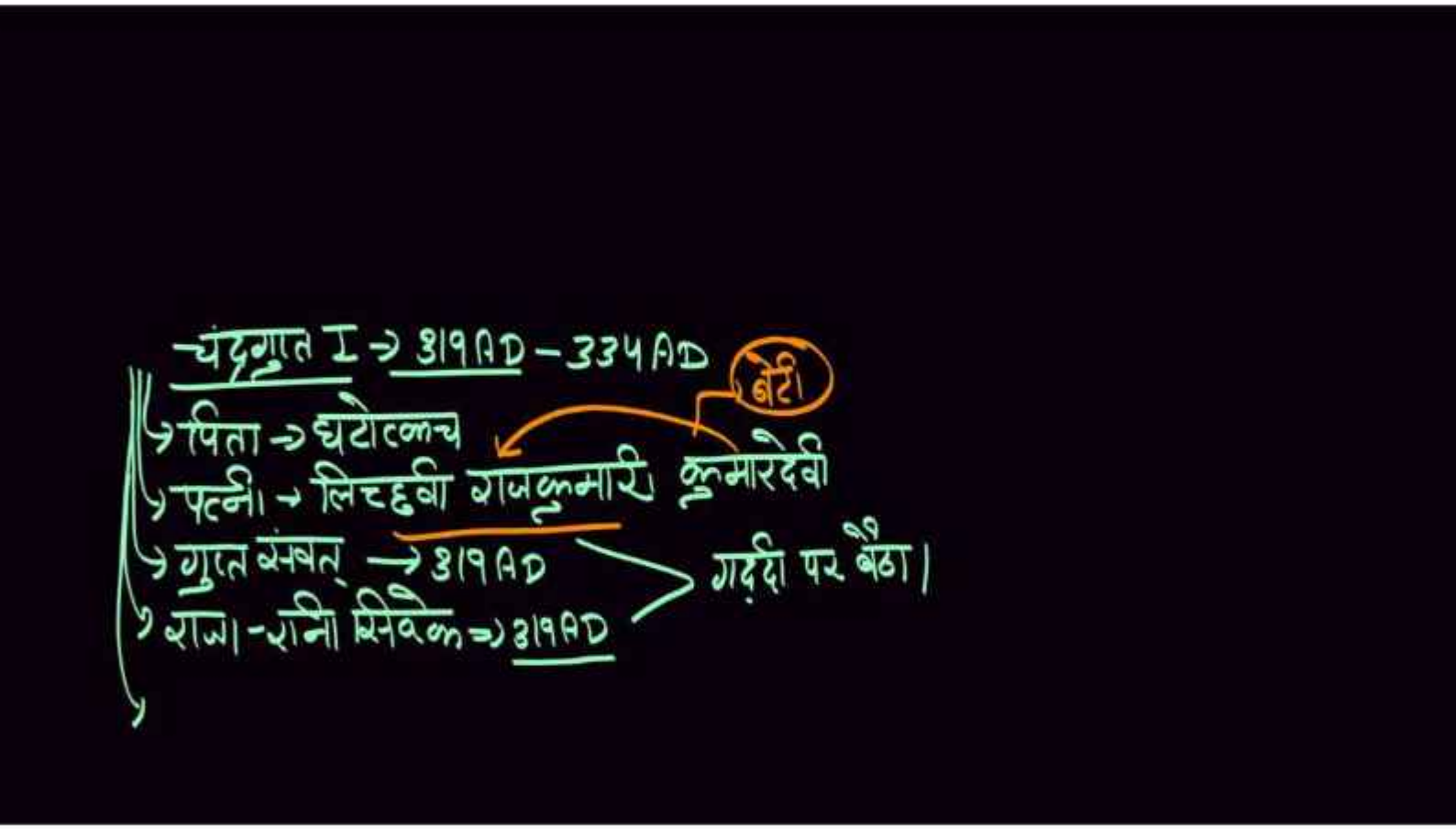

गुप्त साम्राज्य : [319AD-540AD]
भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग
(The Golden Era of Indian History)
★ संस्थापक : श्रीगुप्त Founder: Srigupta
→ उत्तराधिकारी
घटोत्कच Ghatotkach

★ चंद्रगुप्त प्रथम (319AD-334AD) Chandragupta I (319AD–334AD)

- गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है: चन्द्रगुप्त प्रथम को।
  The real founder of the Gupta dynasty is considered to be: Chandrgupta I.
- चंद्रगुप्त प्रथम जिस दिन गद्दी पर बैठा: 319 ई0 में गुप्त संवत् चलाया।
  The day Chandragupta I sat on the throne: In 319 AD, he started the Gupta Samvat.
- उसी दिन = राजा–रानी का सिक्का चलाया था।
  On the same day = King-Queen's coin was run.
  - पत्नी – (कुमार देवी)
    Wife - (Kumar Devi)

शक संवत् 78 AD

चन्द्रगुप्त I 319 AD
- गुप्त संवत्
- उसी दिन → राजा-रानी सिक्का चलाया था


चंद्रगुप्त I → 319 AD – 334 AD
बेटी
पिता → घटोत्कच
पत्नी → लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी
गुप्त संवत् → 319 AD
राजा-रानी सिक्के → 319 AD
गद्दी पर बैठा।

★ समुद्रगुप्त (335AD-380AD) Samudragupta (335AD–380AD)

- भारत का नेपोलियन (इसने 9+12 राजाओं को हराया)

Napoleon of India (It defeated 9+12 kings)

→ Book → विंसेट स्मिथ

विंसेट स्मिथ → Early History of India

- कविराज Kaviraj
- परम भागवत Param Bhagwat
- परम क्रमांक ultimate number
- लिच्छवी दौहित्र litchi dauhitar
- व्याघ्र पराक्रम tiger might
- समरशथ Samarshath
- काच Katch

वाद्ययंत्र वीणा ← कविराज

सिक्कों पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया।

१) आर्यावर्त (North)
२) दक्षिणावर्त (South)

हराया
१) समुद्रगुप्त

→ समुद्रगुप्त → विष्णु उपासक

श्रीगुप्त
↓
घटोत्कच
↓
चन्द्रगुप्त I
↓
समुद्रगुप्त

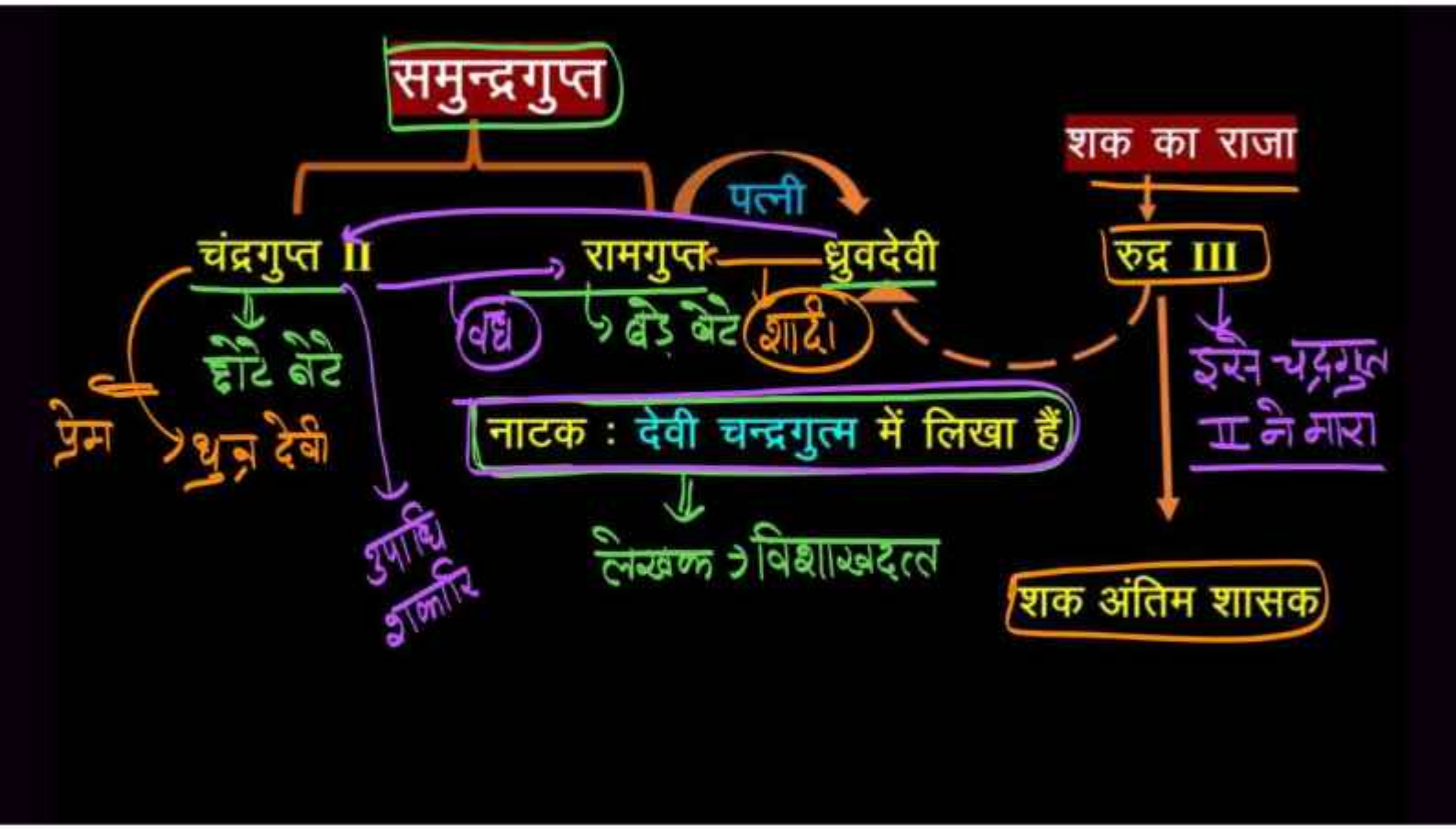
★ यह संगीत प्रेमी था, सिक्के पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
He was a music lover, the coin is shown playing Veena.

★ इनके दरबारी हरिषेण थे जिसने प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख लिखा है।
His courtier was Harishen, who wrote the Prayag Prashasti inscription.

★ इसके पास एक संगठित नौसेना थी। It had an organized navy.

★ एरण अभिलेख → सती प्रथा प्रचलित थी।
Eran ~~records~~ - Sati practice was prevalent.
"भानु गुप्त" ने जारी कराया Released by "Bhanu Gupta"

★ भाषा – संस्कृत Language – Sanskrit


समुन्द्रगुप्त
पत्नी
चंद्रगुप्त II
रामगुप्त
ध्रुवदेवी
वध
बड़े बेटे
शादी
छोटे बेटे
प्रेम
ध्रुव देवी
उपाधि शकारि
नाटक : देवी चन्द्रगुप्त में लिखा हैं
लेखक > विशाखदत्त
शक का राजा
रुद्र III
इसे चंद्रगुप्त II ने मारा
शक अंतिम शासक

कनिष्क बिम कडफिसिस का पुत्र → रुद्रदामन अभिलेख

शक संवत् → 78 AD

गुप्त साम्राज्य का संस्थापक → श्री गुप्त

गुप्त संवत् → 319 AD

मरण अभिलेख → सती प्रथा

प्रयाग प्रशस्ति " → वर्णन


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
गुप्त साम्राज्य
Part- 02
LIVE
30-05-2024 7PM

★ चंद्रगुप्त द्वितीय (380AD-414AD)

Chandragupta II (380AD 414AD)

- उपाधि : शकारि
  Title: Shikari

विक्रमांक **Vikramank**

परमभागवत **Param Bhagwat**

विक्रमादित्य

Vikramaditya (one of the 14 Vikramadityas)

विक्रमी सम्वत् – **57BC**

उज्जैन के शासक ने चलाया था।

78 AD ← शक संवत् → 319 AD गुप्त संवत्

विक्रम संवत् ↳ 57 BC

- इसके दरबार में 9 रत्न रहते थे: 9 gems lived in his court:

1. कालिदास Kalidas =
   - मेघदूतम् Meghdootam
   - रघुवंशम् raghuvansham
   - अभिज्ञान शांकुतलम् (पहला अनुवादित ग्रंथ)
     Abhigyan Shankutalam (first translated text)
     - दुष्यंत + शकुंतला = प्रेमकथा
       Dushyant + Shakuntala = love story
   - विक्रमोवर्शीय Vikramvarshi
   - मालविकाग्निमित्रम् malavikagnimitram
   - कुमार सम्भवम् Kumar Sambhavam

   (भारत का सेक्सपियर
   India's Shakespeare)
   प्रेम कहानियां

2. वराहमिहिर Varahamihira

ज्योतिष से सम्बंधित

- वृहतसंहिता Great Samhita
- पंचसिद्धांतिका panchsiddhantika
- बृज्जातक brajjatak

3. शंकु = वास्तुकार Shanku = Architect

4. क्षपणक = ज्योतिष Kshapanaka = Astrology

5. अमर सिंह = अमरकोष Amarkosh

6. घटकर्पर = मुख्य सलाहकार Ghatkarpar = Chief Advisor

7. धन्वन्तरि = चिकित्सक Dhanvantari = doctor

8. वररुचि Varruchi / भरुचि

9. बेताल भट्ट = जादूगर (सिंहासन बन्तीसी) – पुस्तक
Betala Bhatta = Magician (Singhasan Bantisi) - Book

अकबर दरबार नवरत्न

- आर्यभट्ट :– सूर्यसिद्धांत (आर्यभट्टीयम) – पुस्तक
  Aryabhata :- Suryasiddhanta (Aryabhattiyam) - Book
  - $O, R, \sqrt{\square}, \sqrt[3]{\square}$ पृथ्वी की त्रिज्या
  - $O, R, \sqrt{\square}, \sqrt[3]{\square}$ Radius of the Earth
- वात्स्यायन = कामसूत्र Vatsyayana = Kamasutra
- फाहियान : 399 ई–414 ई0 तक भारत में रहा।
  Fahian: Lived in India till 399 AD - 414 AD.
  - पुस्तक – फा. क्यो– की Book – Pha Kyo-ki
- चीनी लेखक भारतीयों को यिन्तू कहते थे।
  Chinese writers used to call Indians Yintu.

- चन्द्रगुप्त की दो राजधानियाँ भी :–
  Chandragupta also had two capitals :- 1. पाटलिपुत्र Pataliputra
  2. उज्जैन Ujjain

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री का विवाह : वाकाटक नरेश; रुद्र द्वितीय से की। और इनकी मदद लेकर शासक : रुद्र III को हराया। (शक शासक– रुद्र III का हराया)
Chandragupta II married his daughter to Vakataka king Rudra II. And by taking their help defeated the ruler: Rudra III. (Saka ruler- defeated by Rudra III)

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने कदम्ब साम्राज्य के शासक : काकुत्स वर्मा की बेटी से अपने पुत्र का विवाह करवाया।

चन्द्रगुप्त II

- दो राजधानी
  - पाटलिपुत्र
  - उज्जैन
- वैवाहिक सम्बंध
  - पुत्री → प्रभावती → वाकाटक नरेश → रुद्र II → की सहायता से शक शासक रुद्र III को हराया।
  - पुत्र → कदम्ब साम्राज्य के शासक काकुत्स्थ वर्मा की बेटी से।

Chandragupta II got his son married to the daughter of Kakutsa Varma, the ruler of the Kadamba kingdom.

★ इसने मथुरा क्षेत्र को कुषाणों से जीता : (मथुरा अभिलेख)

He conquered the Mathura region from the Kushans: (Mathura inscription)

★ महरौली लौह स्तम्भ अभिलेख : चंद्रगुप्त द्वितीय ने लिखवाया।

Mehrauli Iron Pillar Inscription: Chandragupta II got it written.

चन्द्र Chandra → चन्द्रगुप्त II का नाम इस स्तंभ अभिलेख पर चन्द्र लिखा गया है

★ सांची के स्तम्भ लेख से ग्रामदान के बारे में पता चलता है।

From the pillar inscription of Sanchi, it is known about Gramdan.

→ मथुरा अभिलेख → मथुरा क्षेत्र को जीता - कुषाणों से

→ मैहरोली लौह स्तंभ लेख
↳ चन्द्र

→ सांची स्तंभ → ग्रामदान ✓

★ चंद्रगुप्त द्वितीय के समय की जानकारी का सबसे अच्छा स्त्रोत : "देवीचन्द्रगुप्तम् है।

The best source of information about the time of Chandragupta II is: "Devichandraguptam.

लेखक "विशाखादत्त" Writer Vishakhadatta

कुमारगुप्त प्रथम (415 A.D-454 A.D)

- माता → ध्रुवदेवी
- पिता → चन्द्रगुप्त II
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना।
- उपाधि (Title) → महेन्द्रादित्य

श्रीगुप्त → घटोत्कच → चन्द्रगुप्त I → समुद्रगुप्त → चन्द्रगुप्त II → कुमारगुप्त I → स्कन्दगुप्त → अंतिम शासक विष्णु गुप्त

स्कंदगुप्त

(454-467 AD) → स्कंदगुप्त ने हूणों को हराया इसीलिए हूण विजेता कहते हैं।

⇒ इसके समय हूणों का आक्रमण

↳ हूणों का नेतृत्वकर्ता (Leader) → तोरमाण

↳ सुदर्शन झील का पुनः जीर्णोद्धार कराया (जानकारी (Enjoyment) ⇒ जूनागढ़ अभिलेख

(Again renovate) ↓ Inscription

⇒ गुप्त वंश के कुल (total) 24 शासक हुए।

⇒ गुप्त कुषाणों के सामंत (मंत्री/Minister) थे।

⇒ अंतिम गुप्त शासक → विष्णुगुप्त / कुमारगुप्त III

(1) सोने का सिक्का ⇒ दिनार
↳ चलवाया - चन्द्रगुप्त I

(2) चांदी का सिक्का ⇒ रूपक
↳ चन्द्रगुप्त II

ताँबे का सिक्का ⇒ कौड़ी

प्रशासनिक व्यवस्था
Administrative System

(1) दण्डपाशिक → पुलिस प्रमुख (Chief)

(2) महासंधिक
विग्रह ⇒ विदेश नीति
(Foreign Policy)

अर्थव्यवस्था (Economy)

(1) भू-राजस्व (Land Revenue) ⇒ उपज का 1/6

(2) बिना जुती हुयी भूमि ⇒ अप्रहत

(3) महादंड नायक ⇒ न्याय विभाग का प्रमुख (Chief of justice Department)
(4) अग्रहारिक ⇒ दान विभाग (Charity Department)

कर (Tax)

भट्टकर → पुलिस कर (Police Tax)
चाटकर → लुटेरों पर कर।

मंदिर → (Temples)

(1) तिगवा विष्णु मंदिर ⇒ मध्य प्रदेश
(2) दूसरा शिव मंदिर ⇒ " "
(3) दशावतार मंदिर ⇒ झांसी (U.P.)
(4) उदयन विष्णु मंदिर ⇒ Madhya Pradesh

(5) भीतर गाँव लक्ष्मण मंदिर
लखनपुर > U.P.
ईंटे का बना हुआ है।


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
पुष्यभूति वंश
LIVE 31-05-2024 7:00 PM

अजंता की गुफाएं (Caves of Ajanta)

- संख्या => 29
- UNESCO => 1983 में
  की विश्व
  विरासत सूची में शामिल
  (World Heritage Site)
- अजंता की गुफाएं => महाराष्ट्र जिले के औरंगाबाद में / शम्भाजी नगर में

पुष्यभूति / वर्धन वंश

वंश-संस्थापक (founder) ⇒ पुष्यभूति (पहला शासक)

राजधानी (Capital) ⇒ थानेश्वर (हरियाणा) से कन्नौज (U.P.)

→ मौखरि शासक ईशानवर्मन के सामंत (मंत्री/Minister)

प्रभाकरवर्धन (दूसरे शासक)
- राज्यवर्धन → बड़ा बेटा
- हर्षवर्धन → छोटा बेटा
- राज्यश्री → पुत्री

⇒ प्रभाकरवर्धन की पुत्री राज्यश्री का विवाह अवंतिवर्मन के पुत्र ग्रहवर्मन से होता है।

⇒ प्रभाकर वर्धन के समय हूणों ने आक्रमण (Attack) किया जिसका दमन करने के लिए राज्यवर्धन को भेजा गया।

⇒ ग्रहवर्मन की हत्या शशांक और देवगुप्त ने मिलकर की और राज्यश्री का अपहरण (Kidnapping) कर लिया।

शशांक ⇒ बंगाल क्षेत्र में शासक
देवगुप्त ⇒ मालवा (मध्य प्रदेश) क्षेत्र में शासक

⇒ कन्नौज दूत से हर्षवर्धन को अपने पिता प्रभाकरवर्धन व माता यशोमति (सती हो गयी) की मृत्यु की खबर (News) सुनकर अपने राज्य लौटे हैं।

⇒ राज्यवर्धन ने देवगुप्त की हत्या कर दी।

↓

की हत्या शशांक ने कर दी।

हर्षवर्धन (606-647 ई०/AD)

जन्म ⇒ 590 AD ⇒ 16 वर्ष की आयु में गद्दी पर बैठे।

= 606 AD

पत्नी (wife) ⇒ दुर्गावती

⇒ गौड़ नरेश शशांक को पराजित कर दिया और कन्नौज पर अधिकार कर लिया।

⇒ दिवाकर मित्र (बौद्ध भिक्षु) की मदद से हर्षवर्धन ने अपनी बहन राज्यश्री को खोजा।

⇒ हर्षवर्धन को साहित्य का सम्राट (Emperor of literature) कहा जाता है।
राज० ⇒ कन्नौज (कान्यकुब्ज)

⇒ हर्षवर्धन को चालुक्य वंश के शासक पुलकेशीन II ने हराया था।
(नर्मदा नदी के तट पर)
618 ई० / AD

⇒ हर्षवर्धन के नाटक → रत्नावली
→ नागानंद
→ प्रियदर्शिका
भाषा - संस्कृत

हर्ष के दरबारी कवि → ① बाणभट्ट → रचना → कादम्बरी, हर्षचरित

② मयूरभट्ट → रचना → सूर्यशतक, मयूरशतक

③ मातंग दिवाकर

④ भर्तृहरि

Note:→ ओढ़ल ने हर्षवर्धन को साहित्यिक (Literature) हर्ष कहा है।

ह्वेनसांग → इसे त्सांग भी कहा जाता है।

ह्वेनसांग → चीन से आया चीनी यात्री

↳ यात्रियों का राजकुमार (Prince of Pilgrims)

↳ 630-645 AD ई० → 15 वर्षों तक भारत में रहा।

⇒ 18 महीने (Months) नालंदा विश्वविद्यालय (Nalanda University) में बौद्ध धर्म की महायान शाखा का अध्ययन किया।

5 Students (छात्र) : 1 Teacher (शिक्षक) 5:1

कुलपति (Vice-Chancellor) ⇒ शीलभद्र

यात्रा विवरण ⇒ Book (पुस्तक) ⇒ सी-यू-की में लिखा।

पुष्यभूति वंश / वर्धन वंश

हर्षवर्धन ⇒

चीनी यात्री ⇒ ह्वेनसांग

यात्रा विवरण → Book ⇒ सी-यू-की

ह्वेनसांग की Book में

- व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र कन्नौज
- दक्षिण में व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र → कांची
- हर्ष की सेना चतुरंगिणी
- हर्ष का नाम - शिलादित्य

⇒ हेनसांग की जीवनी > बिल्हेरी ने ।

⇒ हर्ष की सेना में अरब सेना का सेनापति – कुंतल

⇒ हर्षवर्धन के कार्य (Function of Harsh)

(1) महामोक्ष परिषद् का आयोजन
(1) प्रयाग (2) कन्नौज

(2) कुम्भ मेलों की शुरुआत

(1) अर्द्धकुम्भ => 6 वर्ष

(2) कुम्भ => 12 वर्ष

(1) प्रयागराज -> संगम
(2) हरिद्वार -> गंगा
(3) नासिक -> गोदावरी
(4) उज्जैन -> क्षिप्रा

हर्ष के पुत्र (Son)

(1) वाग्यवर्द्धन
(2) भाव्यवर्द्धन

दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

पल्लव वंश (Dynasty) / कांची के पल्लव

(1) → संस्थापक (Founder) ⇒ सिंह विष्णु (575 AD - 600 AD)
- ↳ राजधानी (Capital) ⇒ कांची
- ↳ उपाधि (Title) ⇒ अवनि सिंह (Avni singh)
- ↳ वैष्णव धर्म का अनुयायी (Follower of Vaishnav Religion)
- ↳ पल्लव वंश का प्रतीक चिन्ह ⇒ सिंह (शेर/Lion)
  (Symbol of Pallava's Dynasty)

⇒ सिंहविष्णु ने मामल्लपुरम में आदि वराह मंदिर का निर्माण करवाया।

⇒ किरातार्जुनीयम (Book) के लेखक (writer) भारवि सिंह विष्णु के दरबार में रहते थे।

⇒ पल्लवों ने संस्कृत भाषा (Sanskrit Language) को राजकीय संरक्षण दिया।

(2) महेन्द्र वर्मन प्रथम (600-630 AD)

→ "मतविलास प्रहसन" नामक हास्य की रचना महेन्द्र वर्मन I ने की थी।

→ संगीत गुरु ⇒ रुद्राचार्य

⇒ महेन्द्र वर्मन प्रथम को चालुक्य वंश के राजा पुलकेशीन II ने परास्त/हरा दिया।

⇒ उपाधि (Titles) → मतविलास
→ विचित्रचित्त
⇒ गुणभर, चैत्यकारी
⇒ अवनिभाजन

(3) नरसिंहवर्मन प्रथम (630 AD - 668 AD)

↳ अपने वंश का सबसे शक्तिशाली राजा (Most Powerfull King)
↳ 642 ई० AD में वातापी / बादामी पर अधिकार करके पुलकेशीन IInd

को युद्ध में पराजित करके मार डाला तथा वातापीकोण्ड की उपाधि धारण की।

⇒ चीनी यात्री हेनसांग इसी के शासनकाल में काची आया।
⇒ हेनसांग ने पल्लव प्रदेशों को रत्नों का आगार कहा।

⇒ नरसिंह वर्मन प्रथम

- महाबलिपुरम् में रणजय रथ मंदिर का निर्माण करवाया। रथ मंदिरों की संख्या = 7
- इन्होंने महामल्ल की उपाधि धारण की।

⇒ सबसे छोटा रथ मंदिर द्रौपदी रथ मंदिर है।

(4) महेन्द्रवर्मन II (668-670 AD)

→ पल्लव - चालुक्य संघर्ष (युद्ध)
में महेन्द्रवर्मन II को पुलकेशीन IInd के पुत्र
विक्रमादित्य प्रथम ने युद्ध में मार डाला।

(5) परमेश्वर वर्मन (670 AD - 695 AD) ✓

1. गणेश मंदिर का निर्माण (मामल्लपुर)
2. उपाधि → विद्याविनित → विद्या प्रेमी था।
   ⇒ पल्लव महेश्वर

(6) नरसिंह वर्मन II (695-720 AD)

⇒ इनका काल शान्ति व व्यवस्था का काल था।

⇒ दशकुमारचरित
अवन्ति सुन्दरी कथा तथा काव्यदर्श के
रचियता 'दण्डिन' इन्हीं की राज्यसभा में रहते थे।

उपाधि ⇒ राजासिंह (राजाओं में सिंह)
⇒ आगमप्रिय (शास्त्रों का प्रेमी)
⇒ शंकरभक्त (शिव का उपासक)

• कांची के कैलाश मंदिर निर्माण करवाया जिसे राजसिंहेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है

⇒ इसी मंदिर के निर्माण से "द्रविड़ शैली" (द्रविड़ स्थापत्य कला) की शुरुआत हुई।

⇒ महाबलिपुरम में "शोर मंदिर" का निर्माण इन्हीं ने करवाया।

⇒ नरसिंह वर्मन ने चीन मंडल-चीन भेजा था।

⇒ परमेश्वरवर्मन II (720-730) AD

⇒ नंदिवर्मन II (730 AD-795 AD) ┌ विष्णु भगवान को समर्पित
↳ कांची के मुक्तेश्वर तथा वैकुण्ठ-परमाल मंदिर का निर्माण करवाया।

अंतिम शासन → दन्तिवर्मा था।


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
LIVE 04-06-2024 7:00 PM

चालुक्य वंश

1. वातापी (बादामी) के चालुक्य मुख्यशाखा

Chalukyas of Vatapi (Badami) → main branch

कर्नाटक ← पश्चिमी शाखा west branch

2. वेंगी के चालुक्य → पूर्वी चालुक्य Chalukyas of Vengi → Eastern Chalukyas

3. कल्याणी के चालुक्य → पश्चिमी शाखा Chalukyas of Kalyani → Western Branch

आंध्र प्रदेश

केरल

① पुलकेशिन I (543-566 AD)

② कीर्तिवर्मन I (566 AD - 597 AD)

③ मंगलेश (597 AD - 609 AD)

④ पुलकेशिन II (610 AD - 642 AD)

⑤ विक्रमादित्य (655 AD - 680 AD)

⑥ विनयादित्य (680 - 696 AD)

⑦ विजयादित्य (696 - 733 AD)

⑧ विक्रमादित्य (733 - 746 AD)

↓

अंतिम शासक

↓

कीर्तिवर्मन II (746 - 757 AD)

दंतिदुर्ग (इनके सामंत/मंत्री) ने इसे परास्त

ऊपर दिया तथा रुक्म नैय वंश
राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की।

1. बादामी (वातापी) के चालुक्य बीजापुर (कर्नाटक) Bijapur (Karnataka)

के बारे में जानकारी - महाकूट अभिलेख से मिलती है

Information about - comes from Mahakoot record

★ मुख्य शाखा main branch

★ शासन काल - [543 - 757 ई०] Reign [543– 757AD]

★ संस्थापक पुलकेशिन प्रथम (543 – 566 AD)

Founder - Pulakeshin I (543 -566 AD) २. वतंत्रता → पुलकेशीन I

★ पुलकेशिन I के पूर्वज जयसिंह राणा राग कदम्ब शासकों के अधीन थे

Pulakeshin I's ancestor Jaisingh Rana was subordinate to the Raga Kadamba rulers.

★ पुलकेशिन I ने स्वयं को स्वतंत्र कर चालुक्य वंश की स्थापना की

Pulakesin I made himself independent and founded the Chalukya dynasty

- पुलकेशिन I की उपाधियाँ Titles of Pulakeshin I
  - श्री पृथ्वी वल्लभ Mr. Prithvi Vallabh
  - रण विक्रम Ran Vikram

कदम्ब शासक - कर्ना० → कर्नाटक

राज० - वनवासी/ बैजयंती

संस्थापक- मयूर [redacted] शर्मन

पुत्र →
1. कीर्तीवर्मन I Kirtivarman I (566-597 AD)
2. मंगलेश Manglesh (597-610 AD)

18 अश्वमेघ यज्ञ कराए → सबसे ज्यादा अश्वमेघ यज्ञ करवाने।

★ कीर्तीवर्मन I ने अपने क्षेत्र के विस्तार करते हुए मोर्यो को हराया

Kirtivarman I defeated the Moryos expanding his territory.

कदम्ब वंश

↳ संस्थापक → मयूर शर्मन

कीर्तिवर्मन I

वनवासी का कदम्ब वंश। कीर्तिवर्मन I ने अपने राज्य मिला लिया।

इस समय कदम्ब वंश। का शासक अजय वर्मा था। → इसको कीर्तिवर्मन I ने हरा दिया।

- कीर्तिवर्मन प्रथम के द्वारा कोंकण विजय के फलस्वरूप गोवा का प्रमुख बंदरगाह चालुक्य साम्राज्य के अधीन आ गया। (गोवा उन दिनों रेवती द्वीप के नाम से प्रसिद्ध था)

⇒ कीर्तिवर्मन I को बादामी का निर्माणकर्ता कहा जाता है।

मंगलेश (597-609 AD)

- कलचुरि नरेश बुद्धराज को पराजित किया।
- वैष्णव धर्म का अनुयायी (follower)
- 'परमभागवत' की उपाधि धारण की
- बादामी के गुहा मंदिर (विष्णु भगवान को समर्पित) का निर्माण कार्य पूरा करवाया जो कीर्तिवर्मन प्रथम द्वारा निर्मित था।

★ उपाधि - सत्याश्रय, रण पराक्रम

Title - Satyashraya, Battle Might

1 अश्वमेघ यज्ञ, वाजपेयी यज्ञ

1 Ashwamedha Yagya, Vajpayee Yagya

कीर्तिवर्मन I → मंगलेश

★ पुलकेशिन II (610 – 642 AD)

Pulakeshin II (610 – 642 AD

• (चाचा) मंगलेश को हत्याकर स्वयं गद्दी पर बैठा

(Uncle) Manglesh himself sat on the throne after killing

पुलकेशिन I का पौत्र

★ उपाधि परम भट्टारक, महाराजाधिराज

Title - Param Bhattarak, Maharajadhiraj

कीर्तिवर्मन I का पुत्र

★ राजकवि - रविकिर्ती ने Rajkavi Ravi Kirti

→ राजधानी बादामी

Capital → Badami

राजभाषा → कन्नड़ संस्कृत

Official Language Kannada

Sanskrit


दादाजी
पुलकेशीन I → 8 पुत्र
① कीर्तिवर्मन I → ✓ → पिता
② मंगलेश → चाचा
की हत्या → पुलकेशीन II

एहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया (634 ई०)

Alihole (Ehod) record issued → (634. AD)

रविकीर्ति

- (संस्कृत भाषा) (Sanskrit language)
- पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's conquests
- हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है Information is received about the defeat of Harshavardhana.

पुलकेशिन II ने हर्षवर्धन को हराया

- पुलकेशिन II) ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two capitals
  1. वातापी Vatapi
  2. वेंगी Vengi
     - अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brotherVishnuvardhan




RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
LIVE
08-06-2024 7:00 PM

एहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया (634 ई०)

Alihole (Ehod) record issued → (634. AD)

- (संस्कृत भाषा) (Sanskrit language)
- पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's conquests
- हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है Information is received about the defeat of Harshavardhana.

एहोल को मंदिरों का शहर कहा जाता है।

➤ पुलकेशिन II) ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two capitals

1. वातापी Vatapi
2. वेंगी Vengi
   - अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brotherVishnuvardhan

सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रसिद्ध शासक था।

- कांची पर आक्रमण - (उस समय कांची के शासक) Attack on Kanchi – (Ruler of Kanchi at that time)

(असफल)
(failed)

महेंद्रवर्मन (पल्लव वंश)
Mahendravarman (Pallava dynasty)

- महेन्द्र वर्मन के उत्तराधिकारी → नरसिंह देव वर्मन ने पुलकेशिन II को बहुत बुरी तरह हराया

Successor of Mahendra Varman → Narasimha Deva Varman defeated Pulakesin II very badly

विक्रमादित्य ✓

विनयादित्य Vinayaditya ✓

पुलकेशिन II

↓

विक्रमादित्य

↓

विनयादित्य

↓

विजयादित्य

↓

विक्रमादित्य II

↓

कीर्तिवर्मन II → अंतिम शासक

★ विजयादित्य → इसने कांची को अधीन कर लिया : परमेश्ववर्मन II को हराया था

Vijayaditya subjugated its Kanchi: Parameshvavarman II was defeated

विक्रमादित्य II

★ कीर्तिवर्मन II → को हराकर दंतीदुर्ग ने राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की

Dantidurga founded the Rashtrakuta dynasty by defeating Kirtivarman II.

अंतिम शासक

gmk

- चालुक्य वंश (वेंगी) ⇒ पूर्वी शाखा (Eastern Branch)
  - संस्थापक (founder) ⇒ विष्णुवर्धन
  - राजधानी (capital) ⇒ वेंगी (आंध्रप्रदेश)
  - इस वंश का सबसे प्रतापी राजा विजयादित्य III था।
  - विजयादित्य तृतीय (III)
    - इसका सेनापति (chief commander) "पंडरंग" था।

कल्याणी के चालुक्य → केरल

→ संस्थापक (founder) → तैलप II (973-997 AD/ई०)
→ राजधानी (capital) → मान्यखेट

तैलप II ⇒ उपाधि (Title) → अहवमाल

⇒ सत्याश्रम (997 AD - 1008 AD)

↳ महमूद गजनवी भारत वर्ष के शासनकाल में आया।

सोमेश्वर प्रथम (I) ⇒ राजधानी (capital) मान्यखेट से कल्याणी (Kalyani) बनाई।

विक्रमादित्य II

विक्रमादित्य II

(1) विरूपाक्ष मंदिर का निर्माण कराया। (Formation of Virupaksh Temple)

↳ कर्नाटक (भगवान शिव को समर्पित)
(Karnataka) (dedicated to God Shiva)

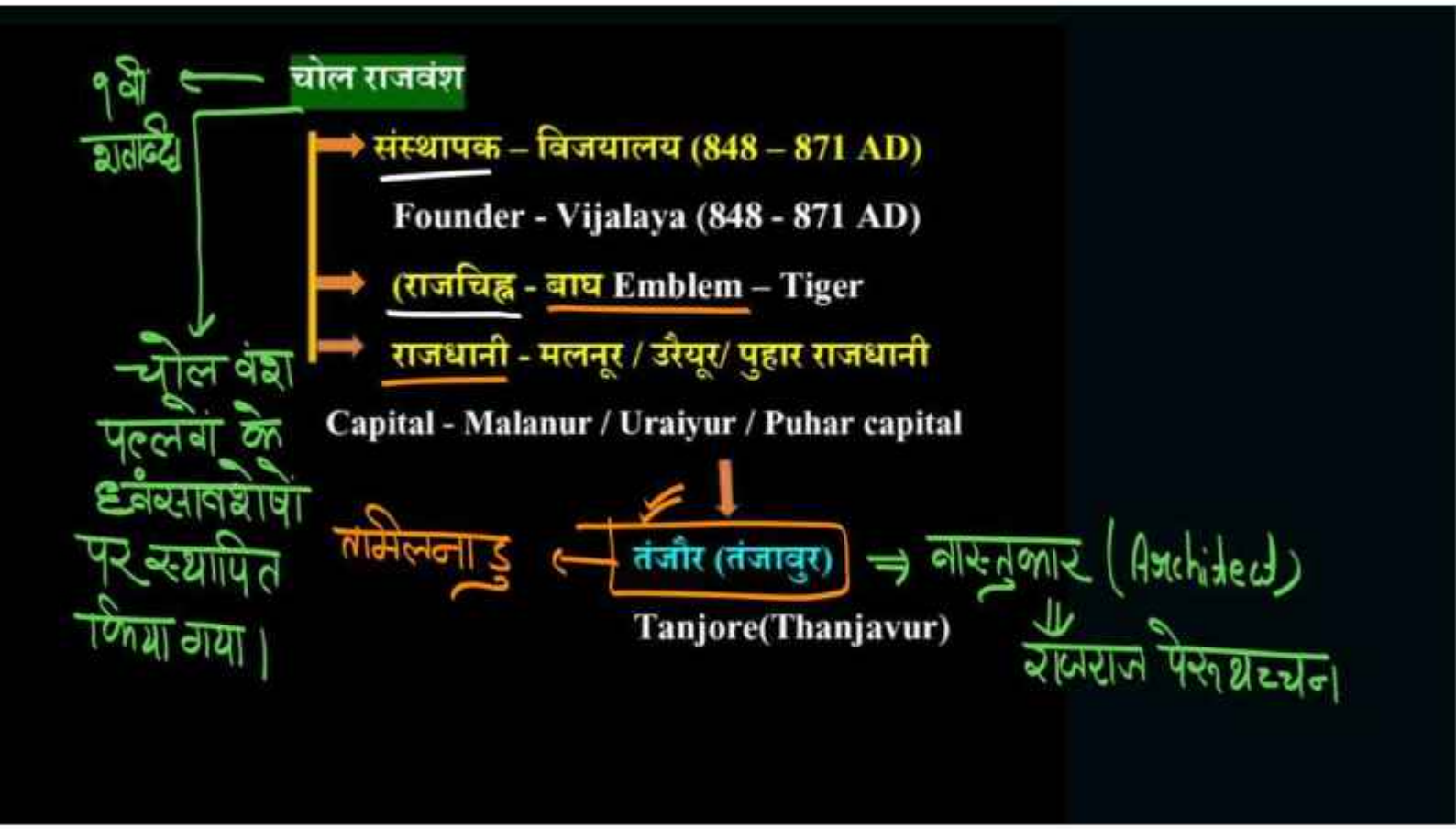
⇒ विक्रमादित्य VI

↳ इस वंश का सबसे प्रतापी शासक।

↳ बिल्हण एवं विज्ञानेश्वर इसी के दरबार में रहते थे।

"विक्रमांकदेवचरित" ⇒ बिल्हण की रचना

विज्ञानेश्वर
↓
रचना ⇒ मिताक्षरा


9वीं शताब्दी
चोल राजवंश
संस्थापक – विजयालय (848 – 871 AD)
Founder - Vijalaya (848 - 871 AD)
(राजचिह्न - बाघ Emblem – Tiger
राजधानी - मलनूर / उरैयूर/ पुहार राजधानी
Capital - Malanur / Uraiyur / Puhar capital
चोल वंश पल्लवों के ध्वंसावशेषों पर स्थापित किया गया।
तमिलनाडु
तंजौर (तंजावुर)
Tanjore(Thanjavur)
वास्तुकार (Architect)
राजराज पेरुथच्चन।

चोल राजवंश

- संस्थापक (Founder) → विजयालय
- राजधानी (Capital) → तंजौर / तंजावूर
- राजचिन्ह (Emblem) → बाघ (Tiger)

विजयालय

- उपाधि - नरकेसरी Title – Narkesari -
  - 'चोलेश्वर मंदिर का निर्माण कराया Choleshwar temple built
  - पल्लवों का सामंत था Was a feudatory of the Pallavas

(मंत्री) (Minister)

कराईकल

- सबसे प्रतापी राजा most majestic king
  - उत्तर भारत पर आक्रमण करके मगध & अवंती को जीता

Invaded North India and won Magadha & Avanti

★ वेणी का युद्ध → उ० भारत के राजाओं के संघ को हराया

Battle of Veni → Defeated the confederacy of kings of North India

★ पुहार बंदरगाह का निर्माण किया Puhar port built

★ आदित्य प्रथम (कोदण्डराम) - पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया

Aditya I (Kodandarama) - defeated Pallava ruler Aparajita Varman

★ परान्तक प्रथम - पांड्य शासको को हराया था Pandya rulers were defeated

→ तंजौर का चिदम्बरम मंदिर बनवाया Chidambaram temple of Tanjore built

राष्ट्रकूट शासको "कृष्ण I ने गंगो के साथ मिलकर परांतक I को हरा दिया और उत्तरी क्षेत्र छीना

Rashtrakuta rulers "Krishna I along with Ganga defeated Parantaka I and captured the northern territory.

पल्लव वंश।

↳ हराया

↓

स्वतंत्रता (चोल शासक)

↓

आदित्य I → चोल शासक

← इनसे

पल्लव शासक

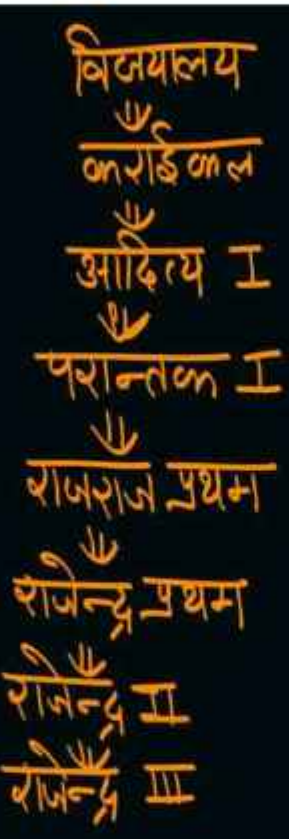
"अपराजित वर्मन" को हराया।

→ आदित्य I द्वारा

पल्लवों को हराने के

पश्चात "कोदण्डराम" की उपाधि

धारण की गयी।


विजयालय
कन्नरदेव
आदित्य I
परान्तक I
राजराज प्रथम
राजेन्द्र प्रथम
राजेन्द्र II
राजेन्द्र III


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
LIVE 03-06-2024 7:00 PM

चोल राजवंश

- संस्थापक – विजयालय (848 – 871 AD)

  Founder - Vijalaya (848 - 871 AD)

- (राजचिह्न - बाघ Emblem – Tiger
- राजधानी - मलनूर / उरैयूर/ पुहार राजधानी

Capital - Malanur / Uraiyur / Puhar capital

↓

तंजौर (तंजावुर)

Tanjore(Thanjavur)

विजयालय

- उपाधि - नरकेसरी Title – Narkesari -
  - 'चोलेश्वर मंदिर का निर्माण कराया Choleshwar temple built
  - पल्लवों का सामंत था Was a feudatory of the Pallavas

कराईकल

- सबसे प्रतापी राजा most majestic king
  - उत्तर भारत पर आक्रमण करके मगध & अवंती को जीता

    Invaded North India and won Magadha & Avanti

★ वेणी का युद्ध → उ० भारत के राजाओं के संघ को हराया

Battle of Veni → Defeated the confederacy of kings of North India

★ पुहार बंदरगाह का निर्माण किया Puhar port built

★ आदित्य प्रथम (कोदण्डराम) - पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया

Aditya I (Kodandarama) - defeated Pallava ruler Aparajita Varman

★ परान्तक प्रथम - पांड्य शासको को हराया था Pandya rulers were defeated

→ तंजौर का चिदम्बरम मंदिर बनवाया Chidambaram temple of Tanjore built

राष्ट्रकूट शासको "कृष्ण I ने गंगो के साथ मिलकर परांतक I को हरा दिया और उत्तरी क्षेत्र छीना

Rashtrakuta rulers "Krishna I along with Ganga defeated Parantaka I and captured the northern territory.

राजराज प्रथम

प्रतापी शासक majestic ruler

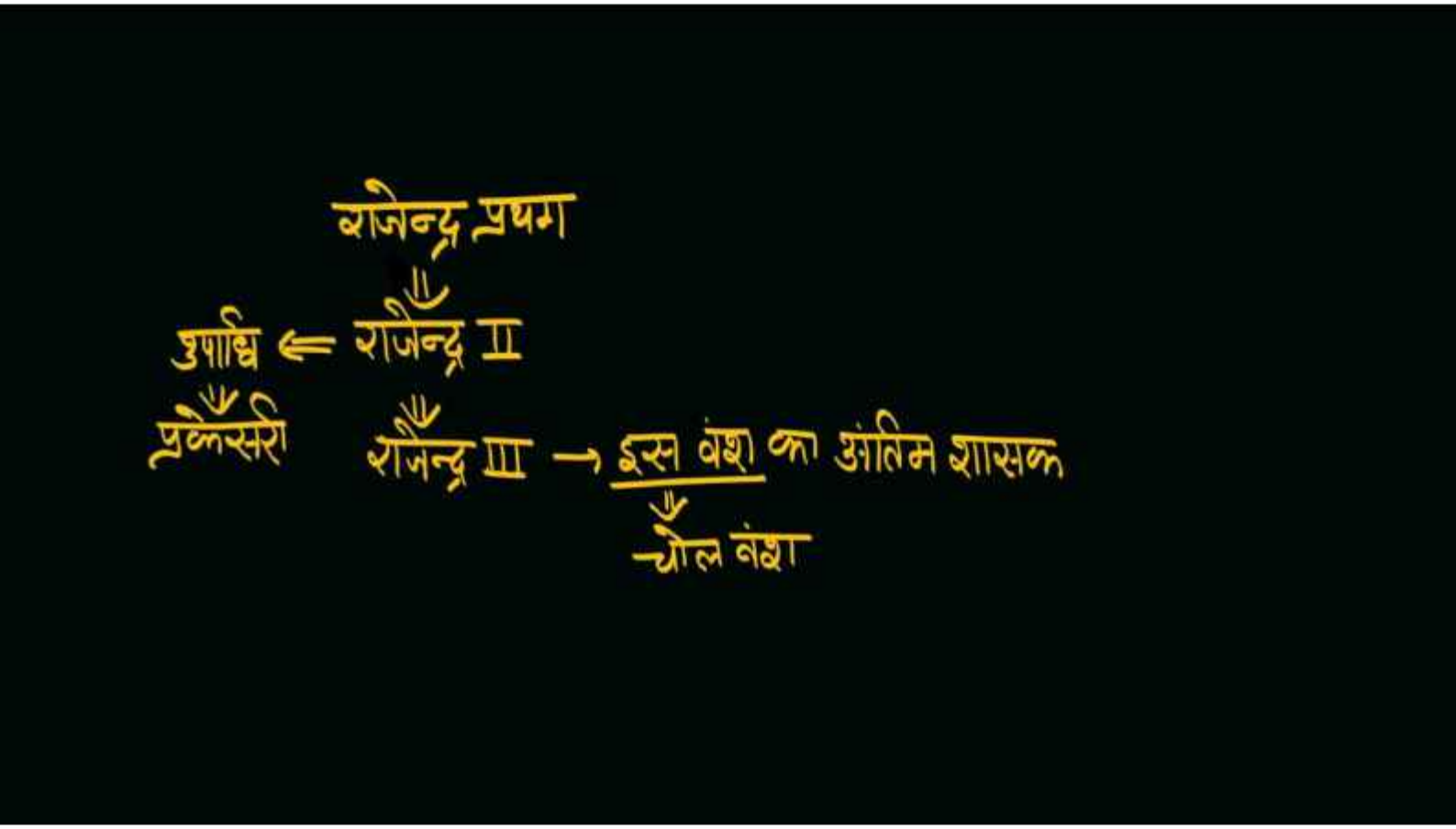
- 'वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण Construction of Brihadeeswarar Temple
- नटराज की मूर्ति बनवायी Made idol of Nataraja
- उपाधि - शिवप्रसाद शेखर Title - Shivprasad Shekhar
- दक्षिण भारत में भूमि मापने का पहला प्रयास किया

राजराज प्रथम The first attempt to measure land in South India

राजराज प्रथम

- सबसे प्रतापी शासक
- बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण
- नटराज की मूर्ति बनवायी
- दक्षिण भारत में भूमि मापने का पहला प्रयास
- उपाधि - शिवपादशेखर


राजेंद्र प्रथम
दक्षिण भारत का सिकन्दर (नीलकंठ शास्त्री ने कहा)
The Alexander of South India (said by Neelkanth Shastri)
दक्षिण भारत का नेपोलि न (V. सिम्थ ने कहा)
The Napoleon of India (said by V.Smith)
पाल वंश के शासक महिपाल को हराया
Defeated Mahiyal, the ruler of Pala dynasty
पालवंश
संस्थापक
गोपाल
राजेन्द्र प्रथम ने श्री लंका पर विजय प्राप्त की।
सर्वाधिक साम्राज्य का विस्तार इसी के शासनकाल में हुआ।
गंगैकोडचोल की उपाधि धारण की पाल शासक महिपाल को हराने के पश्चात्।


राजेन्द्र प्रथम
उपाम्बि ⇐ राजेन्द्र II
प्रेक्लेसरी
राजेन्द्र III → इस वंश का अंतिम शासक
चोल वंश

राजचिह्न ← चेर वंश – केरल व तमिलनाडु का हिस्सा part of Kerala and Tamil Nadu

↳ का पुराना नाम - चेर

धनुष Bow

Emblem

संस्थापक - उदयिनजेरल Founder - Udayinjeral

राजधानी : वंजीपुर (वांजि) / करियर / तोंडी

Capital: Vanjipur (Vanji)/Kariyur / Taundi

★ उदयिन जेरल → उपनाम: प्रियदस्सी Udayin Jeral Nickname: Priyadassi

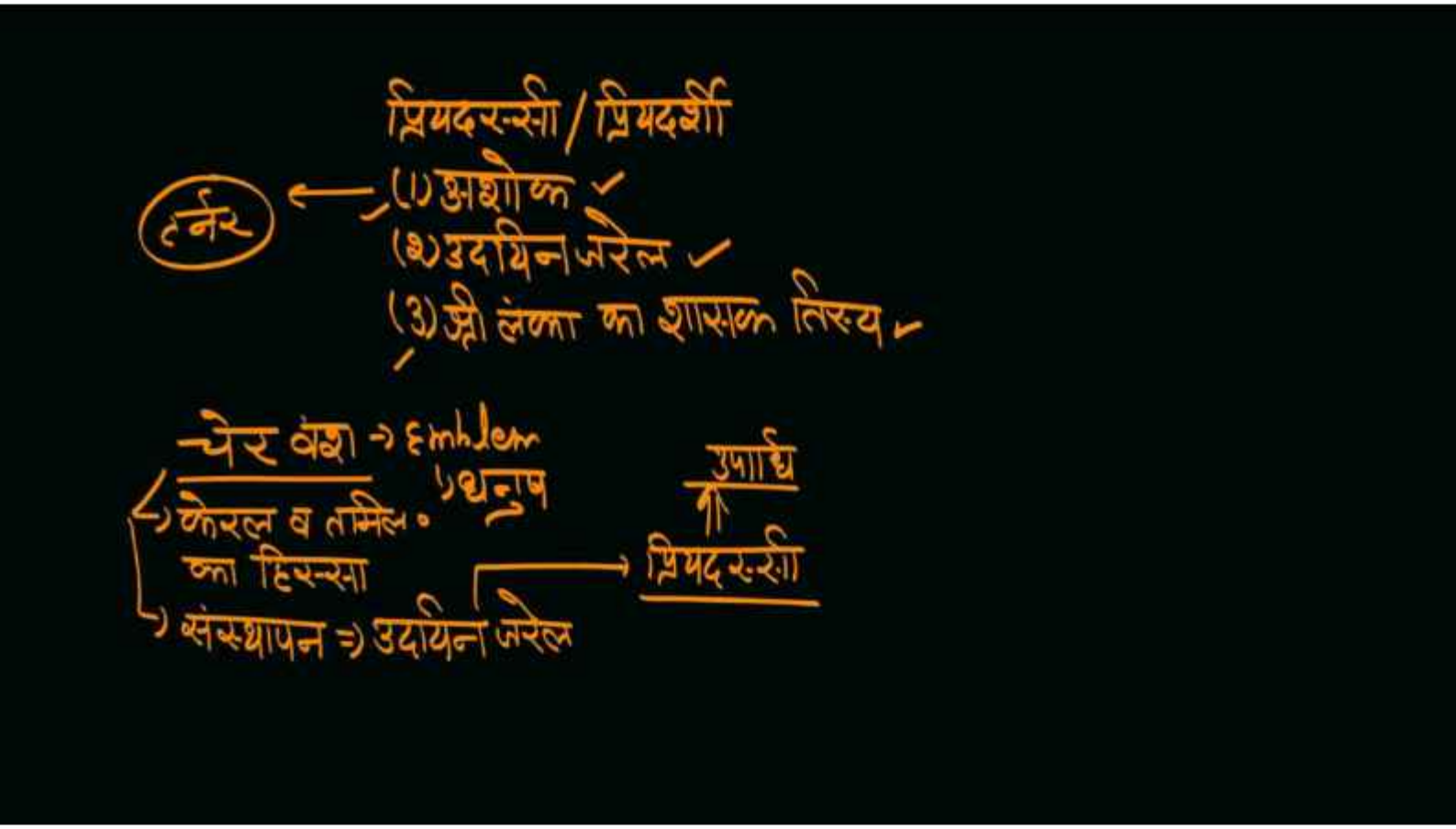
Nick.

प्रिंसेस ने प्रियदस्सी का नाम (संबंध) श्रीलंका शासक तिस्य से जोड़ा

The princess linked Priyadassi's name (relationship) to Tisya, the Sri Lankan ruler.

★ टर्नर ने कहा- प्रियदस्सी अशोक ही है

Turner said - Priyadassi is Ashoka only


प्रियदस्सी / प्रियदर्शी
टर्नर
(1) अशोक
(2) उदयिन जरेल
(3) श्री लंका का शासक तिस्य
चेर वंश → Emblem
धनुष
केरल व तमिल
का हिस्सा
संस्थापन → उदयिन जरेल
उपाधि
प्रियदस्सी

- शेखगुटुवन - (लालचेर, भल्लाचेर उपाधि)
  Sheikhgutuvan (Lalcher, Bhallacher title)
  - सती (कन्नगी) पूजा शुरू करवायी Sati (Kannagi) worship started
    - गजबाहु शासक (श्रीलंका) Gajabahu Ruler (Sri Lanka)
- पेरून जेरल → 'गन्ने की खेती शुरू की
  - ★ Perunjeral →Started sugarcane cultivation
- अंतिम शासक → मांदर जेल इम्पोरोई
  - ★ Last Ruler Mandar Jail Imporo

पांड्य वंश

प्रतीक चिह्न - मछली Symbol – Fish

संस्थापक – नेडियोन Founder Nadeon

↳ समुद्रपूजा शुरू ~~करवायी~~ की थी

starting sea worship

राजधानी – कोरकई / मदुरै (लम्बे समय तक)

Capital – Korkai / Madurai (long term)

मेगास्थनीज की इंडिका में पांड्य वंश की जानकारी मिलती है

Information about the Pandya dynasty of Megasthenes is found in Indica.

- नेजुडेलियन Nejudelian
  - कोवलन को दंड दिया punished Kovalan Promise
  - ★ चेर और चोलो को संयुक्त रूप से हराया Defeated Cher and Cholo jointly
    - तातैयांगलम का युद्ध Battle of Tattayangalam

- अंतिम शासक → मारवर्मन कुलशेखर

Last ruler →Maravarman Kulasekhara

संगम युग

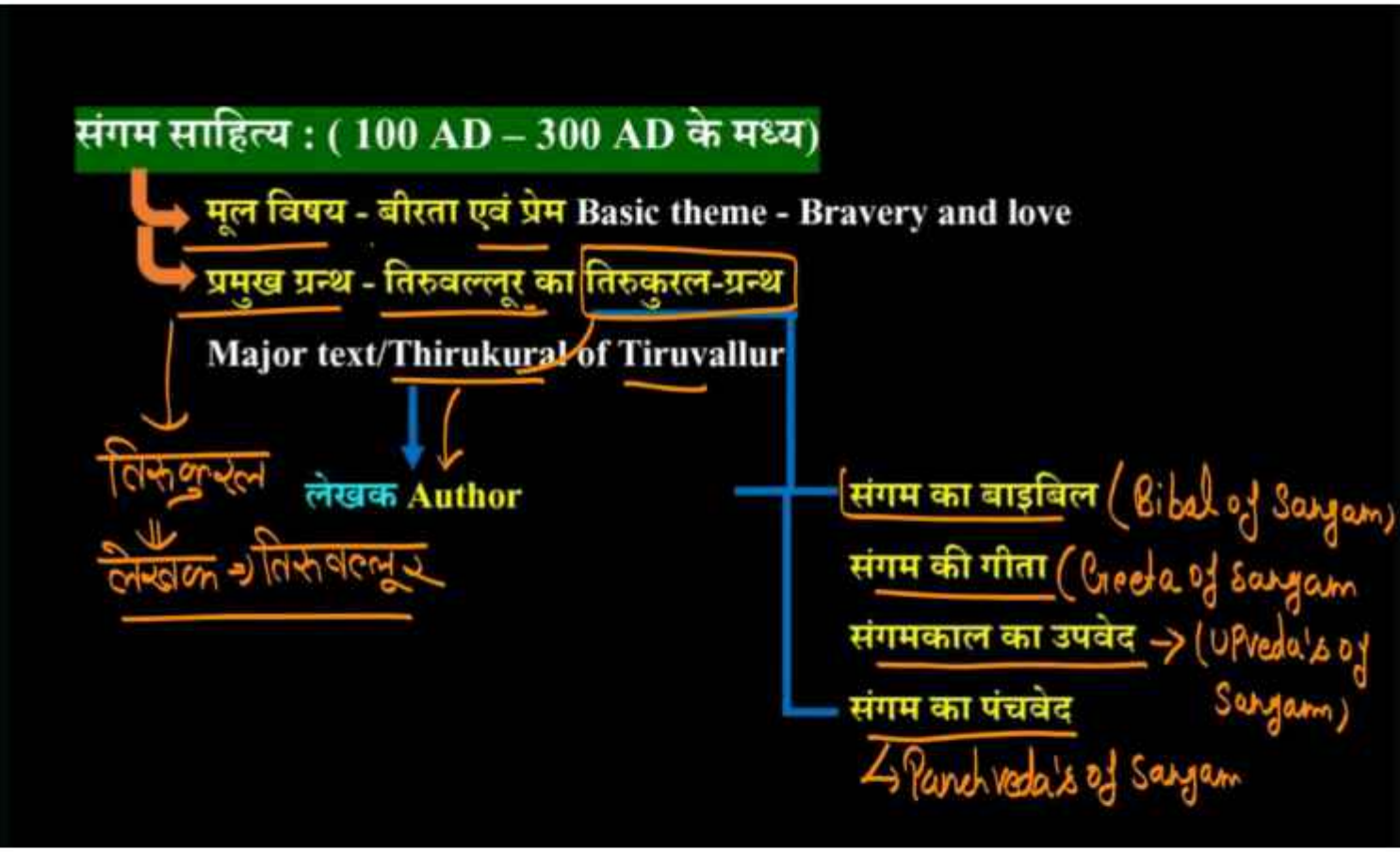
⇒ ऐतिहासिक युग के प्रारम्भ में दक्षिण भारत (South India) का क्रमबद्ध इतिहास हमें जिस साहित्य से ज्ञात होता है उसे संगम साहित्य कहते हैं।

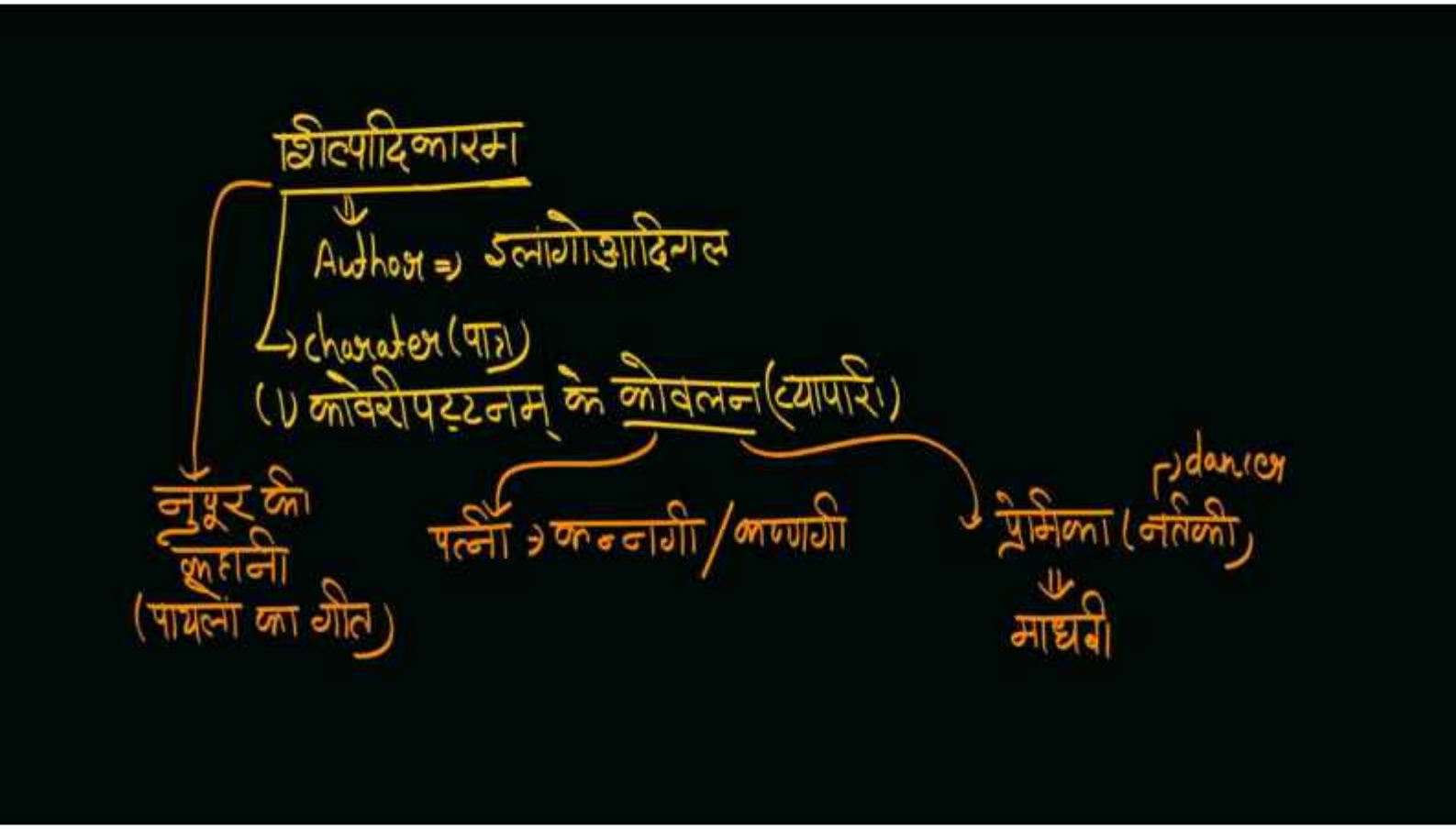
संगम → शब्द का अर्थ परिषद् (council) अथवा गोष्ठी होता है।
जिसमें तमिल कवि एवं विद्वान एकत्रित होते हैं।

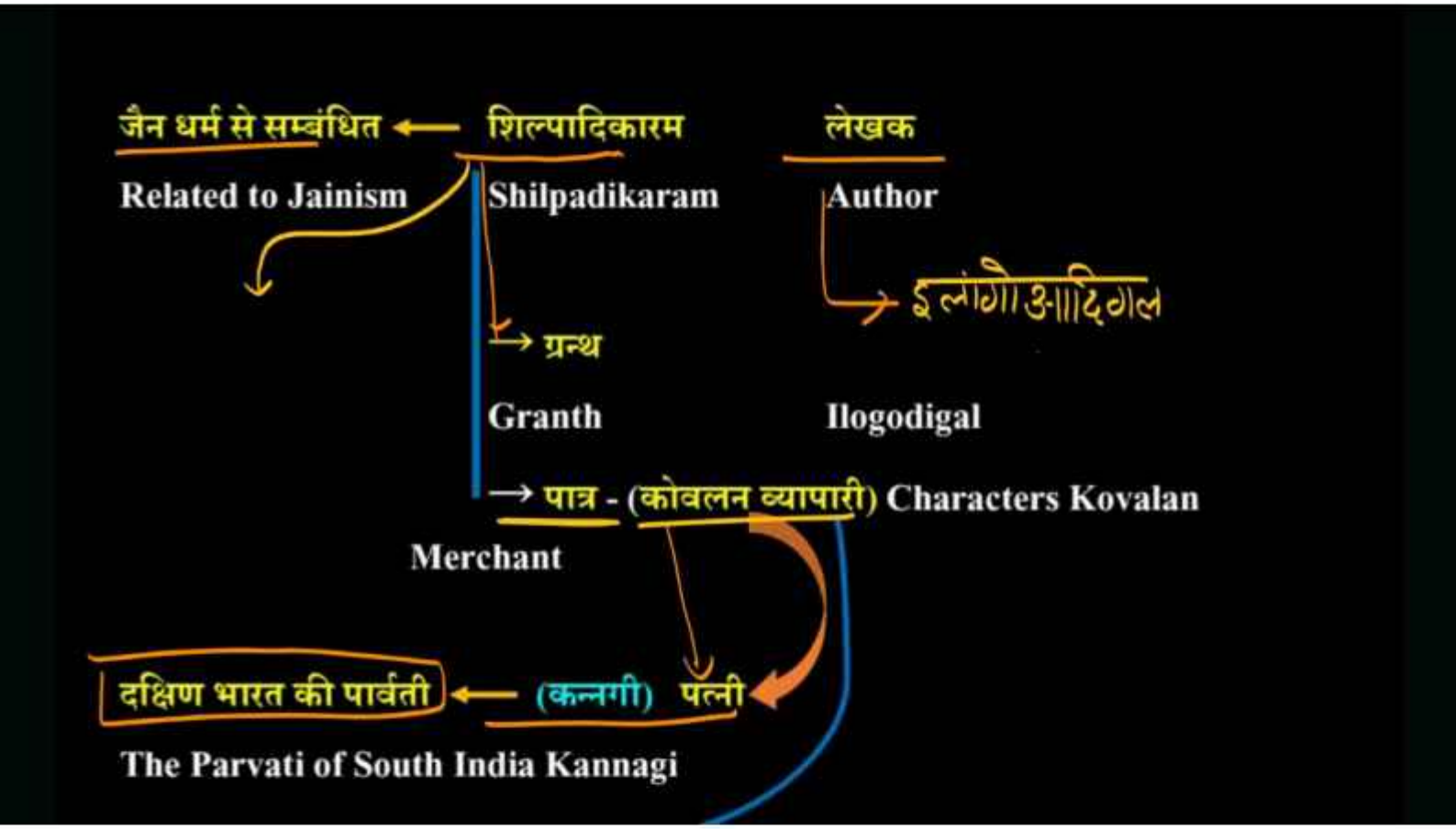
संगम युग की जानकारी के स्रोत (Source of Sangam yug)

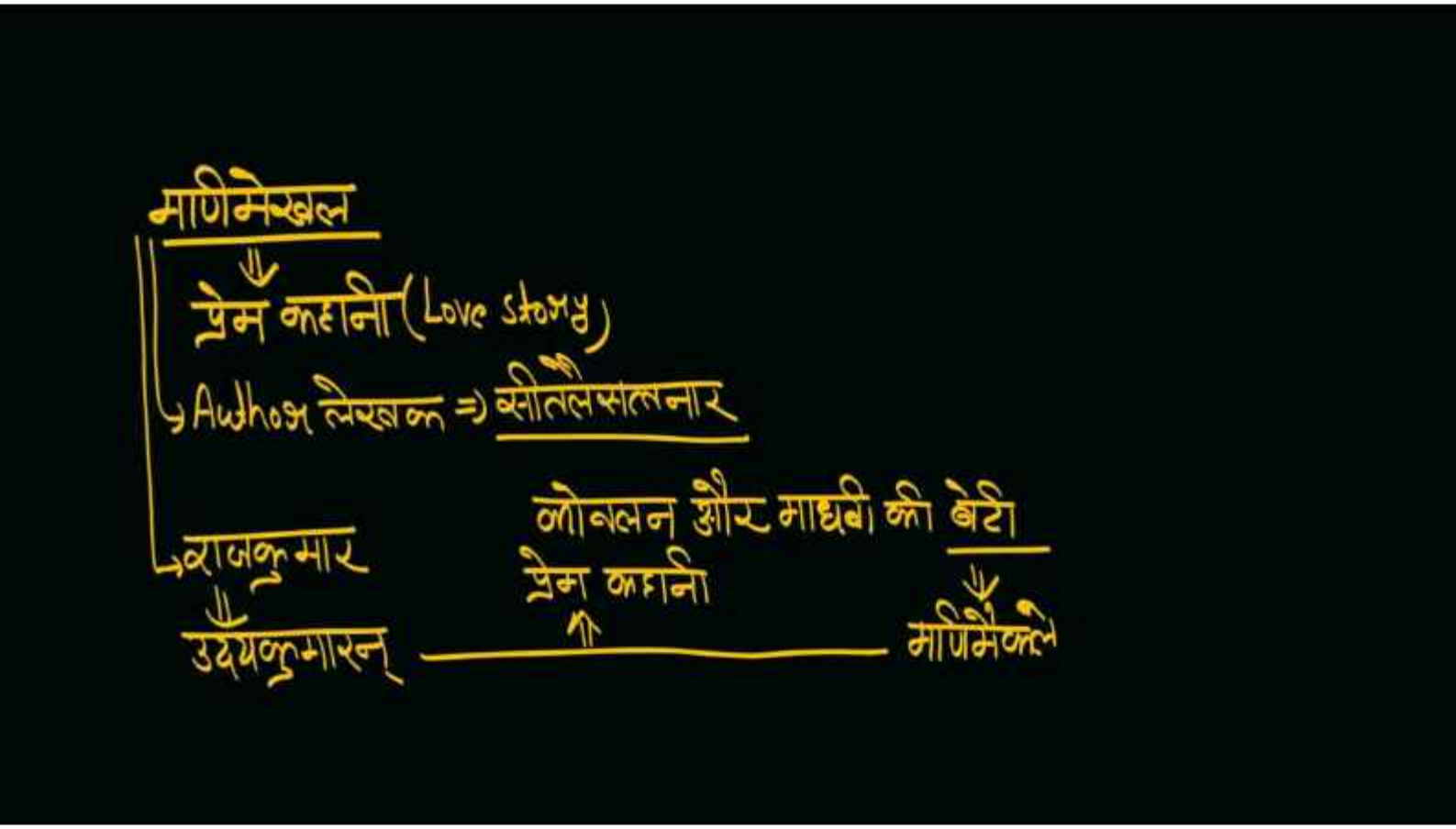
(1) अशोक के अभिलेखों (Inscription) में चोल, चेर, पांड्य के बारे में बताया गया है।

(२) कलिंग के खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख में
तामिल राज्यों का उल्लेख।


संगम साहित्य : (100 AD – 300 AD के मध्य)
मूल विषय - बीरता एवं प्रेम Basic theme - Bravery and love
प्रमुख ग्रन्थ - तिरुवल्लूर का तिरुकुरल-ग्रन्थ
Major text/Thirukural of Tiruvallur
तिरुकुरल
लेखक Author
लेखक → तिरुवल्लूर
संगम का बाइबिल (Bibal of Sangam)
संगम की गीता (Geeta of Sangam
संगमकाल का उपवेद → (UPveda's of Sangam)
संगम का पंचवेद
↳ Panch veda's of Sangam


शिल्पादिकारम्
Author => इलांगोआदिगल
character (पात्र)
(1) कावेरीपट्टनम् के वैश्य वणिक (व्यापारि)
नूपुर की कहानी (पायल का गीत)
पत्नी => कन्नगी / कण्णगी
प्रेमिका (नर्तकी) dancer
माधवी


जैन धर्म से सम्बंधित
शिल्पादिकारम
लेखक
Related to Jainism
Shilpadikaram
Author
इलंगो अादिगल
ग्रन्थ
Granth
Ilogodigal
पात्र - (कोवलन व्यापारी) Characters Kovalan
Merchant
दक्षिण भारत की पार्वती
(कन्नगी) पत्नी
The Parvati of South India Kannagi


मणिमेखल
प्रेम कहानी (Love story)
Author लेखक → वसीतलसत्तनार
राजकुमार
उदयकुमारन्
लोवलन और माधवी की बेटी
प्रेम कहानी
मणिमैक्कले

माधवी Madhavi → प्रेमिला

मणिमेखल के लेखक → सतनार Author of Manimaikhal → Satnar

बौद्ध धर्म से From Buddhism → सीतलैस सतनार

ग्रन्थ

- संगम साहित्य में 8898 कवियों ने भाग लिया जिसे पांड्य शासको ने आश्रय दिया

8898 poets participated in the Sangal literature, which was given shelter by the Pandya rulers.

(कुल राज्य 197) (Total States -197)

- संगम साहित्य में तीन वंशो के बारे में जानकारी मिलती है - चोल, चेर और पांड्य

Information about three dynasties is found in the Sangam literature Cholas, Cheras and Pandyas.

- तीन संगम परिषद आयोजित हुयी - Three Sangam Parishads were organized

1. मदुरै - अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - इसका कोई प्रमाण नहीं है

   Madurai – Agastya Rishi (Chairman) - no proof

2. कपाटपुरम् - अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - प्रमुख ग्रन्थ

   Kapatapuram - Agastya Rishi (Chairman) Major texts

3. उत्तरी मदुरै - नक्कीर (अध्यक्ष)

   North Madurai - Nakkir (Speaker)

→ दूसरे संगम में लिखा गया।

तोलकाप्पियम → द० भारत का पहला व्याकरण ग्रन्थ

→ 8 प्रकार के विवाह

मदुरै → अद्यक्ष ⇒ अगस्त ऋषि

कपाटपुरम् ' ⇒ '

उ० मदुरै ⇒ दावलीर


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
पाल वंश और सेन वंश
LIVE
10-06-2024 7:00 PM

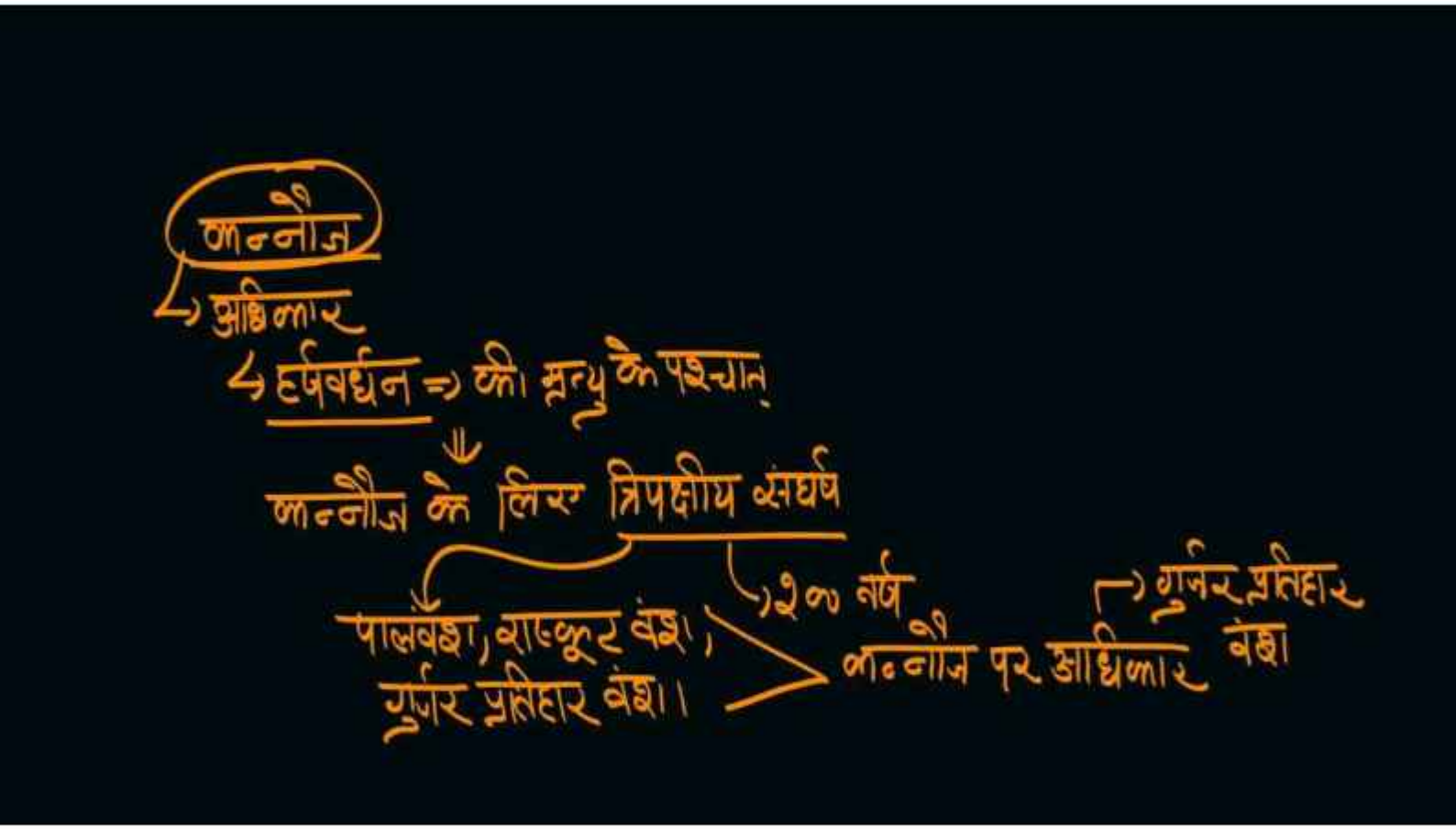
पाल वंश (बंगाल का पालवंश)

imp
- संस्थापक – (founder) - गोपाल
- राजधानी - मुंगेर
- पाल शासक बौध्द धर्म के अनुयायी थे।

imp
- गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना

imp
धर्मपाल - गोपाल का पुत्र
- विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना करवाया।
- पाल वंश का सबसे महान शासक
- त्रिपक्षीय संघर्ष कन्नौज के लिए पाल वंश,

- गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ।
- इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ।
- गुजराती कवि सोड्ढल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से सम्बोधित किया था।


कन्नौज
अधिकार
हर्षवर्धन की मृत्यु के पश्चात्
कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष
पालवंश, राष्ट्रकूट वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश।
लगभग
कन्नौज पर अधिकार
गुर्जर प्रतिहार वंश

- सोमपुर महाविहार का निर्माण - धर्मपाल
- देवपाल धर्मपाल का पुत्र
  - पालवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
  - उपाधि - परमसौगात
  - निर्माण - ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्धमठ का निर्माण देवपाल ने करवाया था।
- अन्तिम शासक - गोविंदपाल
- **Note: -** अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत

गोपाल
↓
धर्मपाल
↓
देवपाल ⇒ अन्तिम शासक ⇒ गोविंदपाल

बंगाल का सेन वंश

- संस्थापक - सामन्त सेन ने राढ़ में की थी।
- राजधानी - नदिया (लखनौती) थी।
- प्रमुख शासक - विजयसेन, बल्लाल सेन एंव लक्ष्मण सेन।

विजय सेन - सेन वंश का प्रथम स्वतंत्र शासक
→ शैवधर्म का अनुयायी था।

उपाधि - परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज
Titles
विजयसेन ने विजयीपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

बल्लासेन Ballasena

उपाधि - गोडेश्वर, निःशंक शंकर/ Title - Godeshwar Nishshank Shankar

दानसागर व अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना बल्लासेन ने की।

ग्रंथ
दानसागर
अद्भुत सागर

↳ को पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

लक्ष्मण सेन - सेन वंश का अंतिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया। The last glorious ruler of the Sen dynasty who established authority over the whole of Bengal.

Imp

↳ लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को ~~परास्त करके~~ पराजित करके परमभागवत् की उपाधि धारण की। Lakshman Sen defeated the Gahadavala ruler Jaichand and assumed the title of Parambhagavat.

लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में रहते थे-

Those who were in the court of Lakshman Sen were-

(1) गीत गोविन्द के लेखक जयदेव / Jaydev, author of Geeta Govind

(2) पवनदूत के लेखक धोयी / Dhoyi, author of Pavandoot

(3) ब्राह्मण सर्वस्व के लेखक हलायुद्ध / Halayuddha, author of Brahman Sarvasva

लक्ष्मण

- लक्ष्मण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था।
- Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.
- सेन राजवंश प्रथम राजवंश था, जिसने अपने अभिलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाया। करवाये थे।

जयदेव → गीत गोविंद

धोयी → पवनदूत

हलायुद्ध → ब्राह्मण सर्वस्व

मध्यकालीन भारत का इतिहास

712 AD - 1526 AD

दिल्ली सल्तनत (1206-1526)

- G => गुलाम वंश (1206-1290)
- K => खिलजी वंश (1290-1320)
- T => तुगलक वंश (1320-1414)
- S => सैय्यद " (1414-1451)
- L => लोदी वंश (1451-1526)

1526 AD - 1857 AD

मुगल → मुगल वंश की स्थापना

1526-1857

बाबर

1707 => औरंगजेब

भारत पर अरब आक्रमण

- पहला अरब आक्रमण – 711 : (अबैदुल्लाह) – असफल
  First Arab Invasion - 711 : (Abaidullah) - Failed
- दूसरा अरब आक्रमण – 711 : (बुदैल) – असफल
  Second Arab Invasion - 711 : (Budail) - Failed
- तीसरा अरब आक्रमण – 712 : (मो. बिन कासिम) – सफल
  Third Arab Invasion - 712 : (Md. Bin Qasim) - Successful



उद्देश्य - ① धन लूटना
② इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार

प्रथम मुस्लिम अरब आक्रमणकारी
first muslim arab invader

"अलहजाज का सेनापति" "Commander of Alhajj"

"खैबर दर्रे से आया"
"came from the Khyber Pass"

पाकिस्तान और अफगानिस्तान

- मो. बिन कासिम के आक्रमण के समय सिंध का राजा "दाहिर" था जिसकी दो पुत्रियाँ : सूर्यमला व परिमला थी।

Mo. At the time of Bin Qasim's invasion, the king of Sindh was "Dahir" who had two daughters: Suryamala and Parimala.

- पहला आक्रमण – सिंध क्षेत्र (देवॅल बंदरगाह)

First Invasion - Sindh Region (Dewal Port)

→ फिर नीरम बौद्ध स्थल

again silent Buddhist site

सिंध पर

- सिंध पर जजिया कर लगाया :– (गैर मुस्लिम)

Jizya tax was imposed on Sindh :- (Non-Muslim)

जजिया कर नहीं लगाया।

(ब्राह्मण, विधवा, विकलांग पर नही)

(not on brahmin, widow, disabled)


RPF SI & CONSTABLE 2024
रेल रक्षक बैच
HISTORY
पाल वंश और सेन वंश
LIVE
10-06-2024 7:00 PM

पाल वंश बंगाल का पालवंश

- संस्थापक – (founder) - गोपाल
- राजधानी - मुंगेर
- पाल शासक बौध्द धर्म के अनुयायी थे।
- गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना

धर्मपाल - गोपाल का पुत्र

- विग्रमाशिला विश्व की स्थापना की।
- पाल वंश का सबसे महान शासक
- त्रिपक्षीय संघर्ष कन्नौज के लिए पाल वंश

- गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ।
- इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ।
- गुजराती कवि सोड्ढल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से सम्बोधित किया था।

- सोमपुर महाविहार का निर्माण - धर्मपाल

देवपाल धर्मपाल का पुत्र

  - पालवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
  - उपाधि - परमसौगात
  - निर्माण - ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बोद्धमठ कर निर्माण देवपाल ने करवाया था।

- अन्तिम शासक - मदन पाल
- **Note:** - अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत

बंगाल का सेन वंश

- संस्थापक - सामन्त सेन ने राढ़ में की थी।
- राजधानी - नदिया लखनौती थी।
- प्रमुख शासक - विजयसेन बल्लाल सेन एंव लक्ष्मण सेन।

विजय सेन - सेन वंश का प्रथम स्वंतत्र शासक
- शैवधर्म का अनुयायी था।

उपाधि - परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज

विजयसेन ने विजयीपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

बल्लासेन Ballasena

उपाधि - गोडेश्वर निःशंक शंकर/ Title - Godeshwar Nishshank Shankar

दानसागर व अद्‌भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना बल्लासेन ने की।

↳ को पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

लक्ष्मण सेन - सेन वंश का अंतिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया। The last glorious ruler of the Sen dynasty who established authority over the whole of Bengal.

↳ लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को वराजित करके परमभागवत् की उपाधि धारण की। Lakshman Sen defeated the Gahadavala ruler Jaichand and assumed the title of Parambhagavat.

लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में रहते थे-

Those who were in the court of Lakshman Sen were-

(1) गीत गोविन्द के लेखक जयदेव / Jaydev, author of Geeta Govind

(2) पवनदूत के लेखक धोयी/Dhoyi, author of Pavandoot

(3) ब्राह्मण सर्वस्व के लेखक हलायुद्ध/Halayuddha, author of Brahman Sarvasva

- लक्ष्ण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था।
- Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.
- सेन राजवंश प्रथम राजवंश था, जिसने अपना आभलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाया।

Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.

थानेश्वर का पुष्यभूति वंश (वर्धन वंश)

संस्थापक – पुष्यभूति

मौखरी वंश का शासक– "अवंति वर्मन" का सामंत

प्रभाकर वर्धन

1. राज्य वर्द्धन (बड़ापुत्र)
2. राज्यश्री (पुत्री)
3. हर्षवर्द्धन (छोटा पुत्र)

- प्रभाकर वर्द्धन ने राज्यश्री की शादी अवंतिवर्मन के पुत्र गृहवर्मन से कर दी।
  Prabhakara Vardhana married Rajyashri to Grihavarman, son of Avantivarman.
- शशांक और देवगुप्त ने मिलकर गृहवर्मन की हत्याकर "राज्यश्री" का अपहरण कर लिया।
  Shashank and Devagupt together abducted "Rajyashri" after killing Grihavarman.

- प्रभाकर वर्धन के समय पर हूणो ने आक्रमण किया जिसका दमन करने के लिए राज्यवर्धन को भेजा!
  At the time of Prabhakar Vardhan, Huno attacked, sent Rajyavardhan to suppress it!
- कुरंगक दूत से हर्षवर्धन ने अपने पिता प्रभाकर वर्धन व माता यशोमती (सती) की मृत्यु का खबर सुनकर अपने राज्य आते है।
  Harshvardhan came to his kingdom after hearing the news of the death of his father Prabhakar Vardhan and mother Yashomati (Sati) from the messenger of Kurangak.
- राज्यवर्धन ने देवगुप्त की हत्या कर दी। **Rajyavardhana killed Devagupta.**
- शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या की। **Shashank killed Rajyavardhan.**

↓

हर्षवर्धन (606–647ई0) Harshavardhana (606-647 AD)

- जन्म – 590 AD **Birth - 590 AD**
- पत्नी – दुर्गावती **Wife - Durgavati**
- गद्दी – 606 AD में **Gaddi - in 606 AD**

★ गौड़ नरेश शशांक को पराजित कर दिया। Gaur king Shashank was defeated.

★ दिवाकर मित्र (बौद्ध भिक्षु) की मदद से हर्षवर्धन ने अपने बहन राज्यश्री को खोजा।
With the help of Diwakar Mitra (Buddhist monk), Harshavardhana found his sister Rajyashri.

★ हर्षवर्द्धन को साहित्य का सम्राट कहा जाता है!
Harshvardhan is called the emperor of literature!

राजधानी – कान्यकुब्ज (कन्नौज) Capital - Kanyakubj (Kannauj)

★ हर्षवर्धन को पुलकेशिन ने हराया था! (नर्मदा नदी के तट पर) – 618 ई0 में।
Harshavardhana was defeated by Pulakeshin! (On the banks of Narmada river) - In 618 AD.

- हर्षवर्द्धन के नाटक – 1. नागानंद
  2. रत्नावली
  3. प्रियदर्शिका
  → संस्कृत भाषा

इन नाटको को लिखने का श्रेय कवि "धावक" को दिया।
धोयी – पुस्तक
पवनदूत

- हर्ष वर्द्धन के दरबारी – 1. बाणभट्ट : The courtiers of Harshvardhan - 1. Banabhatta:
  - कादम्बरी , (हर्षचरित) – Kadambari, (Harshacharita)
    - 8 भागों में
      - प्रत्येक भाग को (उच्छवास)
  2. मयूर भट्ट : सूर्यशतक, मयूर शतक 3 + 5
     Mayur Bhatt: Suryashtak, Mayur Shatak 3 + 5
  3. मातंग दिवाकर : बाणभट्ट
     हर्ष
     Matang Diwakar:
     कोई Book नहीं
  4. भर्तृहरी

❖ शोढ़ल ने हर्षवर्धन को 'साहित्यिक हर्ष' कहा है।
Shodhal has called Harshvardhan a 'literary joy'.

ह्वेनसांग Hnensang

630 – 645

15 वर्षो तक रहा

★ चीन से आया (चीनी यात्री) Came from China (Chinese traveller)

★ यात्रियो का राजकुमार (Prince of Pilgrlims)
Came from China (Chinese traveller) Prince of Pilgrlims

★ त्सांग भी कहा जाता है। Also called Tsang.

★ 18 महीने : नालंदा में महायान शाखा का अध्ययन किया।
18 months: Studied Mahayana school at Nalandha.

कुलपति :– शीलभद्र (5 : 1) – विद्यार्थी + शिक्षक:
Vice Chancellor :- Sheelbhadra (5:1) - Teacher : Student

★ यात्रा विवरण : "सी.यू.की" पुस्तक। Travel Details: "C.U.Ki" book.

★ ह्वेनसांग की जीवनी – व्हिली ने Biography of Hsien Tsang - Whillie

★ "सी.यू.की" पुस्तक :–
Book "C.U.Ki."

- व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र : कन्नौज
- दक्षिण में व्यापार का महत्वपूर्ण केन्द्र : कांची
- हर्ष की सेना : चतुरंगिणी
- हर्ष का नाम : शिलादित्य

- हर्ष के सेना में अरब सेना का सेनापति : कुंतल
  Commander of Arab army in Harsha's army: Kuntal
- हर्षवर्द्धन के कार्य : 1. महामोक्ष परिषद का आयोजन :– 2
  Commander of Arab army in Harsha's army: Kuntal
  1. प्रयाग
  2. कन्नौज
  2. कुंभ मेलों की शुरूआत :
  Beginning of Kumbh Melas:
  1. प्रयागराज (यू.पी)
  Prayagraj (U.P.)
  2. हरिद्वार (यू.के)
  Haridwar (U.K.)
  अर्द्धकुम्भ – 6 वर्ष
  Ardh Kumbh - 6 years
  3. नासिक (महाराष्ट्र)
  3. Nasik (Maharashtra)
  कुम्भ – 12 वर्ष
  Aquarius - 12 years
  4. उज्जैन (मध्य प्रदेश)
  4. Ujjain (Madhya Pradesh)
  महाकुम्भ – 24 वर्ष Mahakumbh - 24 years
- हर्ष के पुत्र = Son of Harsha
  - वाग्यवर्धन Vagyavardhan
  - कल्याणवर्धन Kalyanvardhan

भारत पर अरब आक्रमण



- पहला अरब आक्रमण – 711 : (अबैदुल्लाह) – असफल
  First Arab Invasion - 711 : (Abaidullah) - Failed
- दूसरा अरब आक्रमण – 711 : (बुदैल) – असफल
  Second Arab Invasion - 711 : (Budail) - Failed
- तीसरा अरब आक्रमण – 712 : (मो. बिन कासिम) – सफल
  Third Arab Invasion - 712 : (Md. Bin Qasim) - Successful

प्रथम मुस्लिम अरब आक्रमणकारी
first muslim arab invader

"अलहजाज का सेनापति" "Commander of Alhajj"

"खैबर दर्रे से आया"
"came from the Khyber Pass"

- मो. बिन कासिम के आक्रमण के समय सिंध का राजा "दाहिर" था जिसकी दो पुत्रियाँ : सूर्यमला व परिमला थी।

  Mo. At the time of Bin Qasim's invasion, the king of Sindh was "Dahir" who had two daughters: Suryamala and Parimala.

- पहला आक्रमण – सिंध क्षेत्र (देवल बंदरगाह)

  First Invasion - Sindh Region (Dewal Port)

  फिर नीरम बौद्ध स्थल

  again silent Buddhist site

- सिंध पर जजिया कर लगाया :– (गैर मुस्लिम)

  Jizya tax was imposed on Sindh :- (Non-Muslim)

  (ब्राह्मण, विधवा, विकलांग पर नही)

  (not on brahmin, widow, disabled)

- इस सब की जानकारी मिलती है– "चचनामा" (Book)

  Information about all this is available - "Chachnama" (Book)

  ↳ अली अहमद **Ali Ahmed**



- अरब आक्रमण के उद्देश्य :–

  Objectives of Arab invasion: -

  लूट करना **rob**

  इस्लाम का प्रसार करना **spread islam**

- मो. बिन कासिम ने सोने के सिक्के (दिरहम) जारी किए।

  Mo. Bin Qasim issued gold coins (dirhams).

  ⬇

  प्रथम मुस्लिम शासक

  first muslim ruler

- अरब आक्रमण का प्रभाव :–
  Effect of Arab invasion :-

ऊँट पालन की शुरुआत
camel rearing started

मानचित्र कला का विकास
Development Of Cartography

मानसून की जानकारी
monsoon information

खजूर की खेती की शुरुआत
Beginning of date palm cultivation

दशमलव सिद्धांत
decimal theory

भारत पर तुर्क आक्रमण

AFGANISTAN

गजनी (Place)

यामिनी वंश (गजनी वंश)

Yamini dynasty (Ghazni dynasty)

संस्थापक : अल्पतगीन – सुबुक्तगीन – महमूद गजनवी

Founder: Alpatgin - Subuktgin - Mahmud Ghaznavi

(असफल) **(fail)**

(प्रथम तुर्क आक्रमणकारी) **(First Turk invader)**

- भारत पर प्रथम तुर्क आक्रमण हिन्दू शाही वंश "जयपाल" शासक के विरुद्ध हुआ।
  The first Turkish attack on India took place against the Hindu Shahi dynasty "Jayapal" ruler.

986AD सुबुक्तगीन 986AD Subuktagin

महमूद गजनवी



- 998AD में गद्दी पर बैठा!
  Ascended The Throne In 998AD!
- सुल्तान और गाजी की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक।
  The first ruler to assume the title of Sultan and Ghazi.
- अन्य नाम – यामीन – उद् दौला, यामीन – उल – बिल्लाह, बुतशिकन
  Other Names - Yameen-ud-Daulah, Yameen-ul-Billah, Butshikan

  मूर्तिभंजक (मूर्ति को तोड़ने वाला) idol breaker
- भारत पर आक्रमण – 1000AD (कोई नतीजा नहीं)
  Invasion of India - 1000AD (no result)

- पहला सफल आक्रमण – 1001AD में

First successful invasion - in 1001AD

"वैहिन्द का युद्ध" = जयपाल Vs. महमूद गजनवी

"Battle of Vahind" = Jaipal Vs Mahmud Ghaznavi

महमूद गजनवी (1000–1027 ई0)

17 बार आक्रमण किया Attacked 17 Times

- 1005 में मुल्तान पर आक्रमण किया। Attacked Multan in 1005.
- 1008 में नगरकोट (H.P) पर आक्रमण किया
  Invaded Nagarkot (H.P) in 1008
- 1018 में कन्नौज पर (राज्यपाल गुर्जर)
  On Kannauj in 1018 (Governor Gurjar)

गुर्जर शासक Gujjar Ruler

- कांलिजर अभियान (विधाधर) Callizer Campaign (Vidhaar)

चंदेल शासक Chandel ruler

- 1025 – 16वाँ आक्रमण 1025 - 16th Invasion

  सोमनाथ मंदिर (Gujrat) Somnath Temple

  इस समय शासक भीम प्रथम (चालुक्य वंश) था।

  The ruler at this time was Bhima I (Chalukya dynasty).

  हिन्दु आस्था को सबसे अधिक क्षति पहुचाने वाला आक्रमण था।

  The most damaging attack was on the Hindu faith.

- अंतिम आक्रमण – 1027 में – खोखरों के विरुद्ध

  Last attack - in 1027 - against the Khokhras

- 1030 में मृत्यु हो जाती है। Death in 1030 It happens.

- समकालीन लेखक contemporary writers
  - फिरदौसी (पूर्व का होमर)– शाहनामा पुस्तक (फारसी भाषा में)

    Firdausi (Eastern Homer) - Shahnama book (in Persian language)

    ईरान का महाकाव्य

    Epic Of Iran
  - अलबरुनी – किताब–उल–हिन्द, तारीख–ए–हिन्द

    Alberuni - Kitab-ul-Hind, Tarikh-e-Hind

    पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान

    First Muslim to study Puranas
  - उत्बी – किताब – उल– यामिनी Utbi - Kitab - ul - Yamini
  - वैहाकी – तारीख–ए–सुबुक्तगीन Vaihaki - Tarikh-e-Subuktagin



- मौहम्मद गौरी – (शिहाबुद्दीन)
  Muhammad Ghori - (Shihabuddin)

1173 – 1206

गौर प्रदेश मिला था, **Gaur region was found,**

गौरी का भारत पर पहला आक्रमण 1175 (मुल्तान पर)

Ghori's first invasion of India 1175 (at Multan)

करमाती जाति पर

On The Enchantress Caste

शिया (बौद्ध हुआ करते थे)

Shia (used to be Buddhist)

- 1178 – पाटन (गुजरात पर) दूसरा आक्रमण

  1178 - Second attack on Patan (Gujarat)

  जिसमें इसे भीम–II (मूलराज–II) ने बुरी तरह हराया था।

  In which it was badly defeated by Bhima-II (Mularaj-II).

- भीम–II चालुक्य वंश का शासक था

  Bhima-II was the ruler of Chalukya dynasty



- इस युद्ध का नेतृत्व – नायिका देवी ने किया था।

  This war was led by - Nayika Devi.

  नायिका देवी मूलराज–II की माँ थी।

  Nayika Devi was the mother of Mularaja-II



- 1179 – कश्मीर और सिंध को जीता था
  1179 - Kashmir and Sindh were conquered
- 1186 – पंजाब जीता (भटिण्ड़ा, तबरहिंद)
  1186 - Punjab won (Bhatinda, Tabarhind)
- 1191 – तराईन का प्रथम युद्ध
  1191 - First Battle of Tarain

गौरी vs पृथ्वीराज चौहान (रायपिथौरा, पृथ्वीराज–III)

Gauri vs Prithviraj Chauhan (Raipithora, Prithviraj-III)

गौरी का हार हुई — मित्र– "चन्दरबरदाई"

Gauri lost — Friend - "Chanderbardai"

"चन्दरबरदाई" की पुस्तक – "पृथ्वीराजरासो"

Book of "Chandrabardai" – "Prithvirajraso"

- 1192 – तराईन का II युद्ध

1192 - Second Battle of Tarain

गौरी *Vs* पृथ्वी चौहान

Gauri Vs Prithvi Chauhan

गौरी जीता *अजमेर मिला – चौहान

Gauri won *Ajmer got – Chauhan

पृथ्वीराज चौहान



दिल्ली बसाई (ढिल्लीका पुरी) पुराना नाम
Delhi Basai (Dhillika Puri) old name

अनंगपाल–II (अनंगपाल तोमर)
Anangpal-II (Anangpal Tomar)

कोई पुत्र नही था Had No Son

पृथ्वीराज चौहान के पिता – सोमेश्वर सिंह चौहान
Prithviraj Chauhan's father - Someshwar Singh Chauhan

- प्रेमिका – सयुंक्ता / संयोगिता Girlfriend - Sanyukta / Sanyogita
- 1194 – चन्दावर का युद्ध 1194 - Battle of Chandawar

गौरी *Vs* जयचंद (गहडवाल वंश)
Gauri Vs Jaichand (Gahdwal dynasty)

कन्नौज kannauj

गौरी की जीत Gauri's victory

★ मोइनुद्दीन चिश्ती तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गोरी के साथ आए। जो कि सूफीवाद के प्रवर्तक थे। (भारत)
Moinuddin Chishti accompanied Mohammad Ghori in the second battle of Tarain. Who was the originator of Sufism. (India)

★ चिश्ती – अजमेर (राज0) में रहते थे। Chishti - lived in Ajmer (Raj).

★ अजमेर में ही दरगाह है: (अजमेर शरीफ) – मोइनुद्दीन चिश्ती की।
There is a dargah in Ajmer itself: (Ajmer Sharif) - of Moinuddin Chishti.

★ मो. गोरी ने चंदावर युद्ध के बाद देवी लक्ष्मी के सिक्के चलवाए!
Mo. Ghori got the coins of Goddess Lakshmi issued after the Chandawar war.

★ उत्तर भारत में इक्ता प्रथा, चलवाई **Iqta system Started in North India**

वेतन के जगह पर जमीन का टुकड़ा मिलता था।

Instead of salary, a piece of land was given.

★ 1203 ई0 में कालिंजर अभियान में चंदेल शासक : परमादिदेव, को हराया!

In 1203 AD, Chandel ruler: Parmadidev, was defeated in the Kalinjar campaign!



सेनापति – आल्हा, उदल

Senapati - Alha, Udal

★ गोरी का अंतिम अभियान : खोखर जाति के विरुद्ध।
Ghori's last campaign: against the Khokhar caste.

★ गोरी की मृत्यु : 1206 Death of Ghori: 1206
दमयक (प0 पाकिस्तान) Damyak (West Pakistan)

★ गोरी के दास – 1. यल्दौज – गजनी (ऐबक का ससुर)
Slaves of Ghori - 1. Yaldouz - Ghazni (father-in-law of Aibak)

2. कुबाचा – सिंध (मुल्तान, काबुल, कांधार) = (ऐबक का जीजा)

2. Qubacha - Sindh (Multan, Kabul, Kandahar) = (brother-in-law of Aibak)

3. ऐबक (कुतुबुद्दीन) – (लाहौर + दिल्ली)

3. Aibak (Qutubuddin) - (Lahore + Delhi)

4. बाख्तियार खिलजी – (बंगाल + बिहार)

4. Bakhtiyar Khilji - (Bengal + Bihar)

बख्तियार खिलजी ने नष्ट किए

1. नालंदा विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Nalanda University
2. विक्रमशिला विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Vikramshila University
3. ओदंतपुरी विश्वविद्यालय : (बिहार)
   Odantpuri University

★ बख्तियार खिलजी पूर्व में मो0 गोरी का सेनापति या बाद में ऐबक का।

Bakhtiyar Khilji was formerly the commander of Mohd Ghori or later of Aibak.





दिल्ली सल्तनत (1206–1526AD)

★ दिल्ली सल्तनत में 5 वंश हुए:

There were 5 dynasties in the Delhi Sultanate:

गुलाम वंश – (1206–1290) **Slave Dynasty - (1206-1290)**

खिलजी वंश – (1290–1320) – सबसे कम कार्यकाल

Khilji dynasty - (1290-1320) - shortest tenure

तुगलक वंश – (1320–1414) – सबसे लम्बा कार्यकाल

Tughlaq Dynasty - (1320-1414) - longest tenure

सैय्यद वंश – (1414–1451) **Sayyid Dynasty - (1414-1451)**

लोदी वंश – (1451–1526) **Lodi Dynasty - (1451-1526)**

गुलाम वंश (Gulam Dynasty) 1206–1290AD

गुलाम वंश के अन्य नाम :– दास वंश (Slave dynasty)

Other names of slave dynasty: - Slave dynasty

- ममलूक वंश mamluk dynasty
- इल्बरी वंश Ilbury dynasty



गुलाम वंश में कुल शासक – 11

Total rulers in slave dynasty - 11

(1) कुतुबुद्दीन ऐबक (1206–1210) – गुलाम वंश का संस्थापक

Qutbuddin Aibak - Founder of Slave Dynasty

(जन्म :– 1150 ई0) राजधानी : लाहौर

(Birth :- 1150 AD) Capital : Lahore

सैन्य राजधानी : इन्द्रप्रस्थ

Military Capital: Indraprastha

गौरी का गुलाम था। **Gauri's slave.**

इसे मिर्जा अजीज कोका से खरीदा गया था। गौरी ने खरीदा था।

It was bought from Mirza Aziz Koka. Gauri had bought it.

★ मो. गौरी ने ऐबक को दो उपाधि मलिक और सिपहसलार प्रदान की।

Mohd. Gauri gave two titles to Aibak, Malik and Sipahsalar.

★ ऐबक गौरी का दामाद भी बना। **Aibak also became Gauri's son-in-law.**

★ गौरी ने इसे शुरूआत में अमीर–ए–आखूर पद दिया।

Gauri initially gave him the post of Ameer-e-Akhur.

घोड़े के अस्तबल का प्रमुख **stable master**

लाहौर मृत्यु (चौगान खेलते समय)

Lahore death (while playing Chaugan)

★ ऐबक के other name - पील बख्श (हाथियो का दान करने वाला)

Aibak's other name. Peel Baksh (donor of elephants)

लाखबख्श Lakh Bakhsh

हातिम द्वितीय Hatim II

कुरान खाँ eat quran

★ ऐबक ने कभी भी अपने नाम का कोई सिक्का नहीं चलाया और न ही खुतबा (प्रशंसा पत्र) पढ़वाया।

Aibak never minted any coin in his name nor did he read Khutba (appreciation letter).

★ ऐबक बख्तियार काकी का शिष्य था।

Aibak Bakhtiyar was a disciple of Kaki.

सूफीवाद (Sufism)

बख्तियार काकी के गुरू – मोईनुद्दीन चिश्ती थे,

Bakhtiyar Kaki's teacher was Moinuddin Chishti.

★ ऐबक के निर्माण कार्य **Aibak's construction work-**

(1) कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद–दिल्ली– उत्तर भारत की पहली मस्जिद

Quwwat-ul-Islam Mosque-Delhi – The first mosque of North India

(2) अढ़ाई दिन का झोंपड़ा – अजमेर

(3) कुतुबमीनार का निर्माण शुरू कराया।

Started the construction of Qutub Minar.

Height – 72.5m

1993 में UNESCO की विश्व विरासत सूची में शामिल।

Included in the UNESCO World Heritage List in 1993.





★ ऐबक को ही गुम्बद कला और मेहराब कला का जनक कहते हैं।
Aibak is called the father of dome art and arch art.

★ ऐबक का दरबारी कवि – हसन निजामी (पुस्तक ताजुल मासिर)
Aibak's Court Poet - Hasan Nizami (Book Tajul Masir)

★ ऐबक का मकबरा – लाहौर (इल्तुतमिश ने बनवाया)
Tomb of Aibak - Lahore (built by Iltutmish)

(2) आरामशाह (1210–1211)

❖ इसको इल्तुतमिश ने हरा दिया था, (जूड के युद्ध में)
It was defeated by Iltutmish (in the Battle of Jud)

(3) इल्तुतमिश (1211–1236)



- इसे गुलाम का गुलाम कहा गया।
  It was called slave of slave.
- उपाधि : अमीर–उल–उमरा
  Title: Ameer-ul-Umrah
- पिता : ईलम खां **Father : Ilam Khan**
- राजधानी – दिल्ली, **Capital - Delhi,**
- इल्तुतमिश को दिल्ली में सल्तनत काल का वास्तविक संस्थापक कहा जाता है।
  Iltutmish is said to be the real founder of the Sultanate period in Delhi.

- इल्तुतमिश ने 'इक्ता प्रथा' चलाई (Iqta system)
  Iltutmish started 'Iqta Pratha' (Iqta system)
- तुर्क–ए–चहलगानी (40 सरदार) का गठन किया।
  Turk-e-Chahalgani (40 chieftains) was formed.
- आगरा में न्याय का घंटा लगवाया
  A bell of justice was installed in Agra
- इल्तुतमिश के समय का इतिहास – तारीख–ए–फिरोजशाही में लिखा है। (लेखक–बरनी)
  The history of the time of Iltutmish is written in Tarikh-e-Firozshahi. (Author-Barni)
- खलीफा से खिलअत प्राप्त करने वाला पहला सुल्तान बना।
  Became the first Sultan to receive Khilafat from Khalifa.

- तराईन का तृतीय युद्ध – 1215 AD यल्दौज को इल्तुतमिश ने हराया।

Third Battle of Tarain - 1215 AD Yaldouz was defeated by Iltutmish.



(मुद्रा) – जीतल + टंका

(Currency) - Jital + Tanka

(ताँबा) (चाँदी)

(copper) (silver)

- इल्तुतमिश के समय 1221 में मंगोलो का आक्रमण हुआ (नेतृत्व चंगेजखाँ (तिमूचिन)

Mongol invasion in 1221 under Iltutmish (led by Genghis Khan (Timuchin)

❖ मकबरा शैली का जनक – इल्तुतमिश
Father of Tomb Style - Iltutmish



सुल्तानगढ़ी का मकबरा **Tomb of Sultangarhi**

इल्तुतमिश ने बड़े बेटे महमूद की याद में बनवाया।
Iltutmish built it in memory of his elder son Mahmud.

★ टकसाल (mint) का नाम सिक्को पर लिखावाया।
The name of the mint was written on the coins.

★ अतारकिन का दरवाजा – जोधपुर में इल्तुतमिश ने बनवाया।
Atarkin's Gate - Built by Iltutmish in Jodhpur.



★ इल्तुतमिश का दरबारी कवि – मिन्हाज–उस–सिराज (पुस्तक तबकात–ए–नासिरी)

Court poet of Iltutmish - Minhaj-us-Siraj (Book Tabaqat-i-Nasiri)



★ इल्तुतमिश का मकबरा – दिल्ली में – इल्तुतमिश ने ही बनवाया।

The tomb of Iltutmish - in Delhi - was built by Iltutmish himself.

★ 1236 में मृत्यु। **Died in 1236.**

★ इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार को पूर्ण कराया।

Iltutmish completed the Qutub Minar.

(4) रुकनुद्दीन फिरोज (1236–1236)

(Ruknuddin Firoz)

माँ–शाह तुर्कान

Mother-Shah Turkan

पिता – इल्तुतमिश

Father- Iltutmish



(5) रजिया सुल्तान (1236–1240)

- तुर्की इतिहास की पहली मुस्लिम शासिका।
  The first Muslim ruler in Turkish history.
- इल्तुतमिश की बेटी थी।
  She was the daughter of Iltutmish.



★ रजिया कुलहा और चोगा धारण करती थी

★ **Razia used to wear kulha and choga**

★ रजिया ने काले गुलाम 'याकूत' को 'अमीर–ए–आखूर नियुक्त किया।

Razia appointed the black slave 'Yakut' as 'Amir-e-Akhur'.

अल्तूनिया के विद्रोह मे मारा गया।

He was killed in the revolt of Altunia.

❖ इसके खिलाफ होने वाले विद्रोह

Rebellions against it:- :–

(1) अल्तूनिया का विद्रोह (तबरहिंद, भटिण्डा PB)

Rebellion of Altunia (Tabarhind, Bhatinda PB)

❖ रजिया की हत्या 13 अक्टूबर 1240 को कैथल में हुई थी।

took place on 13 October 1240 at Kaithal.

(6) बहराम शाह (1240–42)

★ इल्तुतमिश का पुत्र, (रजिया का भाई)
Son of Iltutmish (brother of Razia)

★ इसने अपना नायब–ए–मूमलिकात – एतगीन को नियुक्त किया।
It appointed its Naib-i-Mumlikat - Etgin.

★ एतगीन की हत्या कराई।
Atgin was murdered.

★ तयर के नेतृत्व में मंगोलो ने 1241 में आक्रमण किया।
The Mongols invaded in 1241 under the leadership of Tayyar.

(7) मसूदशाह (1242–46)

★ रुकनुद्दीन फिरोज का पुत्र Son of Ruknuddin Firoz

(8) नसीरुद्दीन महमूद (1246–1266)

- इल्तुतमिश का पुत्र son of iltutmish
- सल्तनत काल का औरंगजेब Aurangzeb of the Sultanate period
- टोपी सीकर जीवन व्यतीत करता था।
  He used to live his life by looking for caps.
- नायब–ए–मुमलिकात–बलबन Naib-i-Mumlikat-Balban
- महमूद बलबन का दामाद था। Mahmud was the son-in-law of Balban.
- शम्सी वंश का खात्मा, प्रथम इल्बरी वंश का खात्मा
  End of Shamsi dynasty, end of first Ilbari dynasty

★ बलबन (1266–1287)

- इसका शासनकाल द्वितीय इलबरी वंश का शुरूआत माना जाता है।
  His reign is considered the beginning of the Second Ilbury dynasty.

बलबनी वंश Balbani dynasty

- पूरा नाम – गयासुद्दीन बलबन **Full Name - Ghiyasuddin Balban**
- यह इल्तुतमिश का गुलाम था **He was a slave of Iltutmish**
- वास्तविक नाम – बहाउद्दीन **Real name - Bahauddin**
- उपाधि – उलूग खाँ (यह उपाधि महमूद ने दी थी।)
  Title - Ulugh Khan (This title was given by Mahmud.)

- अमीर–ए–शिकार बना – बहराम के समय में
  Became Amir-i-Shikar - in the time of Bahram
- अमीर–ए–आखूर बना। **Became Amir-e-Akhoor.**
- लौह एवं रक्त नीति, मेवातिओ के खिलाफ अपनाई।
  Iron and blood policy adopted against Mevatio.
- तुर्क–ए–चहलगानी का अंत किया। **Turk-e-Chahalgani ended.**
- सिजदा (झुकना), पाबोस (चूमना), नौरोज उत्सव शुरू किए
  Started sijda (bowing), pabos (kissing), Nowruz celebrations
- पहली बार गैर–इस्लामिक प्रथा दिल्ली सल्तनत में लागू हुई।
  For the first time non-Islamic practices were introduced in the Delhi Sultanate.
- फारसी पद्धति में दरबार का गठन किया।
  The court was formed in the Persian system.

- सैनिको के लिए नकद वेतन की व्यवस्था की।
  Arrangements were made for the salaries of the soldiers.
- दो विभाग बनाए **Create two departments–**
  (1) बरीद–ए–मुमालिक – (गुप्तचर विभाग)
  Barid-e-Mumalik - (Intelligence Department)
  (2) दिवान–ए–अर्ज– (सैन्यविभाग)
  Diwan-e-Arj-(Military Department)

- बलबन ने न्याय विभाग की स्थापना की थी।
  Balban had established the Department of Justice.
- बलबन के समय 1279, 1285 में – मंगोल आक्रमण हुए।
  During the time of Balban, in 1279, 1285 - Mongol invasions took place.
- 1279 में बंगाल में विद्रोह तुगरिल खाँ ने किया।
  Tughril Khan revolted in Bengal in 1279.

★ कैकुबाद (बलबन का पोता)

किलोखरी का किला बनवाया।

Kilokhari fort was built.

★ कैमुर्स (शमसुद्दीन II)

गुलाम वंश का अंतिम शासक

last ruler of slave dynasty